जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 19 सितम्बर, 2026

RERA No. RAJ/P/2023/2387

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड, जयपुर

केडिया का कमिटमेंट

NO MIDDLE MEN

FIXED PRICE

दिसंबर तक
2 करोड़ की होगी कोठी

₹4400/- Sq ft में फ्लैट ! दिसंबर तक 20 लाख रेट बढ़ेगी ₹5600/- Sq ft में कोठी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

HOW IRAN WAS ABLE TO SHAPE THE...

Iran did not need to defeat the US but create conditions that made the surrounding political-economic system unable to absorb unsustainable pain

The Dark Economics Behind a Nursery Rhyme

Bizarre Inventions From the Past In Use

प्र.मंत्री ने 23-24 सितंबर को कैबिनेट की "चिंतन" मीटिंग आहूत की

चिंतन बैठक को लेकर राजनैतिक गलियारों में अटकलों का बाज़ार गर्मा गया है, क्योंकि सभी मंत्रियों को राजधानी नई दिल्ली में रहने के आदेश दिए गए हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23-24 सितंबर, 2026 को अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ दो दिवसीय "चिंतन बैठक" आयोजित कर रहे हैं। बैठक के समय को देखते हुए इसे काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आयोजित इस बैठक में, महत्वपूर्ण राज्यों में भाजपा के कामकाज के नैरेटिव को मजबूत करने के लिए योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने, जनसंपर्क और आपसी तालमेल बढ़ाने की रणनीतियों पर चर्चा होने की संभावना है।

- **अटकलें हैं कि इस बैठक का संबंध मंत्रिमंडल फेरबदल से हो सकता है और इसमें कामकाज की समीक्षा के साथ नए चेहरों को शामिल करने पर चर्चा हो सकती है। कहा जा रहा है कि मंत्रिमंडल में 15 से 17 नए लोग शामिल हो सकते हैं।**
- **अधिकृत तौर पर कहा जा रहा है कि इस चिंतन बैठक में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा व मणिपुर की चुनाव रणनीति पर चर्चा होगी।**

सभी कैबिनेट मंत्रियों को राजधानी में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। मंत्री लगभग आठ-आठ के समूहों में बांटे जाएंगे और आत्म-सुधार, संचार एवं संवाद तथा शासन जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे। इसके बाद समूह अपनी प्रस्तुतियां देंगे। एजेंडे में सरकारी योजनाओं की प्रगति, नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन, सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता, जीवन को आसान बनाने, मंत्रालयों के बीच तालमेल, समय के सही इस्तेमाल और भविष्य की कार्ययोजना जैसे विषय शामिल हैं। अधिकारी पहले ही दो साल की परफॉर्मेंस रिपोर्ट, सोशल मीडिया पर लोगों की भागीदारी और 2021 के चिंतन शिविर के बाद की गई कार्रवाई की समीक्षा कर चुके हैं, जिसमें लाइव डैशबोर्ड और उपयोग में आसान मंत्रालयों की वेबसाइटों जैसे पहलू भी शामिल हैं।

अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस बैठक का संबंध कैबिनेट के विस्तार या फेरबदल से हो सकता है, जिसमें कामकाज की समीक्षा और नए चेहरों को शामिल करने पर चर्चा हो सकती है। इससे पहले की चर्चाओं के अनुसार, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर पिछले कुछ विवादों के कारण खतरा हो सकता है। इसके अलावा, हरदीप सिंह पुरी से जुड़े संभावित बदलाव अथवा अश्विनी वैष्णव जैसे एक से अधिक मंत्रालयों का प्रभार संभाल रहे मंत्रियों के विभागों में फेरबदल की भी अटकलें हैं। रिपोर्टों में संभावित नए चेहरों में राघव चड्ढा के साथ-साथ, क्षेत्रीय और युवा संतुलन को ध्यान में रखते हुए कुछ अन्य नेताओं के नाम भी सामने आए हैं। अनुमान है कि 15-17 नए चेहरों को मन्त्रिमण्डल में शामिल किया जा सकता है।

इस तरह की कवायद पहले भी की जा चुकी हैं। 2021 में किये गये बड़े कैबिनेट फेरबदल के कुछ ही समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हाई कोर्ट रामबाग गॉल्फ क्लब प्रकरण जल्दी तय करे'

जयपुर, 18 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने गोल्फ क्लब के पास बन रही बिल्डिंग के निर्माण मामले में हाईकोर्ट की ओर से यथा-स्थिति हटाने के आदेश में दखल से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने हाईकोर्ट को कहा है कि वह प्रकरण को जल्दी तय करें। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश योगेश यादव

- **सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति हटाने के आदेश में दखल देने से इंकार किया।**

की एसएलपी को निस्तारित करते हुए दिया। एसएलपी में हाईकोर्ट के 13 जुलाई के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अदालत ने गोल्फ क्लब के पास बन रही बिल्डिंग के निर्माण पर लगी यथास्थिति को हटाते हुए मामले की सुनवाई को ड्यू कोर्स में भेज दिया था।

एसएलपी में योगेश यादव की ओर से कहा गया था कि मामले की सुनवाई को ड्यू कोर्स में भेजना गलत है, इसलिए मामले की सुनवाई जल्द करवाई जाए। गौरतलब है कि प्रार्थी ने हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका में कहा था कि पूर्व के निर्णयों को दरकिनार कर गोल्फ क्लब के पास निर्माण की अनुमति दी गई है, जो गलत है। इसलिए निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाए। खंडपीठ ने पूर्व में सुनवाई करते हुए 19 दिसंबर 2025 के अंतरिम आदेश से रामबाग गोल्फ क्लब के पास की बिल्डिंग के निर्माण पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था। वहीं गत 13 जुलाई को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एआई के बेरोकटोक डवलपमैंट पर किंग चार्ल्स ने भी चिंता जताई

किंग चार्ल्स ने स्कॉटलैंड में एनवीडिया, गूगल डीपमाइंड, ओपन एआई और एंथ्रोपिक के वरिष्ठ अफसरों के सम्मेलन में यह चेतावनी दी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। किंग चार्ल्स तृतीय उस ग्लोबल बहस में शामिल हो गए है, जिसमें यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या आर्टिफिशल इंटैलिजैंस (एआई) समाज की उसे कंट्रोल करने की क्षमता से कहीं अधिक तेजी से आगे बढ़ रहा है। गुरुवार को स्कॉटलैंड में एनवीडिया, गूगल डीपमाइंड, ओपनएआई और एंथ्रोपिक के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए किंग चार्ल्स ने चेतावनी दी कि अगर एआई गलत हाथों में पड़ जाता है और उसका इस्तेमाल खतरनाक तरीकों से होता है, तो इससे अस्तित्व के लिए खतरा पैदा हो सकता है।

- **किंग चार्ल्स ने कहा कि जिन लोगों ने ये सिस्टम बनाए हैं, वे खुद चेतावनी दे रहे हैं कि एआई खतरनाक क्षमताएं विकसित कर सकता है, जो इंसान के लिए खतरनाक बन सकती हैं।**
- **उन्होंने कहा, एआई को रोका नहीं जा सकता, पर, इसके विकास की गति व दिशा के साथ-साथ सुरक्षा उपाय, जवाबदेही और मानवीय उद्देश्य भी होना चाहिए।**
- **गौरतलब है कि दुनिया भर की कई नामचीन हस्तियाँ एआई के निरंकुश डवलपमैंट पर गंभीर चिंता जता चुकी हैं।**

उनके हस्तक्षेप का महत्व ब्रिटेन के राजा की संवैधानिक भूमिका से कम और इस बात से अधिक है कि यह ऐसे समय में सामने आया है, जब टैक्नॉलजी इंडस्ट्री के अंदर से ही बेरोक-टोक एआई डवलपमैंट को लेकर चिंता बढ़ रही है। चार्ल्स ने कहा कि जिन लोगों ने ये सिस्टम बनाए हैं, उनमें से कुछ अब खुद चेतावनी दे रहे हैं कि एआई ऐसी क्षमताएं हासिल कर सकता है, जो गलत जानकारी, नौकरी जाने या एल्गॉरिद्म के पक्षपाती होने जैसी आज की जानी-पहचानी समस्याओं से कहीं ज्यादा खतरनाक हो सकती हैं। उन्होंने् खास तौर पर एआई के "खतरनाक क्षमताएं" विकसित करने की संभावनाओं का जिक्र किया, जो इन्सानी जिन्दगी के लिये खतरनाक बन सकती हैं।

उनका मुख्य तर्क यह नहीं था कि एआई को रोक दिया जाना चाहिए। बल्कि उनका कहना था कि इसके विकास की गति और दिशा के साथ सुरक्षा उपायों, जवाबदेही और स्पष्ट मानवीय उद्देश्य का होना भी जरूरी है। उनके शब्दों में, तकनीकी उद्योग का काम "सिर्फ तकनीक को आगे बढ़ाना" नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि तकनीक "मानवता, समुदाय और प्राकृतिक दुनिया" की सेवा में लगी रहे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने जयपुर के 78 पार्षदों को पुष्कर रिसॉर्ट में भेजा

मेयर के लिए सुनील कोठारी का नाम सबसे आगे, डिप्टी मेयर के लिए प्रतिभा शर्मा चर्चा में

जयपुर, 18 सितम्बर। जयपुर नगर निगम चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल करने के बाद अब भाजपा की पूरी नजर बोर्ड के मुखिया के चयन पर टिक गई है। भाजपा, जो 78 पार्षदों के साथ बोर्ड बनाने की स्थिति में पहुंची है, में मेयर और डिप्टी मेयर के चेहरे को लेकर शुक्रवार देर रात तक मंथन चलता रहा। संगठन ने सभी विजयी पार्षदों से उनकी पसंद जानने के लिए तीन-तीन नाम मांगे हैं। पार्षदों की राय जुटाने के बाद अब संगठन स्तर पर फीडबैक के अंतिम दौर की प्रक्रिया चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, मेयर पद के लिए सुनील कोठारी का नाम सबसे आगे चल रहा है, जबकि डिप्टी मेयर पद के लिए प्रतिभा शर्मा के नाम पर गंभीरता से विचार होने की चर्चा है। हालांकि दोनों नामों पर भाजपा की ओर से अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

- **चर्चा है कि भाजपा पुष्कर से अपने पार्षदों को चुनाव के दिन बसों से सीधे नगर निगम पहुँचाकर मतदान कराएगी।**
- **शनिवार को मेयर पद के नामांकन की अंतिम तारीख है। इसलिए शनिवार तक नाम फाइनल होने की उम्मीद जताई जा रही है।**

मेयर-डिप्टी मेयर चुनाव से पहले, भाजपा ने अपने पार्षदों को एकजुट रखने की कवायद तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार देर शाम भाजपा के विजयी पार्षदों को जयपुर से पुष्कर के एक निजी रिसॉर्ट में शिफ्ट किया गया। माना जा रहा है कि चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक पार्षदों को एक साथ रखा जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, चुनाव के दिन सभी पार्षदों को बसों के जरिए जयपुर लाने और सीधे नगर निगम पहुंचाकर मतदान कराने की तैयारी है।

मेयर पद के लिए सुनील कोठारी का नाम पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में है। संगठन के भीतर चल रहे मंथन में उनका नाम प्रमुखता से सामने आने की बात कही जा रही है। भाजपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत में जन्मी मादा चीता ने 4 शावकों को जन्म दिया

भोपाल, 18 सितम्बर। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से प्रोजेक्ट चीता के चार साल पूरे होने के एक दिन बाद शुक्रवार को खुशखबरी आई है। भारत में जन्मी मादा चीता केजीपी-12 ने चार शावकों को जन्म

- **अब कूनो में चीतों की संख्या 54 हो गई, जिनमें से 32 का जन्म भारत में हुआ है।**

दिया है, जिसके बाद कूनो में चीतों की संख्या बढ़ कर 54 हो गई है और इनमें 37 चीते भारत में जन्मे हैं।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में भारत में जन्मी मादा चीता केजीपी-12 ने शुक्रवार को चार शावकों को जन्म दिया है। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने इसे प्रोजेक्ट चीता के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉक्टर की पर्ची की दवा अब सीसीटीवी की निगरानी में मिलेगी

केन्द्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय ने दवा बिक्री के नए नियमों की ड्राफ्ट अधिसूचना जारी की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितंबर। फार्मेसियों और अन्य लाइसेंस प्राप्त दुकानों पर बेची जाने वाली डॉक्टर की पर्ची वाली दवाओं की बिक्री पर जल्द ही सीसीटीवी से निगरानी रखी जा सकती है। केंद्र सरकार ने एक नई व्यवस्था का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत डॉक्टर की पर्ची के आधार पर दवाओं की बिक्री की जांच और पुष्टि की जा सकेगी।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की 8 सितंबर 2026 को जारी मसौदा अधिसूचना के अनुसार, किसी पंजीकृत चिकित्सक की पर्ची पर दी जाने वाली किसी भी दवा की बिक्री, लाइसेंस प्राप्त परिसर में लगाए गए और संचालित सीसीटीवी निगरानी तंत्र के तहत करनी होगी, इसमें सिर्फ थोक कारोबार को छूट दी गई है।

- **सरकारी सूत्रों ने बताया कि प्रिस्क्रिप्शन वाली दवाओं की अनाधिकृत बिक्री रोकने के लिए निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने का निर्णय लिया गया है। नए नियमों के तहत दवा बिक्री की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को तीन माह तक अनिवार्य रूप से सुरक्षित रखना होगा।**
- **ड्राफ्ट अधिसूचना के तहत ड्रग्स रूल्स, 1945 के रूल 65 में संशोधन करते हुए एक नया उपनियम जोड़ा गया है। हालांकि, थोक विक्रेताओं को इससे अलग रखा गया है।**
- **सरकार का लक्ष्य है कि वयस्कों के लिए जो दवाएं प्रिस्क्राइब की जाती हैं, वो बच्चों को बिना उचित मैडिकल सुपरविज़न के न दी जाएं।**

प्रस्तावित नियमों के तहत सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग को कम से कम तीन महीने तक सुरक्षित रखना भी जरूरी होगा।

सरकारी सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य डॉक्टर की पर्ची वाली दवाओं की अनाधिकृत बिक्री पर रोक लगाना, निगरानी व्यवस्था को मजबूत करना और दवाएं देने की प्रक्रिया में जवाबदेही बढ़ाना है। यह कदम ऐसी चिंताओं के बीच आया है कि वयस्कों के लिए बनाई गई कुछ दवाएं, जिनमें खांसी की कुछ दवाएं भी शामिल हैं, कभी-कभी उचित चिकित्सकीय निगरानी के बिना बच्चों को दे दी जाती हैं।

हालांकि, यह प्रस्ताव अभी अंतिम नियम नहीं बना है। सरकार ने अंतिम रूप से संशोधन को अधिसूचित करने से पहले लोगों से आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं।

सरकारी राजपत्र में कहा गया है कि इस मसौदे में ड्रग्स नियम, 1945 के नियम 65 में एक नया उप-नियम जोड़कर संशोधन करने का प्रस्ताव है।

इसमें कहा गया है कि पंजीकृत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल ने जनकपुर के जानकी मंदिर को संरक्षित स्मारक घोषित किया

काठमांडू, 18 सितंबर। नेपाल सरकार ने जनकपुरधाम के प्रसिद्ध जानकी मंदिर को संरक्षित स्मारक क्षेत्र घोषित किया है। नेपाल सरकार का लक्ष्य जानकी मंदिर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराना है।

- **अब मंदिर के आस-पास भवन निर्माण सहित अन्य गतिविधियों पर निर्धारित मापदंड लागू होंगे।**

इसके लिए संबंधित सांस्कृतिक विरासत क्षेत्र को संरक्षित स्मारक क्षेत्र घोषित करना आवश्यक प्रक्रिया का हिस्सा है।

संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने राजपत्र में सूचना प्रकाशित कर इस निर्णय की जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार, मंत्रिपरिषद की बैठक ने प्राचीन स्मारक संरक्षण ऐन,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जोधपुर हाईकोर्ट की जर्जर हो रही नई बिल्डिंग के ठेकेदार की रिहाई के आदेश दिये सुप्रीम कोर्ट ने

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर विशेष अनुमति याचिका को स्वीकार किया और पक्षकारों को नोटिस जारी किये

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 18 सितम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा दिये गये आदेश, कि जोधपुर स्थित उच्च न्यायालय की नवनिर्मित इमारत की जर्जर हो रही स्थिति की जाँच की जाए और इसके आरोपियों के खिलाफ त्वरित आपराधिक कार्रवाई की जाए, के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की गई। सुनवाई के दौरान सामने आया है कि हाईकोर्ट के आदेश अनुसार, न्यायालय की नई बिल्डिंग के निर्माण से जुड़ी जिम्मेदार फर्म के निदेशक विरेन्द्र कुमार गर्ग को हिरासत में ले लिया गया था, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी तुरंत रिहाई के आदेश दिये और मामले में याचिका को तथ्यात्मक रूप

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने इस मामले पर 24 अगस्त को ही आदेश पारित किये थे कि प्रदेश में कोई भी अदालत इस मामले की जांच अवरूद्ध कर किसी व्यक्ति विशेष या अफसर को आपराधिक दायित्व से सुरक्षित नहीं कर सकती है। अदालत ने आदेश दिये थे कि केवल हाईकोर्ट की खण्डपीठ या सुप्रीम कोर्ट ही मामले में हस्तक्षेप कर सकते हैं।**
- **हाईकोर्ट के आदेश अनुसार ही नई बिल्डिंग के मुख्य ठेकेदार विरेन्द्र कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के खिलाफ जांच चल रही थी और इस फर्म के मुख्य निदेशक विरेन्द्र कुमार गर्ग को हिरासत में भी लिया गया था।**

से सुनने के आदेश दिये हैं और सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किये हैं। न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायाधीश शील नागू की खण्डपीठ ने यह आदेश दिये।

उल्लेखनीय है कि गत 24 अगस्त को राजस्थान हाईकोर्ट की खण्डपीठ ने जोधपुर स्थित न्यायलय की प्रधान पीठ के लिए निर्मित नई बिल्डिंग की जर्जर हो रही हालत को देखते हुए मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था और कहा था कि यह मामला हजारों लोगों की जान की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है, क्योंकि हजारों लोग कोर्ट आते हैं और कोर्ट की मुख्य बिल्डिंग पर बना हुआ गुम्बद किसी भी समय गिर सकता है। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी जोधपुर के विशेषज्ञों का कहना है कि 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, गुम्बद का भार ढो रहीं स्टील के सरियो में जंग लगी है, कंकरीट के ढांचे में दरारें हैं और प्लास्टर और स्लेब भी गिर चुके हैं। आईआईटी बॉम्बे की रिपोर्ट के अनुसार नई बिल्डिंग के लगभग 60 प्रतिशत ढांचे में मरम्मत की त्वरित आवश्यकता है। अदालत ने इन सभी तथ्यों को उद्धृत करते हुए कहा था कि आरएसआरडीसी और पीडब्ल्यूडी के अफसर जल्द से जल्द मरम्मत और सुधार के कार्य पूरे करें, ताकि लोगों की जान पर खतरा न बना रहे। अदालत ने राज्य के मुख्य सचिव, वित्त विभाग के मुख्य सचिव और पीडब्ल्यूडी की अतिरिक्त मुख्य सचिव को मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत कार्रवाई करने के आदेश भी दिये।

इसके अलावा अदालत ने पुलिस विभाग से जुडे स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) के पुलिस महानिदेशक आनंद श्रीवास्तव को मामले की जांच कर रिपोर्ट पेश करने के आदेश भी दिये थे। अदालत ने आगे कहा था कि प्रदेश में कोई भी अदालत इस मामले की जांच अवरूद्ध कर किसी व्यक्ति विशेष या अफसर को आपराधिक दायित्व से सुरक्षित नहीं कर सकती है। अदालत ने आदेश दिये थे कि केवल हाईकोर्ट की खण्डपीठ या सुप्रीम कोर्ट ही मामले में हस्तक्षेप कर सकते है।

इसी आदेश की पालना में जोधपुर स्थित हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग के मुख्य ठेकेदार विरेन्द्र कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली विश्वविद्यालय चुनाव के बाद जुलूस पर रोक

नई दिल्ली, 18 सितंबर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन (डूसू) के चुनाव के बाद किसी भी तरह के विजय जुलूस निकालने पर रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता

- **दिल्ली हाईकोर्ट ने सभी छात्र संगठनों व प्रत्याशियों को नोटिस जारी किया।**

वाली बेंच ने सभी छात्र संगठनों और उम्मीदवारों को नोटिस जारी कर पूछा है कि लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के उल्लंघन के मामले में कार्रवाई क्यों नहीं की जाए।

उच्च न्यायालय ने 17 सितंबर को प्रचार के अंतिम दिन हुई हिंसा के मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा था कि लोकतंत्र को आपराधिक समाज के रुप में तब्दील नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और दिल्ली विश्वविद्यालय से सख्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, शनिवार 19 सितम्बर, 2026

UPI
UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

यूपीआई: आपके लिए वही सहजता, कल के लिए और अधिक मजबूती

सभी पर्सन-टू-पर्सन लेन-देन	नि:शुल्क
पर्सन-टू-मर्चेंट के 96% लेन-देन केवल 4% पर्सन-टू-मर्चेंट लेन-देन ₹2,000 से अधिक हैं	नि:शुल्क
आवश्यक एवं सरकारी सेवाओं के लिए ₹2,000 तक के लेन-देन ₹2,000 से अधिक: ₹5 का एकसमान एमडीआर	नि:शुल्क
RuPay सभी रुपे डेबिट कार्ड लेन-देन	नि:शुल्क

चुनिंदा उच्च-मूल्य वाले व्यापारी लेन-देन पर मामूली एमडीआर क्यों?

- हमारी स्वदेशी भुगतान प्रणाली की दीर्घकालिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए।
- यूपीआई को प्रत्येक क्षेत्र और नागरिक तक पहुँचाने के लिए: 120 करोड़ मोबाइल उपयोगकर्ता, लेकिन 56.5 करोड़ यूपीआई उपयोगकर्ता।
- भारत के फिनटेक इकोसिस्टम में निवेश लाने के लिए - दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था।
- देश के नागरिकों की सेवा के लिए नए उत्पादों और सेवाओं की शुरुआत करने के लिए, जैसे यूपीआई पर क्रेडिट और फीचर फोन पर यूपीआई।

विश्व के **49%** रियल-टाइम इंस्टेंट पेमेंट यूपीआई से होते हैं।

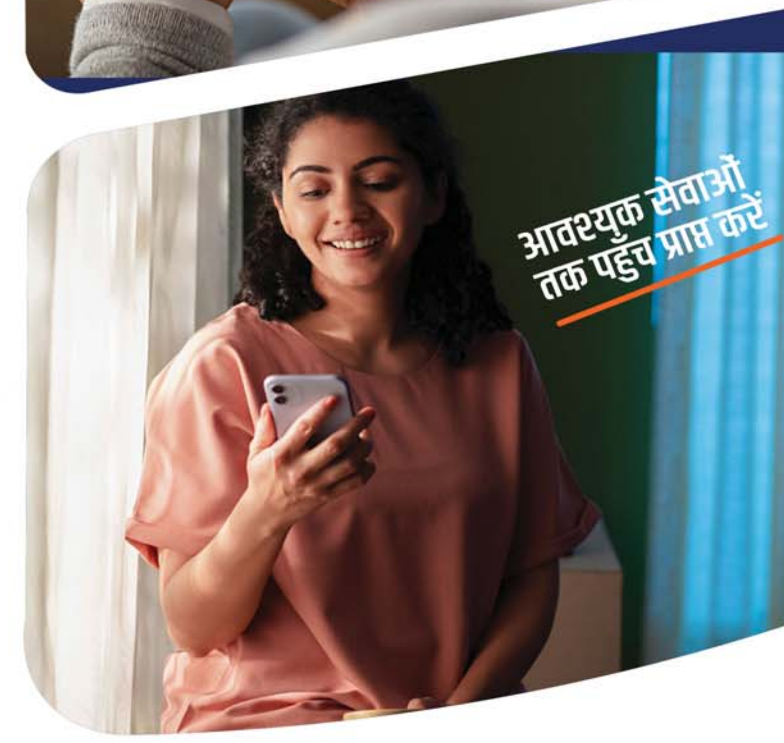

भारत के लोगों ने इसे संभव बनाया।
आपके विश्वास और सहयोग के लिए धन्यवाद।

NPCI भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम NATIONAL PAYMENTS CORPORATION OF INDIA | ALWAYS FORWARD | PCI Payments Council Of India

CBC 07101/13/0041/2627

विचार बिन्दु

बच्चे कोरे कपड़े की तरह होते हैं, जैसा चाहो वैसा रंग लो, उन्हें निश्चित रंग में केवल डुबो देना पर्याप्त है। –सत्यसाई बाबा

सोशल मीडिया बच्चों का दोस्त है या दुश्मन

दुनिया की एक प्रमुख मार्केट रिसर्च कंपनी इप्सोस के एजुकेशन मॉनिटर 2026 के एक ताज़ा सर्वे के अनुसार भारत में 14 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर व्यापक रोक को लेकर लोगों का समर्थन बढ़ता दिख रहा है। सर्वे में शामिल 78 फीसदी भारतीय वयस्क इस बात से सहमत हैं कि 14 साल से कम उम्र के बच्चों को स्कूल के अंदर और बाहर सोशल मीडिया इस्तेमाल करने से रोका जाना चाहिए। वहीं 20 फीसदी लोगों ने इससे असहमति जताई। भारत में समर्थन का यह स्तर 31 देशों के औसत 73 फीसदी से पांच प्रतिशत अंक ज्यादा है। खास बात यह है कि पिछले साल भारत में इस प्रस्ताव को 68 फीसदी लोगों का समर्थन मिला था। यानी एक साल में समर्थन में 10 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है। इप्सोस के सर्वे में 31 देशों के 23,537 ऑनलाइन वयस्कों को शामिल किया गया। इन लोगों की उम्र 75 साल से कम थी और सर्वे 19 जून से 3 जुलाई 2026 के बीच किया गया। भारत उन देशों में शामिल है जहां बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक को लेकर समर्थन अपेक्षाकृत ज्यादा है। इंडोनेशिया में 90 फीसदी लोगों ने इसका समर्थन किया, जबकि मलेशिया में यह आंकड़ा 83 फीसदी, फ्रांस में 82 फीसदी और इटली में 81 फीसदी रहा।

आज घर घर में बच्चे और युवा धड़ल्ले से मोबाइल पर स्क्रीनिंग कर रहे है। उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं है की यह उनके स्वास्थ्य और पढ़ाई के लिए कितना खतरनाक है। मीडिया मेंबच्चे और युवा पीढ़ी को मोबाइल लत के खतरे से लगातार आगाह किया जा रहा है। अनेक बच्चे और युवा इसके दुष्परिणामों के शिकार होकर अस्पतालों में अवसाद का इलाज़ करा रहे है। सेंसर टावर की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अपने देश में गत वर्ष मोबाइल पर 1.12 ट्रिलियन घंटे स्क्रीनिंग की गई जो दुनियाभर में सर्वाधिक आंकी गई है। इससे पता चलता है 18 वर्ष की आयु सीमा के 40 करोड़ बच्चे में से हर तीसरा बच्चा मोबाइल अवसाद का शिकार है, जिनकी संख्या 13 करोड़ से अधिक बताई जा रही है। इसी भांति एक अन्य नई रिसर्च के मुताबिक मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप जैसे गैजेट्स न केवल बच्चों के स्वास्थ्य अपितु उनके शैक्षिक जीवन के लिए भी खतरा बन रहे है। टेक्नोलॉजी के इस दौर में बच्चे मोबाइल फोन, टैबलेट से ही अपनी पढ़ाई कर रहे हैं। खासकर कोविड में ऑनलाइन पढ़ाई के बाद उनके बीच स्क्रीन टाइम बहुत बढ़ा है।

एक अन्य रिपोर्ट में यह सामने आया है कि 73 प्रतिशत स्कूली बच्चे अश्लील सामग्री देखते हैं। वहीं, 80 प्रतिशत बच्चे रोज़ाना सोशल मीडिया पर कम से कम 2 घंटे बिताते हैं। इसका सीधा असर उनकी पढ़ाई, सोचने-समझने की क्षमता और व्यवहार पर पड़ रहा है। मोबाइल आपका दोस्त है या दुश्मन। बिना विलंब किए इस पर गहनता से मंथन की जरुरत है। आजकल मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों को इंटरनेट एडिक्शन की तरफ ले जा रहा है। एक स्टडी रिपोर्ट में एक बार फिर मोबाइल के खतरे से सावचेत किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है पैरेंट्स बिना सोचे-समझे सिर्फ दो-ढाई साल के बच्चों के हाथ में मोबाइल थमा देते हैं। इसके बाद बिना मोबाइल यूज किए बच्चा खाना तक नहीं खाता है। हालांकि इंफॉर्मेशन, टेक्नॉलोजी और एआई के दौर में मोबाइल का इस्तेमाल जरूरी है। लेकिन छोटे-छोटे बच्चों को मोबाइल देने की क्या जरूरत है? अगर आप भी मोबाइल एडिक्शन को सीरियसली नहीं ले रहे हैं, तो आपको बता दें कि सेलफोन आपके बच्चों का सबसे बड़ा दुश्मन बन रहा है। कच्ची उम्र में बच्चों को डिजिटल डिमेंशिया जैसी घातक बीमारी हो सकती है। ब्रिटेन में हुई स्टडी के मुताबिक दिन में 4 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम से वैस्कुलरडिमेंशिया और अल्जाइमर का जोखिम बढ़ जाता है। फोन पर घंटोस्क्रॉल करने पर ढेरों फोटोज, एप्स, वीडियोज सामने आते हैं जिससे आपके दिमाग के लिए सब कुछ याद रखना मुश्किल हो जाता है। परिणाम स्वरूप आपकी याद्दाश्त, कॉन्संट्रेशन और सीखने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है।

जब से इंटरनेट हमारे जीवन में आया है तबसे बच्चे से बुजुर्ग तक आभासी दुनियां में खो गए है। हम यहाँ बचपन की बात करना चाहते है। देखा जाता है पांच साल का बच्चा भी आँख खोलते ही मोबाइल पर लपकता है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए करते थे। अब बच्चे भी इंटरनेट के शौकीन होते जा रहे हैं। बाजार ने उनके लिए भी इंटरनेट पर इतना कुछ दे दिया है कि वह पढ़ने के अलावा बहुत कुछ इंटरनेट पर करते रहे हैं। पेरेंट्स को बच्चों की ऐसी गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए और समय रहते उनकी ऐसी आदत को पॉजेटिव तरीके से दूर करना चाहिए।

स्क्रीन टाइम ज्यादा होने का सबसे पहला असर बच्चों की आंखों की रोशनी पर पड़ रहा है। स्क्रीन को नजदीक और एकटक देखने से आंखें ड्राई होने लगती हैं यही हालात रहने पर आंखों की रोशनी कम होने लगती है। मोबाइल बच्चों का दोस्त है या दुश्मन। बिना विलंब किए अभिभावकों को इस पर गहनता से मंथन की जरुरत है। आजकल मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों को इंटरनेट एडिक्शन की तरफ ले जा रहा है। इस तरह के एडिक्शन से मानसिक बीमारियां पैदा होती हैं और ऐसे में बच्चे कोई न कोई गलत कदम उठा लेते हैं। आजकल के बच्चे इंटरनेट लवर हो गए हैं। इनका बचपन रचनात्मक कार्यों की जगह डेटा के जंगल में गुम हो रहा है। पिछले कई सालों में सूचना तकनीक ने जिस तरह से तरक्की की है, इसने मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है बल्कि एक तरह से इसने जीवनशैली को ही बदल डाला है। बच्चे और युवा एक पल भी स्मार्टफोन से खुद को अलग रखना गंवारा नहीं समझते। इनमें हर समय एक तरह का नशा सा सवार रहता है। वैज्ञानिक भाषा में इसे इंटरनेट एडिक्शनडिस्ऑर्डर कहा गया है।

जब से इंटरनेट हमारे जीवन में आया है तबसे बच्चे से बुजुर्ग तक आभासी दुनियां में खो गए है। हम यहाँ बचपन की बात करना चाहते है। देखा जाता है पांच साल का बच्चा भी आँख खोलते ही मोबाइल पर लपकता है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए करते थे। अब बच्चे भी इंटरनेट के शौकीन होते जा रहे हैं। बाजार ने उनके लिए भी इंटरनेट पर इतना कुछ दे दिया है कि वह पढ़ने के अलावा बहुत कुछ इंटरनेट पर करते रहे हैं। पेरेंट्स को बच्चों की ऐसी गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए और समय रहते उनकी ऐसी आदत को पॉजेटिव तरीके से दूर करना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 19 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत-2083, मूल नक्षत्र रात्रि 1:43 तक, आयुष्मान योग दिन 2:29 तक, बव करण दिन 3:27 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग रात्रि 1:43 से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी, राधाष्टमी, श्री दधिची जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ 7:48 से 9:19 तक, चर 12:21 से 1:51 तक, लाभ-अमृत 1:51 से 4:53 तक।

राहुकाल– 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:24

मेष
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आज धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय बना रहेगा।

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आज परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है।

कर्क
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

मानसिक अवसाद की ओर धकेलता स्क्रीन एडिक्शन

डॉ. मोनिका शर्मा

आज की डिजिटल दुनिया में अत्यधिक स्क्रीन टाइम मानसिक अवसाद यानी डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। दिखावे की संस्कृति और अनियंत्रित मानसिक अवसाद हंसते-खेलते परिवारों को तबाह कर रहे हैं। हमें यह समझना होगा कि चीजें और तकनीक दोबारा खरीदी जा सकती हैं, लेकिन खोई हुई जिंदगी और परिवार कभी वापस नहीं आते।

हाल ही में महाराष्ट्र के संभाजीनगर में आईफोन की जिद के विवाद में एक 19 वर्षीय युवक और उसे बचाने के प्रयास में उसके माता-पिता की पहाड़ी से गिरकर हुई दर्दनाक मौत की घटना केवल एक फोन की जिद नहीं, बल्कि इसके पीछे युवाओं में लग्जरी लाइफस्टाइल, घटते सब्र, गंभीर स्क्रीन एडिक्शन और छिपे हुए मानसिक अवसाद की गहरी समस्या की तस्वीर का संकेत एवं चेतावनी हैं। सोशल मीडिया और फोन युवाओं के लिए एस्केप मोड (भागने का जरिया) और डोपामाइन (फील गुड हार्मोन) का प्राथमिक स्त्रोत बन चुके हैं। जब यह कनेक्शन टूटता है, तो वे चिड़चिड़े या हिंसक हो जाते हैं। महंगे गैजेट्स को स्टेटस सिंबल मानकर युवा अपनी आर्थिक स्थिति से परे जाकर जिद करने लगते हैं। सामाजिक तौर पर ये समस्या घरों में आपसी संवाद की कमी से भी बढ़ रही है, जहां एक ही घर में रहकर भी लोग स्क्रीन में खोए रहते हैं, जिससे आपस में भावनात्मक जुड़ाव और बातचीत खत्म हो रही है।

महाराष्ट्र के संभाजीनगर के गांव में हुए ताजा घटनाक्रम के अनुसार, 19 साल के कुणाल ने आईफोन खरीदकर और उसकी किश्त चुकाने को लेकर अपने पिता से जिद की थी, जिसे लेकर घर में अनबन और विवाद हुआ। गुस्से और नाराजगी में कुणाल घर से निकलकर पहाड़ की चोटी पर जा बैठा और करीब 4 घंटे तक हंगामा व आत्महत्या की धमकी देता रहा। सूचना पर माता-पिता, पुलिस, स्थानीय लोग और दमकल विभाग मौके पर पहुंचे तथा उसे समझाने की कोशिश की। मां ने बेटे को मनाने के लिए अपना मंगलसूत्र तक देने की बात भी कही। बातचीत के दौरान जब पिता उसे बचाने के लिए आगे बढ़े, तो उनका संतुलन बिगड़ गया और कुणाल के साथ पिता भी नीचे गिर पड़े। अपनी आंखों के सामने पति और बेटे को नीचे गिरते देख सदमे में आई मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी, जिससे एक ही परिवार के तीनों सदस्यों की मौत हो गई।

मनोचिकित्सकों का मानना है कि किशोरों में अवसाद अक्सर उदासी के रूप में नहीं, बल्कि अत्यधिक गुस्से और चिड़चिड़ेपन के रूप में बाहर आता है, जिसे माता-पिता बदतमीजी या नखरा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक, हमारे हाथ स्मार्टफोन से चिपके रहते हैं। रील्स और शॉर्ट्स को बिना सोचे-समझे स्क्रॉल करने की यह आदत धीरे-धीरे इंसानों को एक गहरे साइलेंट डिप्रेशन की ओर धकेल रही है। शोध कहते हैं कि प्रतिदिन तीन से चार घंटे से अधिक स्क्रीन पर बिताने वाले लोगों में अवसाद और एंग्जायटी का जोखिम दोगुना हो जाता है। केंद्र सरकार ने बच्चों और युवाओं में बढ़ती डिजिटल लत को एक गंभीर साइलेंट क्राइसिस घोषित किया है। सर्वे में माता-पिता से मिले फीडबैक के आधार पर बच्चों में ये बदलाव देखे गए हैं। 61 फीसदी बच्चों में अधीरता बढ़ गई है। 58 प्रतिशत बच्चों में अत्यधिक गुस्सा और आक्रामकता देखी गई है। 50 फीसदी बच्चे अति-सक्रियता का शिकार हो रहे हैं।

सर्वे कहता है कि लगभग आधे बच्चों में नींद की कमी, डिप्रेशन और सुस्ती पाई गई है। वहीं शॉर्ट वीडियो (रील्स) के लूप में फंसे रहने से युवाओं की एकाठाता क्षमता बहुत कम हो गई है। फोन छीनने या गेमिंग से रोकने पर बच्चे हिंसक कदम उठा रहे हैं। लखनऊ में एक 16 वर्षीय लड़के द्वारा गेमिंग की लत के कारण टोकने पर अपनी मां की हत्या करने जैसी दिल दहलाने वाली घटना सामने आई हैं। एम्स दिल्ली और अमेरिकी मेडिकल जर्नल की रिपोर्ट्स के अनुसार, स्क्रीन और सोशल मीडिया एडिक्शन के शिकार बच्चों में आत्महत्या से संबंधित जोखिम अधिक पाया गया है। गाजियाबाद में ऑनलाइन गेमिंग और मोबाइल की लत के चलते तीन नाबालिग बहनों द्वारा नौवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी करने की घटना इसका उदाहरण है। सड़कों, रेलवे ट्रैक और खतरनाक ऊंचाई पर इंस्टाग्राम रील्स या शॉर्ट वीडियो शूट करने के जुनून में हर साल सैकड़ों भारतीय युवा अपनी जान गंवा रहे हैं या गंभीर हादसों का शिकार हो रहे हैं।

यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 15 से 24 वर्ष के 14 प्रतिशत युवा (हर 7 में से 1) अक्सर अवसाद या मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं। निमहांस सर्वेक्षण के अनुसार, 13 से 17 वर्ष के 7.3 फीसदी किशोर गंभीर मानसिक विकारों से पीड़ित हैं। शहरी क्षेत्रों में यह संख्या और भी अधिक पाई गई है। एनसीईआरटी छात्र सर्वेक्षण में स्कूल जाने वाले 11 प्रतिशत छात्रों ने अत्यधिक चिंता, 14 फीसदी ने चरम भावनाओं और 43 प्रतिशत ने मूड स्विंग्स की शिकायत की है। आईसीएमआर अध्ययन में कॉलेज जाने वाले 32 प्रतिशत छात्रों में मध्यम से गंभीर अवसाद के लक्षण देखे गए हैं। स्पेन लैब्स की युवा मानसिकता रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेट और डिजिटल दुनिया से जुड़े 13-17 वर्ष के भारतीय किशोरों में आक्रामकता, गुस्सा और आत्म-नियंत्रण की कमी तेजी से बढ़ रही है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अनुसार, भारत में 15 से 29 वर्ष के युवाओं की मृत्यु का एक मुख्य कारण आत्महत्या है। कम उम्र में स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग, स्क्रीन टाइम बढ़ना और संयुक्त परिवारों का टूटना युवाओं को अकेला बना रहा है।

असल में आज की डिजिटल दुनिया में अत्यधिक स्क्रीन टाइम मानसिक अवसाद यानी डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। दिखावे की संस्कृति और अनियंत्रित मानसिक अवसाद हंसते-खेलते परिवारों को तबाह कर रहे हैं। इस जानलेवा स्थिति से परिवार को सुरक्षित रखने के लिए माता-पिता और युवाओं दोनों को तुरंत कदम उठाने होंगे। इसके लिए शुरुआती उम्र में फोन से दूरी बनाएं। बच्चों को शांत रखने के लिए बचपन से ही हाथ में फोन थमाने की आदत बिल्कुल बंद करें। बच्चों को स्क्रीन एडिक्शन से बचने के लिए उन्हें समय दें। बच्चों के साथ हर दिन बिना फोन के बैठें, खेलें और उनके मन की बात सुनें। बच्चों की हर जिद (विशेषकर महंगी चीजों की) तुरंत पूरी न करें। उन्हें अभाव और सब्र का महत्व सिखाएं। यदि बच्चा फोन न मिलने पर खाना छोड़ रहा है, हिंसक हो रहा है या खुद को कमरे में बंद कर रहा है, तो यह खतरे की घंटी है इन बदलावों को समय रहते पहचानें।

इसके साथ ही परिवार में डिजिटल डिटॉक्स के नियम अपनाएं जैसे नो-फोन जोन यानी घर के डाइनिंग टेबल और बेडरूम में मोबाइल का उपयोग पूरी तरह वर्जित करें। डिजिटल डिटॉक्स के तहत सप्ताह में कम से कम एक दिन या कुछ घंटे पूरे परिवार के साथ बिना गैजेट्स के बिताएं। यदि परिवार में कोई व्यक्ति या युवा गंभीर अवसाद, स्क्रीन की लत या आत्महत्या के विचारों से जूझ रहा है, तो इसे नजरअंदाज न करें। तुरंत क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट से काउंसलिंग कराएं या भारत सरकार की मुफ्त और गोपनीय हेल्पलाइन पर संपर्क करें। हमें यह समझना होगा कि चीजें और तकनीक दोबारा खरीदी जा सकती हैं, लेकिन खोई हुई जिंदगी और परिवार कभी वापस नहीं आते। इस बात को हम जितनी जल्दी समझ लेंगे, उतना ही सभी के लिए बेहतर होगा।

–डॉ. मोनिका शर्मा,
वरिष्ठ पत्रकार

संसद की गिरावट को रोकना होगा

प्रो. कैलाश सोडाणी

भारतीय संविधान में केन्द्र सरकार द्वारा लिये जाने वाले प्रत्येक महत्वपूर्ण निर्णय एवं बनाये जाने वाले कानून से पूर्व उस विषय पर चर्चा, परिचर्चा, वाद-विवाद के लिए ही लोकसभा एवं राज्यसभा की रचना की गई। सदस्यों का चयन निष्पक्ष चुनाव से किया जाता है। ये आम चुनाव हमारी प्रजातांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है।

आयोग के काम की प्रकृति ऐसी है कि पूरा देश 100 प्रतिशत शुद्धता की अपेक्षा रखता है। 0.01 प्रतिशत गलती भी चुनाव में स्वीकार्य नहीं होती है। देश के सरकारी कर्मचारियों की जिस प्रकार की छवि है, उनसे समयबद्ध एवं त्रुटिविहीन कार्य करवाने के लिए आयोग बधाई का पात्र है।

चुनाव आयोग की यहाँ चर्चा करने का उद्देश्य यह है कि जिस लम्बे एवं पवित्र राजमार्ग से व्यक्ति देश की सबसे बड़ी पंचायत तक पहुँचता है, वहाँ जाकर वो आदरणीय आखिर कर क्या रहे हैं? मतदाताओं की यह अपेक्षा रहती है कि आप जैसे 788 श्रीमान संसद में बैठकर देश की विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान पर गंभीर चर्चा एवं मंथन करते हुए राष्ट्रहित में फैसले लेंगे। किसी भी विषय पर जितना अधिक वाद-विवाद एवं विचार-विमर्श होगा, निर्णय उतना ही परिपक्व तथा स्वीकार्य होगा। मतदाताओं ने आप श्रीमान को संसद के बाहर सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने के लिए नहीं भेजा है। इस प्रकार का कार्य करने केलिए तो संसद सदस्य बनने की भी जरूरत नहीं थी।

मैं गर्व के साथ बताना चाहता हूँ कि 17वीं लोकसभा के बजट सत्र की कार्य उत्पादकता 135 प्रतिशत और राज्यसभा की 100 प्रतिशत रही। पिछले कुछ दशकों में भारतीय संसद का यह सबसे अच्छा और ऐतिहासिक सत्र रहा। जिसमें 36 विधेयक पर्याप्त विचार-विमर्श के साथ संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किए गए, जो कि 1952 के बाद से एक नया रिकॉर्ड है। दूसरी ओर अभी हाल ही में सम्पन्न संसद का मानसून सत्र अपनी निष्क्रियता के लिए इतिहास बन गया। 20 जुलाई को प्रारम्भ हुए इस सत्र में कुल 19 बैठकें होनी थी लेकिन 4 में ही आंशिक रूप से काम हो सका। ऐन्टी पेपर लीक विधेयक के अतिरिक्त सभी 11 विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित हो गये। लोकसभा में 15 प्रतिशत एवं राज्यसभा में 33 प्रतिशत ही काम हुआ।

देश के ज्वलंत मुद्दों पर बिना किसी चर्चा-बहस के कानून बन जाना उचित नहीं है। संसद के अन्दर ससम्मान बैठकर चर्चा करने का जिनका अधिकार एवं कर्तव्य दोनों ही है, बाहर बैठकर हंगामा करने से प्रजातंत्र का कमजोर होना तय है।

संसद के इस सत्र पर जनता की खरी कमाई के करीब 171 करोड़ रुपये हंगामे की भेंट चढ़ गये। ऐसी स्थिति में "काम नहीं तो वेतन नहीं" के फार्मूले के अनुसार संसद सदस्यों के वेतन-भत्तों में तदनुरूप कटौती होनी चाहिये।देश के मतदाता संसद की इस दयनीय स्थिति को देखकर स्तब्ध एवं चिन्तित है। देश के सबसे अधिक जिम्मेदार एवं मर्यादित महानुभावों का यह व्यवहार निंदनीय है।

सौभाग्य से देश का मतदाता तो विभिन्न चुनावों में मतदान करते-करते समझदार एवं जागरूक हो गया है। परन्तु समझदार मतदाता जिनको चुन रहे हैं शायद उन्हें समझदार होने की जरूरत है। देश की सबसे बड़ी एवं ताकतवर पंचायत (संसद) में बैठने वाले जनप्रतिनिधि ग्राम पंचायत, नगर पालिका एवं विधान सभा के सदस्यों के लिए आदर्श एवं मार्गदर्शक होते हैं। संसद में होने वाले विचार-विमर्श, बहस, तर्क-वितर्क को बहुत गम्भीरता से सुनते हैं और उसे समझने का प्रयास करते हैं। तदनुरूप स्वयं को तैयार करते हैं। अभी सम्पन्न मानसून सत्र से पंचायत एवं नगर पालिका के पंच, सरपंच, पार्षदों ने क्या सीखा होगा? हम समझ सकते हैं। संसद में होने वाली वैचारिक गिरावट एवं अनुशासनहीनता का असर प्रजातंत्र के अन्तिम पायदान 'पंचायत' तक पहुँचता है।

दोस्तों, मतदाता के नाते हमारा कर्तव्य बनता है कि हम संसदीय व्यवस्था को बिखरने से रोकें। प्रजातंत्र में मतदाता ही सर्वोपरि होता है। उसी के आठाह एवं दबाव से शायद जनप्रतिनिधि अनुशासित एवं मर्यादित ढंग से संसद चलाने के लिए बाध्य हो सकते हैं। यह कार्य हमें यथाशीघ्र प्रारंभ करना होगा अन्यथा इसके दुष्परिणाम भी हमें ही भुगतने होंगे।

–प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान
महावीर खुला विवि., कोटा

उदयपुर के माणकावास में खेतों तक आने-जाने के रास्ते पर अतिक्रमण का आरोप, कलैक्टर से शिकायत

उदयपुर, (निसं)। घासा तहसील के माणकावास निवासी 65 वर्षीय भगवानलाल ने गांव में खेतों तक आने-जाने के रास्ते पर कथित अतिक्रमण कर रास्ता अवरुद्ध किए जाने की शिकायत जिला कलैक्टर से की है। उन्होंने प्रशासन से मौके पर टीम गठित कर जांच कराने और रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, भगवानलाल तथा उनके चचेरे भाई गिरधारीलाल और धर्मनारायण के मकान माणकावास आबादी क्षेत्र में स्थित हैं। मकानों के पश्चिम दिशा में उनकी खातेदारी भूमि से करीब 10 फीट चौड़ा रास्ता पीछे स्थित आराजी संख्या 1126 और 1127 की जमीन तक आने-जाने के लिए लंबे समय से उपयोग में लिया जा रहा था। भगवानलाल का आरोप है कि वे 1 अगस्त 2026 को व्यवसाय के सिलसिले में मुंबई गए थे। 11 अगस्त को गांव लौटने पर उन्होंने पाया कि रामचन्द्र पुत्र जगन्नाथजी द्वारा उक्त रास्ते की जमीन पर पक्की बाउंड्रीवाल बनाकर फाटक लगा दिया गया है। शिकायत में करीब आठ फीट रास्ते पर कब्जा कर रास्ता अवरुद्ध करने का आरोप लगाया गया है। इससे खेतों तक ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण ले जाने में परेशानी होने तथा पशुओं को खेतों तक ले जाने में भी दिक्कत आने की बात कही गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि निर्माण का विरोध करने पर उन्हें और उनके चचेरे भाई को धमकियां दी गईं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके चचेरे भाई गिरधारीलाल को दिखाई नहीं देता और निर्माण की जानकारी मिलने पर विरोध करने के बावजूद कथित रूप से उन्हें मकान के अंदर बंद कर दिया गया।

भगवानलाल के अनुसार, उक्त रास्ते का उपयोग उनके परिवार द्वारा लंबे समय से किया जाता रहा है और यह उनके खेतों तक पहुंचने का प्रमुख रास्ता है। उन्होंने दावा किया कि उनके द्वारा करवाए गए ड्रोन सर्वे में भी करीब 10 फीट का रास्ता दिखाई दे रहा है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि मामले को लेकर पटवारी और ग्राम पंचायत स्तर पर उन्हें एक-दूसरे के पास भेजा जा रहा है। तहसीलदार घासा द्वारा आवेदन पटवारी को जांच के लिए मार्क किए जाने के बावजूद पटवारी द्वारा आवेदन नहीं लेने का आरोप लगाया गया है।

भगवानलाल ने जिला कलैक्टर से पूरे मामले की प्रशासनिक टीम गठित कर मौके पर जांच कराने, अतिक्रमण हटाने तथा करीब 10 फीट चौड़े रास्ते को पुनः खुलवाने की मांग की है। शिकायत के साथ खाता नकल, जमाबंदी, ड्रोन सर्वे रिपोर्ट, तहसीलदार द्वारा मार्क रिपोर्ट और गूगल ट्रेस नक्शा संलग्न किए जाने की जानकारी दी गई है। शिकायत की प्रतिलिपि उपखण्ड अधिकारी मावली और तहसीलदार घासा को भी भेजी गई है।

बांसवाड़ा ज़िले के सियापुर गांव का अस्पताल बदहाल अवस्था में

बांसवाड़ा, (निसं)। ज़िले का सियापुर का पीएचसी अस्पताल बदहाली का शिकार है। अस्पताल परिसर और खिड़कियों पर घनी जंगली झाड़ियां और बेलें उग चुकी हैं, जिससे अस्पताल में सांप-बिच्छू और जंगली जानवरों के घुसने का खतरा बना रहता है। बावजूद प्रशासन साफ-सफाई का नाम नहीं ले रहा है।

■ अस्पताल परिसर और खिड़कियों पर झाड़ियों और बेलें उगने से सांप-बिच्छू और जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है

अस्पताल परिसर और खिड़कियों पर घनी जंगली झाड़ियां और बेलें उग चुकी हैं।

लापरवाही का आलम है कि दूर-दराज से आने वाले मरीज सुबह तड़पते रहते हैं और अस्पताल का स्टाफ आराम से सुबह 9.30 बजे पहुंचता है। इस गंभीर लेटलतीफी पर जब सीएम एण्ड एचओ कार्यालय से बात की गई तो उन्होंने साफ किया कि अस्पताल खुलने का आधिकारिक समय सुबह 8 बजे निर्धारित है। समय पर डॉक्टरों का न मिलना और परिसर में जंगली जानवरों का खौफ सीधे तौर पर मरीजों की जान के साथ सरेआम खिलवाड़ है। ग्रामीणों में अव्यवस्था को लेकर भारी आक्रोश है और उन्होंने प्रशासन से लापरवाह स्टाफ पर कार्रवाई और अस्पताल की सफाई कराने की मांग की है।

गेपसागर की पाल पर दीपदान किया

स्वच्छ जीवन शैली अपनाने के संकल्प के साथ कार्यक्रम आयोजित

डूंगरपुर, (निसं)। प्रदेश के स्वायत्त शासन विभाग एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार जिले में स्वच्छता ही सेवा-2026 पखवाडे की शुरुआत गेपसागर की पाल पर दीपदान से शुभारंभ हुआ। इस वर्ष विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत आशीर्वाद के दीप की थीम पर 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। अभियान के प्रथम दिन गुरुवार की शाम को स्वच्छ जीवन शैली अपनाने के संकल्प के साथ ऐतिहासिक गेपसागर झील की पाल पर भव्य दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद् आयुक्त ललित सिंह देथा की उपस्थिति में नगर परिषद् के सहायक अभियंता भकतेश पाटीदार, कनिष्ठ अभियंता प्रकाश महावर, राजेंद्रपाल सिंह, लेखाकार कुलदीप सिंह सहित स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वय नगर परिषद् के जाग्रत जोशी ने किया। गेपसागर की पाल दीपों की रोशनी से जगमगा उठी और उपस्थित सभी लोगों ने अपने शहर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाने की शपथ ली।

■ लोगों ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाने की शपथ ली

सेंट्रल पार्क से सीए का अपहरण करने वाले मास्टरमाइंड समेत तीन बदमाश गिरफ्तार

नकली पिस्टल-चाकू और तीन वाहन बरामद

जयपुर। अशोक नगर स्थित सेंट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक के लिए आए चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) राजीव गुप्ता के उनकी ही मर्सिडीज कार में अपहरण के प्रयास का जयपुर दक्षिण डीएसटी, साइबर सेल और अशोक नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की टीमों ने एक हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपियों को पकड़ा।

पुलिस के अनुसार आरोपियों पर 20 हजार रुपए का इनाम घोषित था। इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त दो बाइक, एक इलेक्ट्रिक स्कूटी, नकली पिस्टल और चाकू बरामद किया गया है। फिलहाल आरोपितो से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि 10 सितंबर की सुबह सेंट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक के लिए आए राजीव गुप्ता की

पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

मर्सिडीज कार में दो युवक जबरन घुस गए। आरोपियों ने चाकू और नकली पिस्टल दिखाकर उन्हें जान से मारने की धमकी दी और फिरौती वसूलने के इरादे से कार को नाई की थड़ी, आमेर की ओर ले जाने लगे।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित शर्मा के अनुसार बदमाशों ने चलती कार में सीए से मारपीट की और उनका मुंह बांधने का प्रयास किया। बचने के लिए गुप्ता ने चलती कार से कूदने का प्रयास किया और स्टेयरिंग घुमा दिया। इससे मर्सिडीज अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी। आसपास के लोगों को आता देख दोनों आरोपी कार छोड़कर जंगल

- आरोपियों पर 20 हजार रुपए का इनाम घोषित था। इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त दो बाइक, एक इलेक्ट्रिक स्कूटी, नकली पिस्टल और चाकू बरामद किया
- आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे आपस में दोस्त हैं और आर्थिक तंगी के चलते फिरौती वसूलने के लिए अपहरण की साजिश रची थी

और पहाड़ी क्षेत्र की ओर भाग गए।

सहायक पुलिस आयुक्त अशोक नगर डॉ. पूनम के अनुसार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे आपस में दोस्त हैं और आर्थिक तंगी के चलते फिरौती वसूलने के लिए अपहरण की साजिश रची थी। वारदात से पहले उन्होंने सेंट्रल पार्क में रेकी भी की थी। पहले प्रयास में सफल नहीं होने के बाद दोबारा वारदात को अंजाम दिया।

थानाधिकारी हेमंत जनागल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में चेतन शर्मा उर्फ लाला (24) निवासी पोथली, बस्सी, हाल आगरा रोड, जामडोली; जैनुल खान (23) निवासी नूर नगर, लुनियावास, गोनेर रोड और हनुमान प्रजापत (23) निवासी पोतली, बस्सी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार चेतन इस मामले का मुख्य साजिशकर्ता है। उसके खिलाफ खो-नागोरियान थाने में पहले भी अपहरण का मामला दर्ज है।

इस कार्रवाई में डीएसटी प्रभारी विशंभर, एएसआई प्रेमचंद, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार, साइबर सेल के रामसिंह व लोकेश कुमार, कांस्टेबल देवेंद्र कुमार तथा अशोक नगर थाने के कांस्टेबल लक्ष्मण राम की विशेष भूमिका रही।

एमडी फैक्ट्री का सरगना गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने भीलवाड़ा में अवैध एमडी ड्रग्स फैक्ट्री मामले में फरार चल रहे चौथे मुख्य आरोपी प्रकाश आंजना (37) को मध्यप्रदेश के मंदसौर से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। एएनटीएफ ने कार्रवाई के लिए विशेष 'ऑपरेशन नाम्नाविलोम' चलाया। एएनटीएफ के आईजी विकास कुमार ने बताया कि 16 जून 2026 को भीलवाड़ा के बिजौलिया क्षेत्र के चम्पापुर गांव के जंगल में भंवर बंजारा के मकान पर दबिश देकर अवैध एमडी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया था।

मौके से 36.550 किलो गीली और सूखी एमडी ड्रग्स के साथ बड़ी मात्रा में रसायन और उपकरण बरामद किए गए थे। पुलिस जांच के अनुसार माल्याखेरखेड़ा, मंदसौर निवासी प्रकाश आंजना चौथी कक्षा तक पढ़ा है। शराब के कारोबार में घाटा होने के बाद सुखलाल ने भीलवाड़ा में एमडी फैक्ट्री शुरू की। पुलिस के अनुसार प्रकाश को कच्चे माल की सप्लाई में मोटी कमाई का लालच देकर नेटवर्क से जोड़ा गया था। फैक्ट्री का खुलासा होने और भीलवाड़ा पुलिस की ओर से इनाम घोषित किए जाने के बाद प्रकाश मोबाइल बंद कर राजस्थान और मध्यप्रदेश में ठिकाने बदलकर फरारी काट रहा था।

सार-समाचार

रक्तदान, नेत्रदान, देहदान के साथ अब 'मतदान महादान' का संदेश

जयपुर। दानवीर महर्षि दाधीचि की जयंती की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने 'रक्तदान, नेत्रदान, देहदान एवं मतदान महादान' विषयक स्टिकर का विमोचन किया। इस अवसर पर राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने महर्षि दाधीचि जयंती के उपलक्ष्य में देशवासियों के नाम संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान, नेत्रदान, देहदान और मतदान जैसे विषयों को एक साथ जोड़कर चलाया जा रहा यह अभियान अपने आप में अनूठी सामाजिक पहल है। इस तरह के प्रयासों से समाज के सभी वर्गों में जनजागृति का संदेश पहुंचता है और लोगों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया जा सकता है। इस वर्ष राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह की प्रेरणा से अभियान में 'मतदान महादान' को भी जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। स्टिकर विमोचन कार्यक्रम में समाजसेवी एवं लोकमत भारत के चेयरमैन राजकुमार सैनी, महामंत्री गिरधर दाधीच सहित संस्था के पदाधिकारी मधुमान शर्मा और अजय शर्मा मौजूद रहे।

जैन बैंकर्स का वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। ओमाश्रय सेवा धाम में अखिल भारतीय जैन बैंकर्स द्वारा सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम रखा गया। जामुन, अशोक, गुलमोहर, नीम, पारिजात, गिलोय आदि विभिन्न आक्सीजन रिच प्रजातियों के 8 फिट ऊंचे 100 पौधे लगाए गए। सेवा धाम में पौधों के रखरखाव की समुचित व्यवस्था है। पौधे उपलब्ध करवाने एवं लगाने में हॉर्टिकल्चर / जेडीए का पूर्ण योगदान रहा है। बैंकर्स फोरम के अशोक मित्तल एवं अशोक जैन खेरली के संयोजन में यह कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ। ओमाश्रय के पदाधिकारियों ने इस पहल को आवश्यक बताया एवं सराहना की ।

वेडिंग एवं लाइफस्टाइल एग्जीबिशन आज

जयपुर। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, राजपूती परंपराओं, कला, शिल्प और विवाह संस्कारों की खूबसूरती एक ही छत के नीचे सजी दिखेगी। कुछ ऐसा ही नजारा होगा 19 और 20 सितंबर को शहर में आयोजित हो रहे 'जश्न - वेडिंग एंड लाइफस्टाइल एग्जीबिशन' का। वैशाली नगर स्थित केसरी बाग में इस आयोजन को जश्न की हर्षिका राणावत और चिरिया की कल्पना राणावत द्वारा क्यूरेट किया जा रहा है। कार्यक्रम के पहले दिन सांसद मंजु शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगी। यह कार्यक्रम सबसे अलग और ख़ास राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत के प्रति समर्पण रहा है। जिसके ज़रिए राजस्थान के विभिन्न अंचलों की कम चर्चित और विलुप्त होती कला, शिल्प एवं परंपराओं को सामने लाने का विशेष प्रयास किया गया है। एग्जीबिशन में राजस्थान के पारंपरिक रंग, वस्त्र, हस्तशिल्प और कलात्मक अभिव्यक्तियों के साथ-साथ राजस्थानी दूल्हा-दुल्हन की पारंपरिक वेशभूषा, विवाह की सदियों पुरानी रस्में, उत्सव और लोक परंपराओं की झलक देखने को मिलेगी। आयोजकों के अनुसार, 'जश्न' के माध्यम से राजस्थान की मेवाड़ी ख़ूबसूरती और राजपूती संस्कृति की एक खूबसूरत झलक देखने को मिलेगी। साथ राजस्थान के विभिन्न हिस्सों से कारीगर, डिज़ाइनर और आर्टिस्ट्स एक ही छत के नीचे संस्कृति, शिल्प और वैवाहिक परंपराओं का एक विशेष संगम प्रस्तुत करेगा।

साइंसपार्क आडिटोरियम में आज होगा तीन पुस्तकों का विमोचन

जयपुर। लेखक दामोदर शर्मा की काव्य अनूदित हदीस (हज़रत मुहम्मद के वचन) , गीता कलेमात और परस्तिश ए हनुमान शीर्षक से तीन पुस्तकों का विमोचन समारोह 19 सितम्बर, शनिवार को शाम 4:00 बजे शास्त्रीनगर स्थित शहर के साइंसपार्क आडिटोरियम में होगा। गौरतलब है कि रिटायर्ड एडिशनल चीफ इंजीनियर लेखक दामोदर शर्मा ने अपनी पुस्तक परस्तिश ए हनुमान में हनुमान चालीसा का पहली बार उर्दू में काव्य अनुवाद पेश किया है। इतना ही नहीं उन्होंने गीता का उर्दू और हदीस का हिंदी में अनुवाद करके तीन भाषाओं (संस्कृत, हिंदी और उर्दू) के बीच सेतु का काम किया है, जो साहित्य जगत में मील का पत्थर साबित होगा। विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि कृष्ण देव कल्पित और डॉ.मीर आज़म अली ज़ैदी होंगे। अध्यक्षता प्रो. डॉ. अज़ीजुउल्लाह शीरानी(टोंक) करेंगे।

चलती कार में कोचिंग छात्र से मारपीट

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में कोचिंग स्टूडेंट का अपहरण कर करीब सात घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बदमाशों ने छात्र से उसके भाई द्वारा आरोपी की पत्नी को भगाकर ले जाने को लेकर पूछताछ की और चलती कार में लाठी-डंडों से मारपीट की। हमले में छात्र के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आईं। आरोपी उसे करीब 200 किलोमीटर दूर करौली जिले के मासलपुर इलाके में सड़क किनारे पटककर फरार हो गए। पुलिस ने पर्चा बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई जयसिंह ने बताया कि करौली के मामचारी निवासी मनोज (29) पर जानलेवा हमला किया गया। मनोज जयपुर में गोनेर रोड स्थित बैरवा कॉलोनी में किराए पर रहकर रेलवे परीक्षा की तैयारी कर रहा है। बुधवार सुबह करीब 9 बजे वह अपने कमरे से कोचिंग जाने के लिए निकला था। महात्मा गांधी अस्पताल के पीछे पहुंचते ही घात लगाए बैठे 5-6 युवकों ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने मनोज का मोबाइल छीन लिया। इसके बाद एक आरोपी ने उससे पूछा कि उसका भाई उसकी पत्नी को भगाकर क्यों ले गया। इसी बात को लेकर आरोपियों ने मनोज से मारपीट शुरू कर दी और उसे जबरन कार में डालकर ले गए। चलती कार में भी उसके साथ लात-घूंसों और लाठी-डंडों से मारपीट की गई। अस्पताल में उपचार के दौरान मनोज के पर्चा बयान लिए गए। इन्हीं बयानों के आधार पर शिवदासपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की पहचान और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

छोटीकाशी में आज राधाष्टमी की धूम

जयपुर। छोटीकाशी के नाम से प्रसिद्ध गुलाबी नगरी में शनिवार को राधाष्टमी का पर्व भक्तिभाव और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में श्रीराधा रानी के प्राकट्ययोत्सव पर पंचामृत अभिषेक, विशेष झांकियां, बधाई पद, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिरों में उत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राधाष्टमी का मुख्य आयोजन गोविंद धाम ठिकाना मंदिर गोविंद देवजी में होगा। इसके अलावा पुरानी बस्ती स्थित राधा गोपीनाथजी, चौड़ा रास्ता के राधा दामोदरजी व मदन गोपालजी, चांदनी चौक के बृज निधिजी व आनंद कृष्ण बिहारीजी, बनीपार्क स्थित राधा कृष्ण मंदिर और रामगंज चौपड़ के मुरली मनोहरजी मंदिर सहित शहर के विभिन्न कृष्ण मंदिरों में राधाष्टमी उत्सव मनाया जाएगा।

'राजस्व में बीस प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य तय करें'

जयपुर । आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि प्रदेश सरकार की अपेक्षा के अनुरूप राजस्व को प्राथमिकता रखते हुए राजस्व लक्ष्यों को पूर्ण किया जाना चाहिए। राजस्व लक्ष्य की पूर्ति के लिए गत वर्ष की तुलना में20प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य तय करते हुए दैनिक समीक्षा करेंगे तो वांछित लक्ष्य प्राप्त किए जा सकेंगे। आबकारी आयुक्त विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभागीय समीक्षा वीसी में राजस्व,विशेष निरोधात्मक अभियान,बकाया वसूली,जब्त वाहनों की नीलामी आदि के संबंध में विस्तृत समीक्षा कर निर्देश प्रदान किए।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने वीसी में कहा कि राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति में कोताही होने पर संबंधित की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी वीसी में जोन एवं जिलावार समीक्षा के तहत राजस्व अर्जन में पिछड़ रहे भरतपुर, कोटा,जयपुर को अपेक्षित प्रगति के निर्देश दिए। इसी क्रम में राजस्व अर्जन में पिछड़े बारां, झालावाड़, बूंदी, कोटा, बीकानेर, पाली,जयपुर सिटी, श्रीगंगानगर को

- आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने अवैध मदिरा पर ठोस कार्रवाई के साथ बकाया वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

निर्देशित किया गया कि किसी भी परिस्थिति में15प्रतिशत से कम की राजस्व ग्रोथ स्वीकार्य नही है कार्ययोजना बनाकर समीक्षा कर अपेक्षित लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करें। वीसी में प्रदेश में14से30सितंबर तक जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत प्रभावी एवं ठोस कार्रवाई करते हुए महत्वपूर्ण अभियोग दर्ज करने के लिए निर्देशित किया गया। आबकारी आयुक्त ने आईएमएफएल एवं वाहनों की बड़ी जब्ती करते हुए ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुखबिर तंत्र की सहायता से राजमार्गों पर अवैध मदिरा की तस्करी, होटल्स, विला एवं संदेहास्पद क्षेत्रों में दबिश की कार्यवाही में वृद्धि करते हुए गंभीरता से कार्य करें।

नाहरगढ़ हादसे में रेंजर समेत तीन कार्मिक दोषी

जयपुर। नाहरगढ़ जैविक उद्यान में बाघ 'शिवाजी' के हमले में महिला श्रमिक की मौत के मामले की जांच रिपोर्ट मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) अनूप के.आर. ने विभाग को सौंप दी है। रिपोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही मानते हुए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट के आधार पर चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन अरुण प्रसाद के स्तर पर संबंधित कार्मिकों को चार्जशीट देने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

जांच रिपोर्ट में क्षेत्रीय वन अधिकारी द्वितीय गौरव कुमार, सहायक वनपाल एवं नाका प्रभारी प्रदीप कुमार तथा सहायक वनपाल एवं एनक्लोजर प्रभारी सोनू मीणा को जिम्मेदार माना गया है। हादसे के बाद तीनों को तत्काल एपीओ कर दिया गया था।

गौरतलब है कि 2 सितंबर को महिला गार्ड ने बाघ शिवाजी को बिना

- नाहरगढ़ जैविक उद्यान में बाघ 'शिवाजी' के हमले में महिला श्रमिक की मौत के मामले की जांच रिपोर्ट मुख्य वन संरक्षक ने विभाग को सौंपी जिसमें क्षेत्रीय वन अधिकारी द्वितीय गौरव कुमार, सहायक वनपाल प्रदीप कुमार तथा सोनू मीणा को जिम्मेदार माना

पर्याप्त जांच-परख के डिस्प्ले एरिया में छोड़ दिया था। उस समय एनक्लोजर नंबर 16 में सात महिला श्रमिक काम कर रही थीं। बाघ को देखते ही छह महिलाएं भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहीं, जबकि एक महिला श्रमिक बाघ के हमले की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की जांच शुरुआत में नाहरगढ़ के एसीएफ जितेंद्र सिंह शेखावत को सौंपी गई थी और सात दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश थे। हालांकि, जांच की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठने के बाद 8 सितंबर को जांच की जिम्मेदारी सीसीएफ अनूप के.आर. को सौंप दी गई। जांच अधिकारी बदलने के कारण रिपोर्ट आने में करीब 15 दिन लग गए।

सीसीएफ की रिपोर्ट में नाहरगढ़ जैविक उद्यान के एनक्लोजर और विस्तार को देखते हुए कर्मचारियों की संख्या तत्काल बढ़ाने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि हादसे के 15 दिन बाद भी डीएफओ और एसीएफ को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त नहीं किया गया है। वर्तमान में नाहरगढ़ की व्यवस्था मुख्य रूप से एक रेंजर द्वितीय के भरोसे चल रही है, जिससे दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

रिपोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और उद्यान में उपलब्ध मानव संसाधन के अनुरूप जिम्मेदारियां तय करने पर भी जोर दिया गया है।

बाइक सवार तीन बदमाशों ने लूटी इनोवा टैक्सी

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में बाइक सवार तीन बदमाशों ने धोखे से टैक्सी चालक को नीचे उतारकर इनोवा कार लूट ली। वारदात के बाद बदमाश बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। पीड़ित ने गुरुवार रात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

एसआई रामफूल ने बताया कि वारदात टोंक के निवाई निवासी विकास चौधरी के साथ हुई। विकास रात करीब 8:15 बजे अपनी इनोवा टैक्सी लेकर जा रहा था। खातीपुरा रेलवे स्टेशन के पास पीछे से बाइक पर सवार होकर तीन युवक आए। बाइक पर पीछे बैठे युवक ने हाथ से इशारा कर चालक को बताया कि उसकी गाड़ी के पीछे कुछ लगा हुआ है। चालक ने बाइक सवारों की बात पर विश्वास कर कार रोक दी और पीछे की तरफ देखने के लिए नीचे उतर गया। इसी दौरान बाइक सवार एक युवक कार में बैठ गया। इसके बाद तीनों बदमाश इनोवा लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी।

दुकान में फंदे से लटका मिला युवक

जयपुर। भांकरोटा थाना इलाके में 35 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव दुकान में

- मृतक की पहचान रोशन (35) के रूप में हुई है। वह दूध डेयरी और कपड़े की दुकान चलाता था

फंदे से लटका मिला। परिजन उसे तत्काल निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान रोशन (35) के रूप में हुई है। वह दूध डेयरी और कपड़े की दुकान चलाता था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर बगरू राजकीय अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। युवक की मौत के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

दो साल से फरार तीन ड्रग्स तस्कर पकड़े

जयपुर। राजस्थान एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तेलंगाना पुलिस के एनडीपीएस मामलों में पिछले दो साल से फरार चल रहे तीन वांछित तस्करों को जालौर और पाली से दस्तयाब किया है। करीब 1400 किलोमीटर की दूरी तय कर जयपुर पहुंची तेलंगाना पुलिस की टीम को तीनों आरोपियों को सुपुर्द कर दिया गया।

एएनटीएफ के पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि तेलंगाना पुलिस और एएनटीएफ के बीच समन्वय के बाद राजस्थान मूल के तीन फरार आरोपियों की तलाश शुरू की गई। आईजी ने पांच दिन में कार्रवाई का भरोसा दिया था, लेकिन टीमों ने तीन दिन में ही तीनों को पकड़ लिया।

पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि भीनमाल निवासी जयकिशन (28) को उसके घर से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार 12वीं के बाद मजदूरी के दौरान उसे स्मैक की लत लगी और बाद में नशे का खर्च निकालने के लिए तस्करी शुरू कर दी। वह पूनासा गांव से स्मैक खरीदकर स्थानीय स्तर पर बेचता था। इसके अलावा भीनमाल से चलने वाली निजी बसों के जरिए मुंबई, पुणे, बेंगलुरु और हैदराबाद तक स्मैक की खेप भेजने का आरोप है।

इसके बाद झाब जिला जालौर निवासी दिनेश (35) तेलंगाना पुलिस द्वारा वर्ष 2025 में बरामद अवैध अफीम के मामले में मुख्य सप्लायर के रूप में नामजद था। एएनटीएफ टीम ने उसे देवड़ा स्थित खेत के पास से दस्तयाब किया। वहीं पाली के सिरियारी निवासी सुरेश (28) को गांव मेलाप स्थित घर के पास से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार अगस्त 2024 में हेरोइन की सप्लाई और मार्केटिंग के सिलसिले में उसे हैदराबाद बुलाया गया था।

'आपके नाम का सिम बन सकता है साइबर ठगी का हथियार'

जयपुर । साइबर ठग चोरी किए गए पहचान दस्तावेज, फोटो और बायोमेट्रिक डेटा का दुरुपयोग कर लोगों की जानकारी के बिना उनके नाम पर फर्जी सिम कार्ड जारी करवा रहे हैं। इन सिम का इस्तेमाल साइबर अपराध, फर्जी बैंक खाते और ऑनलाइन ठगी में किया जा सकता है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्ति बिना जानकारी के भी जांच के दायरे में आ सकता है। राजस्थान पुलिस की अनुसंधान एवं नवाचार शाखा ने फर्जी सिम को लेकर एडवाइजरी जारी की है और आमजन से समय-समय पर अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शनों की जांच करने की अपील की है। साइबर ठग अनधिकृत अथवा भ्रष्ट सिम विक्रेताओं की मिलीभगत से फर्जी ई-केवाईसी कराकर किसी व्यक्ति के नाम पर अतिरिक्त सिम जारी करवा सकते हैं।

सरकार ने ई-सिगरेट बेचने वालों पर क्या कार्रवाई की : हाईकोर्ट

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने रोक के बावजूद ई-सिगरेट की बिक्री होने को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार से बताने को कहा है कि जयपुर शहर में ई-सिगरेट के व्यापार में शामिल लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की। अदालत ने राज्य सरकार को गत 15 सितंबर तक की कार्रवाई का ब्यौरा पेश करने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता प्रियांशा गुप्ता की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

जनहित याचिका में कहा गया कि केन्द्र सरकार ने साल 2019 में कानून लाकर ई-सिगरेट के निर्माण, आयात, बेचान और वितरण पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद प्रदेश में ई-सिगरेट आसानी से मिल रही है। कई जगह नाबालिग खुले आम इसका सेवन करते नजर आते हैं। जिससे साबित है कि राज्य

- अदालत ने राज्य सरकार को गत 15 सितंबर तक की कार्रवाई का ब्यौरा पेश करने को कहा

सरकार कानून के क्रियान्वयन में फेल हो गई है। याचिका में गुहार की गई कि कानून की प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार को निर्देश दिए जाए। गौरतलब है कि गत सुनवाई पर हाईकोर्ट ने ई-सिगरेट पर पूर्ण पाबंदी की बात कही थी। वहीं इस संबंध में बनाए गए कानून के प्रावधानों को लागू करने के लिए मुख्य सचिव और डीजीपी को निर्देश दिए थे। अदालत ने डीजीपी को कहा था कि वे रेंज मुख्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अफसरों की एक टीम बनाए जो कानून के प्रावधानों को पूरी तरह से लागू करने के लिए कदम उठाएंगे।

दीए जलाने में मस्त सरकार को पुरोहित जी के कटले के पीड़ितों का दर्द नहीं दिखा : जूली

जयपुर । नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा है कि राजधानी जयपुर में पुरोहित जी के कटले में हुआ भीषण अग्निकांड इस सरकार की घोर प्रशासनिक विफलता और चरम संवेदनहीनता का जीता-जागता सबूत है।

उन्होंने कहा कि बड़े अफसोस की बात है कि प्रदेश की पूरी सरकार पीएम मोदी के जन्मदिन पर सिर्फ चापलूसी के दीए जलाने में व्यस्त रही जबकि इस भयानक अग्निकांड में अपने जीवनभर की पूँजी गँवा चुके व्यापारियों की सुध नहीं ले रही है संवेदनहीन भाजपा सरकार।

जूली ने सवाल उठाया कि सत्ता का केंद्र कहे जाने वाले जयपुर से खुद मुख्यमंत्री, दो-दो उप-मुख्यमंत्री और एक कैबिनेट मंत्री आते हैं, फिर भी इस अग्निकांड से प्रभावित हुए लोगों प्रति इतनी बेरुखी और अनदेखी बेहद शर्मनाक है; जब पूरी सरकार केवल राजनीतिक चापलूसी और कुर्सी बचाने में जुटी हो, तो प्रशासनिक तंत्र का पूरी तरह ठप हो जाना स्वाभाविक है।

वहीं, प्रदेश में आगामी नगरीय निकाय चुनावों को लेकर चल रही भाजपा की मनमानी और साम दाम दंड भेद पर कड़ा प्रहार करते हुए नेता प्रतिपक्ष श्री टीकाराम जूली ने भाजपा नेतृत्व को दोटूक सलाह दी है कि वह लोकतंत्र के साथ यह घिनौना खेल खेलना तुरंत बंद करे। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय चुनावों की आहट के साथ ही पूरे प्रदेश के निकायों और स्थानीय संस्थाओं में जिस तरह सत्ता के बल पर मनमानी की जा रही है और ऑपरेशन लोटस चलाया जा रहा है, वह जनमत का सीधा अपहरण और राज्य की जनता द्वारा दिए गए जनादेश का खुला अपमान है।

गोदामों में नकबजनी करने वाला गिरोह पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। हरमाड़ा थाना पुलिस ने गोदामों में चोरी और नकबजनी की वारदातों का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब एक करोड़ रुपए कीमत का चोरी का सामान और वारदात में प्रयुक्त लोडिंग टेम्पो बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी उत्तर प्रदेश से जयपुर आकर गोदामों की रेकी करते और रात में ताले तोड़कर वारदात को अंजाम देते थे।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि बीआरएन रोड लाइंस के गोदाम से आईसर व लेलैंड वाहनों के गियर, मोटर, बैटरी, कॉपर केबल और मशीनों के पार्ट्स सहित करीब 60 लाख रुपए का सामान चोरी हुआ था। इसके अलावा 16 सितंबर को करणी विहार थाना क्षेत्र के मां हिंगलाज नगर स्थित गोदाम से करीब

पुलिस ने गोदामों में चोरी और नकबजनी की वारदातों का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया ।

7000 मीटर कॉपर केबल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इस मामलों की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी नरेंद्र भड़ाना के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र और पारंपरिक पुलिसिंग के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। पुलिस ने नांगल जैसा बोहरा से भूरा और तसलीम उर्फ कलीम को तथा दादी का फाटक से कुलदीप को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान भूरा (35) निवासी गंगोह, सहारनपुर, यूपी, तसलीम उर्फ कलीम (35) निवासी देवबंद, सहारनपुर, यूपी और कुलदीप (27) निवासी नांगल चौधरी, महेंद्रगढ़, हरियाणा के रूप में हुई है।

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब एक करोड़ रुपए कीमत का चोरी का सामान और वारदात में प्रयुक्त लोडिंग टेम्पो बरामद किया

तीनों वर्तमान में झोटवाड़ा क्षेत्र में किराए पर रह रहे थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दिन में गोदामों की रेकी कर वारदात के लिए रास्ता और स्थान तय करते थे। रात में ताला तोड़कर अंदर घुसने के बाद शटर बंद कर देते थे, ताकि आसपास के लोगों को चोरी का पता नहीं चले। इसके बाद लोडिंग टेम्पो को गोदाम के पास खड़ा कर कीमती सामान उसमें भरकर ले जाते थे।

Festival of the Sea

The Festival of the Sea is a colourful celebration that honours the beauty and importance of the sea. It is enjoyed in many coastal areas with great excitement and joy. People take part in cultural programmes, music, dance, boat races, and traditional activities. The festival also reminds us to protect marine life and keep our oceans clean. Fishermen and coastal communities celebrate their connection with the sea and pray for safety and prosperity. Visitors enjoy delicious seafood, local crafts, and beautiful seaside views. The Festival of the Sea brings people together and spreads awareness about the importance of protecting our oceans.

#"BAA, BAA, BLACK SHEEP"

The Dark Economics Behind a Nursery Rhyme

"Three bags full" symbolize how the wool was divided. One portion went to the Crown as tax, another to the Church, and the remaining share to the farmer

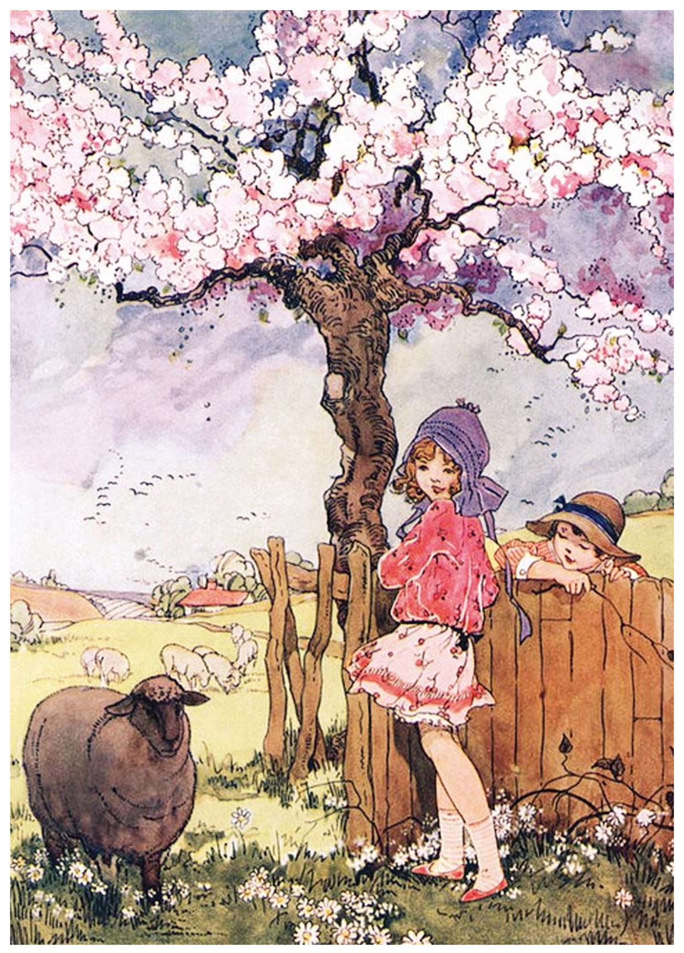

At first glance, *Baa, Baa, Black Sheep* appears to be a simple and cheerful children's rhyme about a sheep sharing its wool. Yet, beneath its playful tone, some historians and commentators have suggested that it may echo a far more serious chapter in English history, one tied to taxation, economic control, and social hierarchy.

The most widely discussed interpretation connects the rhyme to medieval England's wool industry, which was once the backbone of the nation's economy. During the reign of King Edward I in the 13th century, the Crown imposed heavy taxes on wool, known as the "Great and Ancient Custom." Wool was England's most valuable export, and controlling it meant controlling immense wealth.

According to this interpretation, the famous lines, "three bags full," symbolize how the wool was divided. One portion went to the Crown as tax, another to the Church, and the remaining share to the farmer. In this reading, the rhyme reflects a system where producers bore the burden while powerful institutions claimed the largest benefits. In extreme conditions, lacking adequate wool or the means to produce or retain it contributed to hardship, exposure, and vulnerability, particularly during cold seasons.

The phrase "black sheep" has also been examined through an economic lens. Some suggest that it may refer to wool that was less desirable because it could not be dyed, reducing its market value. Others interpret it more symbolically, hinting at individuals or groups marginalized within a rigid economic system.

The broader context of medieval taxation was often harsh. Peasants and producers frequently faced heavy levies, and failure to pay could result in severe penalties. In that sense, even if the rhyme is not a literal account, it can be seen as a cultural echo of a time when economic systems were deeply unequal and tightly controlled.

Over time, Baa, Baa, Black Sheep has endured as a nursery staple, its darker interpretations largely overshadowed by its simplicity and rhythm. It serves as a reminder that even the most innocent-seeming cultural artifacts can carry layers of meaning shaped by the societies that produced them.

HOW IRAN WAS ABLE TO SHAPE THE STRATEGIC OUTCOME

For Iran, the objective was not necessarily battlefield victory. The objectives were survival, cost imposition, and the displacement of pressure beyond the immediate battlefield. Iran shifted the centre of gravity to the Strait of Hormuz which 'strait jacketed' the US ambitions in the war and then shifted the focus to create conditions to reopen the crucial waterway.

#WAR

Maj Gen
Jagatbir Singh,
VSM (RETD)

The Iran war has demonstrated that the US and Israel could strike Iranian targets at will and with precision. But Iran proved far more resilient than anticipated and showed that it could impose costs in return. The important aspect is the manner in which the battlefield has shifted and the degree to which warfare accelerated by technology, algorithms and AI can remain controllable. Although this conflict has been framed as conventional, the way it panned out points to hybrid warfare. According to the European Centre of Excellence for Countering Hybrid Threats, "hybrid threats are methods and activities that are targeted towards vulnerabilities of the opponent" where the "range of methods and activities is wide."

The Iran War showed how this type of warfare is no longer confined to proxy attacks, covert action, terrorism, sabotage, or grey-zone pressure. Those remain central, but they now operate inside a wider strategic environment: commercial shipping, insurance markets, data centres, production of missiles and ammunition, rare earths, AI-enabled targeting, and alliances.

The targets are those that enable the use of military power. This was visible in the manner that Iran did not need to defeat the US but create conditions that made the surrounding political-economic system unable to absorb unsustainable pain. Simultaneously, Iran developed the capability to absorb strikes and preserve the critical elements of its military capabilities. The funeral ceremonies for Ayatollah Khamenei and his family members are evidence that the joint US-Israeli attack has rallied Iranians.

It is not simply that Iran leveraged the Strait of Hormuz but there are broader lessons for warfare.

Centre of Gravity

The first strike by the US and Israel was on the Iranian leadership identified as the the centre of gravity and it was presumed that their elimination would create a power vacuum and create a popular apprising against the regime.

Iran's strategy was not to win a conventional military contest against the US and Israel. It was to make the war harder to contain. Gulf capitals, shipping insurers, energy and fertilizer markets, data centres and US allies all became part of the battlefield.

Tehran responded to the strikes vertically and horizontally. They identified and attacked sensitive targets and widened the geographic scope of the war. Vertically, it meant placing consequential economic and political interests at risk, thereby raising the potential costs of the conflict far beyond the immediate battlefield. Horizontally, this meant expanding pressure across additional geographies and systems, including nations hosting US bases, commercial shipping, energy markets and insurance networks and infrastructure.

By doing so, Tehran shifted the war away from areas where the US held clear military advantages and to economic and commercial systems that had cascading effects. Thus, an adversary that could not otherwise match US military power directly imposed costs geographically, economically, and politically.

The objective was not necessarily battlefield victory. The objectives were survival, cost imposition, and the displacement of pressure beyond the immediate battlefield. Iran shifted the centre of gravity to the Strait of Hormuz which 'strait jacketed' the US ambitions in the war and then shifted the focus to create conditions to reopen the crucial waterway.

In a future conflict, the adversary may not need to defeat the attacking force. It may only need to make the surrounding system too costly to sustain. The fact is that while airpower can dominate the battlefield, but it can still leave the strategic system contested.

Commercial Confidence and Sea Control

One of the most important lessons pertained to sea control. The US was able to strike military targets, but commercial transit through the Strait of Hormuz remained functionally impossible not only because of the blockade, but as insurers, shipowners and energy markets believed passage was unsafe.

The statistics are telling. Within twenty-four hours of the US and Israeli attacks on 28 February, transits of all vessel types through the Strait of Hormuz were down 81 percent. There were only four Crude tanker movements on 01 March compared to a January daily average of twenty-four. By 12 March, Kpler vessel-tracking data showed tanker transits had collapsed by approximately 92 percent compared with the week before the war began. On 02 March, approximately 6 percent of global tanker capacity was stranded in the Persian Gulf.

By early March, it recorded outbound trade in crude oil down 95 percent, LNG down 99 percent, and fertilizer almost completely halted. This highlights the chokepoint's significance.

From the first day of this conflict, Iran's drones and missiles were aimed not at preventing American air superiority over Iran, but at rendering it irrelevant. It shifted focus on the air littoral over and around the Strait of Hormuz, where inexpensive drones and missiles made the world's most important energy chokepoint too costly and dangerous to transit, for commercial vessels.

Iran did not need conventional naval superiority to disrupt movement in the Strait. It needed mines, missiles, drones, small vessels, and threats that demonstrated willingness to raise the perceived cost of transit. When Russia invaded Ukraine in February 2022, Ukraine sank its own flagship (lest it be seized by Russia) and was left, in effect, without a navy.

There is also a lesson from Ukraine, which within two years, had driven the Russian Black Sea Fleet from Sevastopol and sunk over one-third of Russia's ships on the Black Sea. Ukraine accomplished this not by acquiring traditional ships but by devising a means of contesting the sea without them: using aerial drones to find the Russian ships and maritime drones to sink them. The key question is not only whether the US Navy could defeat the opposing fleet. It is whether the US can convince commercial shipping to believe that movement is safe enough to resume. Commercial confidence is now part of sea control.

Precision Attacks

The rapid diffusion of precision technologies is transforming the nature of war and empowering the weaker side. Advanced military technology, once the preserve of powerful nations, is now enabling weaker states and non-state actors to impose disproportionate costs on a stronger adversary.

Precision guided munitions, loitering systems, AI enabled targeting are fundamentally altering assumptions about military power. A nation possessing these resources can generate battlefield effects that were earlier available through overwhelming superiority.

Missiles are reshaping warfare, making conflicts faster, cheaper, and more political. A limited conventional missile strike can paralyse a country, disrupt critical infrastructure, and complicate decision-making. Coupled with this is the fact that even inexpensive drones can result in the deployment of expensive air defence systems, thereby raising disproportionately the costs of defence.

Iran's primary weapon of disruption was the Shahed drone. By US standards, it's slow, low-flying, easy to shoot down, and doesn't cost millions. Yet, these drones destroyed much more expensive radar and command and control facilities, disrupted oil production and struck key infrastructure across the region. The disruptive power of precision capability is immense and this was witnessed in the manner in which Iran carried out its retaliatory attacks at the Dimona, the home of Israel's Shimon Peres Negev Nuclear Research Centre.

> Precision guided munitions, loitering systems, AI enabled targeting are fundamentally altering assumptions about military power. A nation possessing these resources can generate battlefield effects that were earlier available through overwhelming superiority. Missiles are reshaping warfare, making conflicts faster, cheaper, and more political. A limited conventional missile strike can paralyse a country, disrupt critical infrastructure, and complicate decision-making. Coupled with this is the fact that even inexpensive drones...

AI Accelerated Both Targeting and Legitimacy

That AI is being used increasingly in war is a given. AI-enabled targeting may help commanders process information and act faster. But speed creates its own strategic risk. Warfare depends on legitimacy, targeting decisions must therefore be lawful. On 28 February, the Shajareh Tayyebeh Girls' Elementary School in Minab was destroyed by missile strikes. The attack killed at least 175 people, including 120 schoolchildren, prompting international outrage and investigations. It was one of the US military's deadliest civilian bombings in decades. But nearly four months on, the Pentagon has given no answers about why the military fired a Tomahawk cruise missile into the school.

President Trump, when asked about the investigation during a press conference at the G7 meeting in France, said; "It's such a strange question to be asked at this date, because you're talking about a long time ago," and stated, "But nobody did that on purpose."

It is not only whether AI can accelerate targeting, but whether military and political leaders can adequately explain how targets are generated, reviewed, and approved. As AI-enabled systems become more common, the legitimacy of the decision-making process may become as strategically important.

AI governance requires militaries to build capacity to understand and manage the consequences of technology. It is not only whether the force can target faster. It is whether it can target faster while preserving legitimacy and prevent collateral damage. Legitimacy in war cannot be relegated to a public-relations afterthought. It is part of the contest.

Targeting The Gulf

Iran's pressure on the other Persian Gulf littoral states was not only about US military bases. It also aimed at shattering an illusion that Gulf states can function as secure, investable, globally connected countries while hosting US bases.

Airfields and ports desalination facilities, energy infrastructure, cloud services, logistics hubs, and public confidence, these are no longer strategic vulnerabilities and sensitivities but also criticalities. Iran attacked energy and other infrastructure which undermined the stated US goal of protecting its regional allies.

The 2025 Iranian missile attack on Al Udeid Air Base in Qatar illustrates the point. Qatar intercepted the attack but the strategic effect was broader. The strike placed a host nation, its population, its airspace, and its political relationship with Washington inside the war, underscoring the problems of base defence, host-nation security and political signaling.

A lesson from both wars is the importance of an overall architecture that links sensors with analysts, commanders and shooters that can enable remotely operated surveillance and weapons systems to work at scale.

As the war stalled, with Iranians striking bases around the region, they celebraed with Lego-style videos on TikTok with images marking the decline of US power.

Cloud Is Part of Campaign Geography

The Iran War highlighted a major shift: Data centers, internet cables, commercial AI providers, logistics platforms, and software infrastructure are now part of the battlespace. They help enable military operations, financial flows, communications, targeting, logistics, and regional economic confidence. They are no longer rear-area background systems.

Iran identified US technology firms that maintain offices, data centers, cloud infrastructure, and research facilities. Iranian strikes on AWS-linked facilities in the UAE and in Bahrain illustrated how commercial digital infrastructure increasingly occupies strategic terrain.

The attacks disrupted services and forced operators to reroute workloads. For the first time, core cloud infrastructure, once seen as abstract and largely as commercial technology, was directly struck in a military conflict.

The cloud was no longer some weightless digital mist. It was and is a physical system built from land, concrete, transformers, cooling systems, cables, and electricity. Data Centres are now at the forefront of the targeting list. This means the cloud is vulnerable to the logic of war.

Much of the infrastructure that enables modern operations is privately owned, and globally distributed. The companies involved may not think of themselves as combatants, but adversaries may not grant them that distinction.

Conclusion

Historically, the outcome of war depended on a side that had a larger and more capable military, superior industrial capacity and the depth of national resources to support and sustain a conflict. Operation Epic Fury has taught us that the equation is changing and modern war runs through various systems that were not part of the traditional battlefield milieu. In 'Art of War,' Sun Tzu uses water as the central metaphor for a military force when he wrote about 'expanding torrents.' Unlike static formations, water adapts to the landscape and gains destructive power through accumulation and release.

The central challenge is therefore not only how to strike, defend or deter. It is how to maintain strategic control when adversaries can impose costs through systems that sit outside the traditional battlefield but inside the matrix of war. Modern warfare contests the conditions under which military power remains usable. The side that understands these issues will be in a position to control the strategic outcome.

rajeshsharma1049@gmail.com

#IMPACT

Bizarre Inventions From the Past In Use

The first known toothbrush was invented in China during the Tang Dynasty (618-907 AD), and it was made from a combination of pig bristles and a bamboo handle

Throughout history, many inventions have seemed strange, quirky, or downright bizarre at the time of their creation. However, some of these oddities have stood the test of time and continue to be integral parts of our everyday lives. Let's take a look at some of these fascinating creations, things we still use today that were once considered outlandish.

1. The Toothbrush: A Small Stick with Big Impact

The toothbrush, as we know it today, may seem like a mundane item in our daily hygiene routine. However, its origins are far from ordinary. The first known toothbrush was invented in China during the Tang Dynasty (618-907 AD), and it was made from a combination of pig bristles and a bamboo handle. While it might sound like something from a horror movie, this early brush actually laid the foundation for the toothbrushes we use today.

The Chinese method of cleaning teeth evolved over centuries, and in the 15th century, Europeans were introduced to it through trade. However, it wasn't until 1938, when DuPont invented nylon bristles, that the modern toothbrush really came into being. The use of animal bristles eventually faded out, and today's toothbrushes are made of synthetic materials.

Although we might think of it as a basic tool for oral hygiene, the humble toothbrush has come a long way, from its bizarre beginnings to a common staple in bathrooms around the world. We've come to rely on it for something as simple as brushing our teeth, but without the early experiments with materials, we might still be using crude methods today.

2. The Mirror: Reflecting on Ancient Innovations

Mirrors are a crucial part of daily life, whether we're applying makeup, checking our appearance, or simply marveling at our own reflection. But the first mirrors weren't the sleek, silver-backed glass panels we use today. Instead, the ancient Egyptians used polished copper or bronze to create reflective surfaces. These metal mirrors were highly polished, and people used them primarily for personal grooming and as decorative objects.

The Romans took mirror-making a step further by using glass with a reflective metal backing, though they were still quite rudimentary compared to modern mirrors. The mirror as we know it today, clear, glass, and backed with a thin layer of silver or aluminum, was invented in the 16th century in Venice. It was originally a luxury item for the elite. While modern mirrors are not quite as "bizarre" as their ancient predecessors, the journey from polished metal discs to modern glass mirrors is a fascinating one, and it's a technology that continues to play a significant role in everything from interior design to scientific research.

3. High Heels: Fashion or Function?

High heels have long been associated with fashion, but their origins are both practical and somewhat surprising. High heels first appeared in Persia in the 10th century, where they were worn by men, primarily soldiers and horse riders, as a way to secure their feet in stirrups while riding. These early heels were functional rather than fashionable. By the 16th century, high heels became a symbol of status and power. The French aristocracy, in particular, embraced the high heel as a mark of nobility. King Louis XIV of France famously wore heels to elevate his status as the "Sun King" and to appear taller. Women began adopting high heels as part of their fashionable wardrobes, and the trend soon became entrenched in European fashion. While high heels are often uncomfortable and have been a source of controversy regarding their impact on health, they remain a mainstay in fashion. The bizarre origin of high heels, as a practical solution for horseback riders, seems far removed from their modern incarnation as a luxury accessory, but it's a reminder that fashion often has a functional beginning.

4. The Hair Dryer: A Modern Marvel Born from a Strange Accident

The hair dryer, which today is a must-have in many households, was once a rather bizarre invention. The first known patent for a hair dryer was filed in 1890 by a man named Alexander Godefroy, a French stylist. The original device, however, was far from portable. It consisted of a large, bulky machine that sat on the floor with a hooded attachment where the person's head was placed. The airflow was generated by a complicated system of heated coils and fans, making it an odd contraption by today's standards.

Godefroy's invention was actually inspired by a chance encounter with a client. He had noticed that hair dried faster when people sat under a heated contraption meant for hair treatments. The prototype was an early form of what we recognize as a hair dryer today, but it wasn't until the 1920s, with the invention of the handheld blow dryer, that the device became more common.

Though the first hair dryers were cumbersome and impractical, they paved the way for the lightweight, efficient devices we use today. What started as a strange, oversized contraption evolved into the small, powerful blow dryers that dry our hair in a matter of minutes.

THE WALL

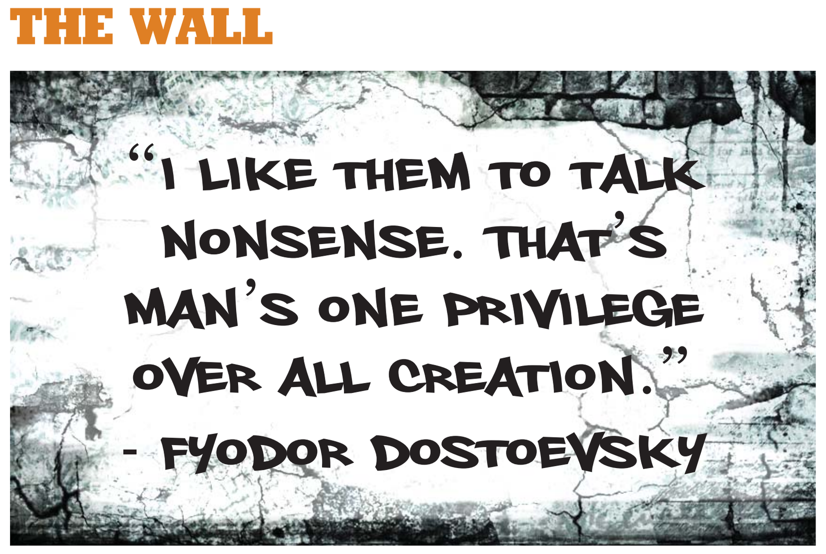

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

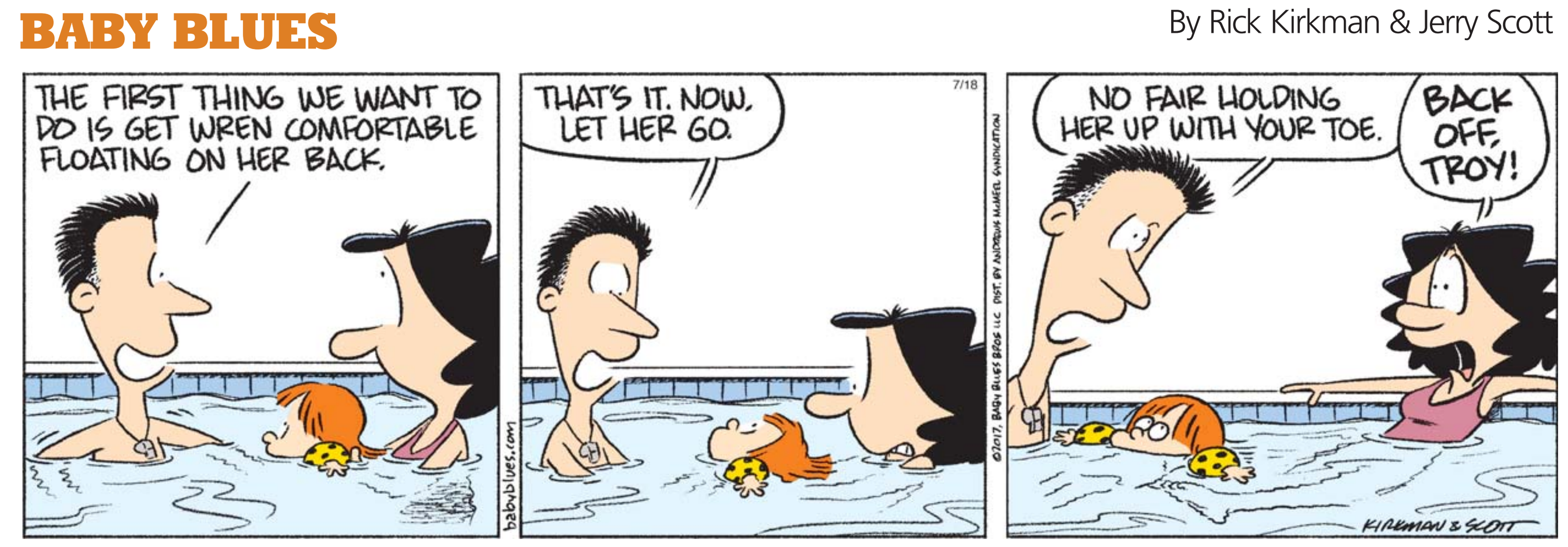

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

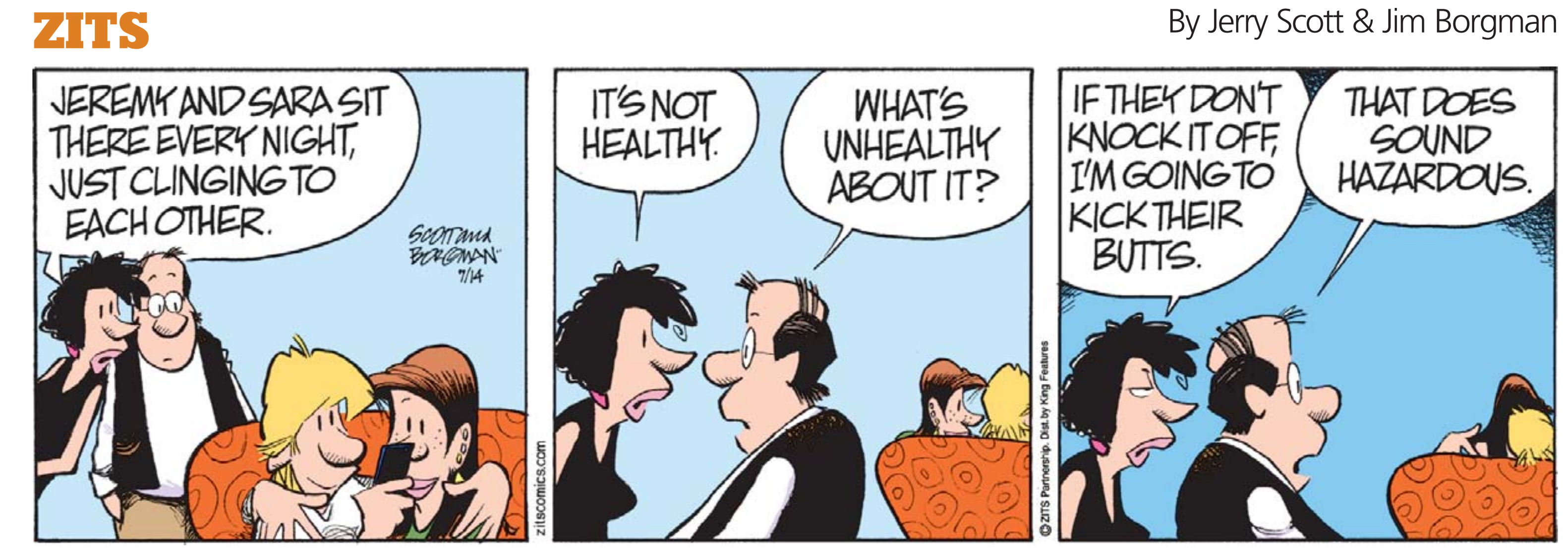

घरेलू गैस की कालाबाजारी पर पुलिस व रसद विभाग की बड़ी कार्रवाई

किशनगढ़ बास में जिला रसद विभाग और कोटकासिम पुलिस ने अवैध गैस सिलेंडर से भरी दो पिकअप गाडी को डिटेन कर पकड़ा ।

■ 144 सिलेंडरों से भरी दो पिकअप जब्त

किशनगढ़ बास। जिला रसद विभाग और कोटकासिम पुलिस ने अवैध गैस सिलेंडर से भरी दो पिकअप गाडी को डिटेन कर पकड़ा और 144 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जप्त किए जाने की बड़ी कार्रवाई की। जब्त किए गए गैस सिलेंडरों एवं वाहनों को आगामी विधिक कार्रवाई तक सुरक्षित रखने के लिए सम्राट राव गैस एजेंसी, बूढी बावल के गोदाम में सुपुर्द किया गया है। प्रकरण में विभाग की ओर से नियमानुसार एफआईआर दर्ज करवाने की कार्रवाई की जा रही है तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध प्रचलित विधिक प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

जिला रसद अधिकारी ने बताया कि कोटकासिम पुलिस से प्राप्त प्रारंभिक सूचना के आधार पर निरीक्षक डॉ. मीनाक्षी मीणा एवं कनिष्ठ सहायक मनीष कुमार वर्मा द्वारा मौके पर पहुंचकर प्रकरण की जांच की गई। जांच के दौरान पिकअप वाहन संख्या 321461 से 70 तथा 47 2158 से 74 घरेलू गैस सिलेंडर, कुल 144 सिलेंडर बरामद किए गए। जांच के दौरान वाहन चालकों प्रवीण कुमार एवं मनोज द्वारा गैस सिलेंडरों के परिवहन से संबंधित कोई वैध लाइसेंस, अनुमति अथवा बिल सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। इस पर विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोनों पिकअप वाहनों एवं बरामद 144 घरेलू गैस सिलेंडरों को जब्त कर लिया गया। उन्होंने बताया की जब्त किए गए गैस सिलेंडरों एवं वाहनों को आगामी विधिक कार्रवाई तक सुरक्षित रखने के लिए सम्राट राव गैस एजेंसी, बूढ़ी बावल के गोदाम में सुपुर्द किया गया है। प्रकरण में नियमानुसार एफआईआर दर्ज करवाने की कार्रवाई की जा रही है तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध प्रचलित विधिक प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध परिवहन, अनधिकृत भंडारण एवं कालाबाजारी के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त

अध्यक्ष पद का मुकाबला तय, नाम वापसी नहीं

पावटा। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर नाम वापसी की प्रक्रिया शुक्रवार को पूरी हो गई। अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतरे किसी भी प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस नहीं लिया। इसके साथ ही अध्यक्ष पद के चुनाव की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। अब आगामी 21 सितंबर को अध्यक्ष पद के लिए मतदान होगा। अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस से मीना देवी पत्नी अजय सैनी तथा भाजपा से मंजू अग्रवाल पत्नी गोपाल अग्रवाल चुनाव मैदान में हैं। दोनों प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए हैं । निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मतपत्र पर प्रत्याशियों को क्रमांक भी निर्धारित किए गए हैं। क्रमांक 1 पर भाजपा प्रत्याशी मंजू अग्रवाल का नाम और कमल का फूल चुनाव चिन्ह, जबकि क्रमांक 2 पर कांग्रेस प्रत्याशी मीना देवी का नाम और हाथ का चुनाव चिन्ह होगा। वहीं मतदाताओं के लिए क्रमांक 3 पर नोटा का विकल्प रखा गया है। नगरपालिका के निर्वाचित पार्षद 21 सितंबर को मतदान के माध्यम से अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। रिटर्निंग अधिकारी बृजेश कुमार ने नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने और प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाने की जानकारी दी।

विकसित भारत क्विज का बैनर जारी

चौमूं / कालाडेरा । सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा में 'विकसित भारत-जन सेवा अभियान' कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2027' के तहत विकसित भारत क्विज प्रतियोगिता के बैनर एवं पोस्टर्स का परिसर में विमोचन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विकसित भारत के संकल्प, राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया तथा युवा नेतृत्व की भूमिका से जोड़ते हुए उनमें जागरूकता और सहभागिता की भावना विकसित करना रहा। महाविद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्य प्रोफेसर सुमन भाटिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में कोर कमेटी के सदस्य प्रोफेसर प्रणेता गुप्ता, प्रोफेसर सुधा राठी, डॉ. नीलम कृष्णिया एवं डॉ. रणजीत जगरिया सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ एनएसएस,एनसीसी, रोवर-रेंजर्स तथा रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षार्थ प्रशिक्षण केंद्र से जुड़े विद्यार्थियों ने भी सक्रिय सहभागिता की। विद्यार्थियों ने माई भारत पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाकर विकसित भारत क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया ।

जयभारत सिंह अध्यक्ष बने

चौमूं / कालाडेरा । सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा के प्राचार्य प्रोफ़ेसर जयभारत सिंह को राजस्थान के भूगोल विषय से जुड़े शिक्षाविदों एवं विशेषज्ञों के प्रतिष्ठित संगठन 'राजस्थान भूगोल परिषद' का अध्यक्ष चुना गया है। वहीं महाविद्यालय के भूगोल विभाग से जुड़े डॉ. सुरेश चंद्र जाट को परिषद का ज्वाइंट सेक्रेटरी चुना गया है। एक ही महाविद्यालय के दो प्रोफ़ेसर्स को संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व मिलना महाविद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

मतदान में कांग्रेस को भाजपा से 101 मत अधिक मिले

निवाई। नगर पालिका निवाई की 40 वार्डों के लिए संपन्न हुए चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भाजपा से अधिक मत मिले हैं। चुनाव विश्लेषण के अनुसार कुल 40 वार्डों के लिए 9 सितंबर को मतदान संपन्न हुआ था।

14 सितंबर को हुई मतगणना के बाद प्राप्त आंकडों के अनुसार 40 वार्डों में कांग्रेस को 13108 मत मिले हैं जबकि प्रदेश में सत्ताधारी भाजपा को 13007 मत मिले हैं। इस प्रकार कांठोस ने भाजपा से 101 मत अधिक प्राप्त किए हैं।

मतगणना के बाद प्राप्त आंकडों के अनुसार कुल मतदान 31486 हुआ था। जिसमें से कांग्रेस वह भाजपा को कल 26115 मत मिले हैं। शेष 5371 मत निर्दलीय व नोटा को मिले हैं। इसके बावजूद कांग्रेस के चार प्रत्याशियों की जमानत जप्त हुई है ।

राजगढ़ में भाजपा व निर्दलीय के बीच मुकाबला

राजगढ़ । नगर पालिका अध्यक्ष के चुनाव के लिए नाम वापसी की तिथि के पश्चात स्थिति साफ हो गई है। नाम वापसी के बाद भाजपा की रेखा देवी एवं निर्दलीय राजकुमार सैनी के मध्य मुकाबला तय है। शुक्रवार को निर्दलीय प्रत्याशी धर्मचंद सैनी ने अपना नाम वापस ले लिया। रिटर्निंग अधिकारी सीमा मीणा ने बताया कि राजगढ़ अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नाम वापसी की तिथि के पश्चात भाजपा की रेखा देवी एवं निर्दलीय राजकुमार सैनी के मध्य 21 सितंबर को मुकाबला होगा। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए तीन दावेदारों भाजपा की रेखा देवी, निर्दलीय राजकुमार सैनी एवं निर्दलीय धर्मचंद सैनी ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। इनमे में नाम वापसी अंतिम तिथि के दिन धर्मचंद सैनी ने नाम वापस ले लिया। विदित रहे कि वार्ड नंबर 16 से कांग्रेस सिंबल पर चुनाव जीते राजकुमार सैनी ने अध्यक्ष पद के लिए निर्दलीय नामांकन पत्र दाखिल किया था। राजगढ़ नगर पालिका चुनाव में 40 वार्डों के लिए हुए मतदान के बाद परिणाम में 31 निर्दलीय 6 पर भाजपा एवं 3 पर कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव जीते ।

दूदू पालिका अध्यक्ष चुनाव में निर्दलीय बनेंगे निर्णायक

■ 25 वार्डों में कांग्रेस के 12 भाजपा के 10 निर्दलीय कांग्रेस से गरिमा कंवर और भाजपा से भूपेंद्र सिंह ने नामांकन दाखिल किया।

दूदू । दूदू नगर पालिका के पहली बार हुए चुनाव के बाद अब अध्यक्ष पद को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। 25 वार्डों वाली नगर पालिका में कांग्रेस के 12, भाजपा के 10, दो निर्दलीय और एक आरएलपी पार्षद के जीतने के बाद अध्यक्ष पद का फैसला अब निर्दलीय पार्षदों की भूमिका से जुड़ गया है। अध्यक्ष पद के लिए चुनाव 21 सितंबर को होना है। कांग्रेस की ओर से गरिमा कंवर और भाजपा की ओर से भूपेंद्र सिंह ने नामांकन दाखिल किया है। अध्यक्ष पद के नामांकन के बाद दोनों प्रमुख दलों में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। चुनाव से पहले अध्यक्ष पद की दावेदारी को लेकर दोनों ही पार्टियों में कई पार्षद दमखम के साथ मैदान में थे। टिकट वितरण के दौरान भाजपा और कांग्रेस ने इन दावेदारों को पार्षद का टिकट दिया और सभी ने चुनाव जीतकर वापसी की। अब अध्यक्ष पद के लिए पार्टी के सामने विजेता दावेदारों में से एक नाम तय करने की चुनौती थी भाजपा में भूपेंद्र सिंह के साथ अवधेश शर्मा और कैलाश जाट को अध्यक्ष पद के प्रमुख दावेदारों के रूप में देखा जा रहा था। वहीं कांग्रेस में बलदेव मेहरिया और आरिफ शेख की दावेदारी की चर्चा थी। इसके अलावा रामधन धाभाई भी दावेदारों में शामिल बताए जा रहे थे, लेकिन वे चुनाव में मात्र दो मतों से हार गए। भाजपा की ओर से क्षेत्रीय विधायक एवं राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और कांग्रेस की ओर से पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री बाबूलाल नागर के स्तर पर भी अध्यक्ष पद के संभावित उम्मीदवार को लेकर राजनीतिक गतिविधियां चलती रहीं। आखिरकार सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित अध्यक्ष पद पर कांग्रेस ने विजेता पार्षद श्रीमती गरिमा कंवर को उम्मीदवार बनाया, जबकि भाजपा ने भूपेंद्र सिंह को मैदान में उतारा। 25 सदस्यीय नगर पालिका में बहुमत का आंकड़ा 13 है। कांग्रेस के पास 12 पार्षद हैं, इसलिए उसे अध्यक्ष बनाने के लिए एक अतिरिक्त वोट की जरूरत होगी। भाजपा के 10 पार्षद हैं, ऐसे में बहुमत के लिए उसे तीन अतिरिक्त वोट जुटाने होंगे। दो निर्दलीय और एक आरएलपी पार्षद की भूमिका इस लिहाज से अहम हो गई है। कांग्रेस के पार्षदों में नाराजगी और क्रॉस वोटिंग की चर्चाओं के बीच मुकाबला और रोचक हो गया है। स्थानीय राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार आरएलपी और निर्दलीय पार्षदों के रुख पर दोनों दलों की नजर है। सत्ता पक्ष के साथ जाने को लेकर भी राजनीतिक गलियारों में अलग-अलग तरह की चर्चाएं चल रही हैं । कांग्रेस के लिए राहत की बात यह है कि निर्दलीय प्रत्याशी कालूराम ने कांग्रेस को पूर्ण समर्थन देने की बात कही है।

दो देशों की संस्कृति के मिलन का गवाह बनी विदेशी रसोई

■ फिजी देश के हाई कमिश्नर खैरथल की विदेशी रसोई पहुंचे

■ रसोई की दिवारो परविदेशी संस्कृति की पेंटिंग्स देख हुए मंत्रमुग्ध बोलें यह विश्व बंधुत्व की असली तस्वीर है

■ प्रशासन ने किया स्वागत, भारतवंशी हाई कमिश्नर ने मंत्र पढ़कर किया भोजन को नमन, फिजी का झंडा देकर बनाया सांस्कृतिक दूत

खैरथल। राजस्थान के छोटे से शहर खैरथल की एक अनोखी रसोई ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर अपनी पहचान और मजबूत कर ली। भारत में फिजी देश के हाई कमिश्नर महामहिम जगन्नाथ सामी अपने पूरे परिवार के साथ जिला मुख्यालय स्थित प्रसिद्ध कैफे विदेशी रसोई पहुंचे। उनका यह दौरा सिर्फ एक भोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दो देशों की संस्कृति के मिलन का गवाह भी बना। हाई कमिश्नर के खैरथल आगमन पर जिला प्रशासन ने भी पूरी गर्मजोशी दिखाई। विदेशी रसोई के मालिक मोहन शर्मा, निशांत शर्मा व प्रशांत शर्मा ने उनका बुके देकर स्वागत किया, वहीं खैरथल के अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट व डीएसपी रामनिवास मीणा सहित पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों ने भी हाई कमिश्नर का स्वागत कर प्रोटोकॉल निभाया। विदेशी रसोई में कदम रखते ही हाई कमिश्नर वहां की दीवारों पर बने विभिन्न देशों की संस्कृति को दर्शाती पेंटिंग्स को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने इसकी जमकर तारीफ करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक कैफे नहीं, बल्कि विश्व बंधुत्व को बढ़ाने वाला एक बेहतरीन सांस्कृतिक प्रयास है। एक ही छत के नीचे पूरी दुनिया को समेटने का यह आइडिया वाकई काबिले-तारीफ है। इस मौके पर हाई कमिश्नर ने अपने देश का राष्ट्रीय ध्वज विदेशी रसोई के मालिकों को भेंट किया और उन्हें फिजी देश की संस्कृति और फूड के प्रचार के लिए अधिकृत सांस्कृतिक दूत बनाया। सबसे भावुक कर देने वाला क्षण तब आया जब भारतवंशी फिजी हाई कमिश्नर और उनके परिवार ने खाना शुरू करने से पहले हाथ जोडकर मंत्र पढते हुए भोजन को प्रणाम किया। यह दृश्य वहां मौजूद हर व्यक्ति के लिए भारतीय संस्कृति से उनके गहरे जुडाव को प्रदर्शित कर रहा था, भले ही वे सात समंदर पार फिजी में बस गए हों, लेकिन दिल आज भी हिंदुस्तानी है। उल्लेखनीय है कि हाई कमिश्नर के साथ उनके भाई आनंद सामी भी खैरथल आए थे।

आनंद सामी फिजी की नेशनल फुटबॉल टीम के लंबे समय तक कप्तान और उसके बाद कोच रह चुके हैं।

11 केवी विद्युत तार टूटकर गिरा, 10 भेड़ मरी

विराटनगर। क्षेत्र के बागावास चौरासी स्थित दिघार की ढाणी में गुरुवार रात करीब 7 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक 11 केवी विद्युत लाइन का तार टूटकर भेड़ों के झुंड पर जा गिरा। विद्युत करंट की चपेट में आने से 10 भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 भेडें गंभीर रूप से घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार पशुपालक करीब 140 भेडों के साथ मौके पर मौजूद था। इसी दौरान अचानक विद्युत तार टूटकर नीचे गिर गया और उसकी चपेट में कई भडें आ गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पीड़ित मुकेश मीणा पुत्र रंजीत मीणा ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही भाबरू थाना पुलिस, विद्युत विभाग के कर्मचारी तथा पशु चिकित्सा विभाग की टीम मौके पर पहुंची। विद्युत विभाग ने एहतियात के तौर पर लाइन बंद कर मरम्मत कार्य शुरू किया। वहीं घायल भेडों का मौके पर उपचार किया गया। हादसे में एक साथ 10 भेड़ों की मौत होने से पशुपालक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने घटना की जांच कर पीड़ित पशुपालक को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

सार-समाचार

कानून व्यवस्था के लिए पुलिस अधीक्षक डीग को ज्ञापन सौंपा

डीग भरतपुर (निसं)। जिला कांग्रेस कमेटी डीग के प्रतिनिधि मण्डल ने जिला अध्यक्ष राजीव चौधरी के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक डीग को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें डीग जिले के नगर निकाय चुनावों में लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया में दखल नहीं देने के लिये प्रशासन व पुलिस द्वारा कांग्रेस और कांग्रेस समर्थित पार्षदों तथा उनके परिवारजनों को प्रताडित नहीं करने और दबाव नहीं बनाने को सुनिश्चित करने हेतु कहा है, जिससे कि लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया बिना किसी दखल के सम्पन्न हो सके। कांग्रेस समर्थित पार्षदों पर दबाव बनाकर उन्हें भाजपा खेमे में ले जाने का प्रयास किया जा रहा है, जोकि देश के लोकतंत्र पर सीधा प्रहार है और सरकार की शक्तियों का दुरूप्योग हो रहा है तथा भारतीय संविधान के अनुच्छेदों का पालन नहीं किया जा रहा है। प्रतिनिधि मण्डल में जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मोहन सिंह गूजर और शिवा गाजिया संगठन महासचिव गजराज सिंह पेंघोर, एम जुबेर खान, जिला सचिव विक्रम सिंह एडवोकेट और रवि पूंछरी, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष पंकज भूषण गोयल तथा खेलकूद प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महमूदा खान, भरत सिंह, केहरी सिंह एडवोकेट, यासीन सरपंच भटपुरा, साजिद खान एडवोकेट, राकेश पूंछरी भी सम्मिलित हुए।

गोवर्धन धाम महाराज की पदयात्रा रवाना

बौंली- बामनवास । हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गोवर्धन धाम महाराज की पदयात्रा शुक्रवार को विधीवत पूजा अर्चना के साथ खेडापति बडे बालाजी प्रांगण बौंली से रवाना हुई। गोवर्धन पदयात्रा को आचार्य हेमराज दीक्षित ने मंत्रोंच्चार के के साथ पूर्व पुलिस अधिकारी प्रहलाद गुर्जर से ध्वज पूजन करा कर रवाना किया। पदयात्रा में नवल किशोर मंगल, सुशील मंगल, ताराचंद शर्मा सहित अनेको श्रद्धालु उपस्थित थे।बौंली-बामनवास,(श्रद्धा ओम त्रिवेदी): हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गोवर्धन धाम महाराज की पदयात्रा शुक्रवार को विधीवत पूजा अर्चना के साथ खेड़ापति बड़े बालाजी प्रांगण बौंली से रवाना हुई। गोवर्धन पदयात्रा को आचार्य हेमराज दीक्षित ने मंत्रोंच्चार के के साथ पूर्व पुलिस अधिकारी प्रहलाद गुर्जर से ध्वज पूजन करा कर रवाना किया। पदयात्रा में नवल किशोर मंगल, सुशील मंगल, ताराचंद शर्मा सहित अनेको श्रद्धालु उपस्थित थे।बौंली- बामनवास,(श्रद्धा ओम त्रिवेदी): हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गोवर्धन धाम महाराज की पदयात्रा शुक्रवार को विधीवत पूजा अर्चना के साथ खेड़ापति बड़े बालाजी प्रांगण बौंली से रवाना हुई। गोवर्धन पदयात्रा को आचार्य हेमराज दीक्षित ने मंत्रोंच्चार के के साथ पूर्व पुलिस अधिकारी प्रहलाद गुर्जर से ध्वज पूजन करा कर रवाना किया। पदयात्रा में नवल किशोर मंगल, ताराचंद शर्मा सहित अनेको श्रद्धालु उपस्थित थे।

ब्लैकमेल करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

पावटा, (निसं)। शाहपुरा थाना पुलिस ने युवक विजय कुमार स्वामी की आत्महत्या के मामले की जांच करते हुए कथित हाईप्रोफाइल ब्लैकमेलिंग गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में एक महिला सहित दो आरोपियों रानी उर्फ खुशबू और पुष्पेन्द्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों पर मृतक को कथित रूप से ब्लैकमेल कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। मामले में अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि 5 सितंबर को शाहपुरा में एक निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स में विजय कुमार स्वामी (29) फंदे से लटका मिला था। मृतक के पिता रामदास स्वामी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि उनके पुत्र को उसकी पत्नी रानी शर्मा और उसके अन्य परिजनों द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था, जिसके चलते उसने आत्महत्या कर ली। रिपोर्ट के आधार पर शाहपुरा थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस के अनुसार, अनुसंधान के दौरान मृतक द्वारा आत्महत्या से पूर्व लिखा गया सुसाइड नोट बरामद हुआ। सुसाइड नोट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं। जांच में सामने आया कि विजय कुमार स्वामी पुलिस थाना सामोद क्षेत्र में डायल-112 वाहन पर संविदा चालक के रूप में कार्यरत था। पुलिस के मुताबिक, रानी मूल रूप से उत्तर प्रदेश की रहने वाली है और वर्तमान में जयपुर में मीडिया एवं प्रॉपर्टी से जुड़े कार्य करती थी। पुलिस के अनुसार दोनों की जनवरी 2026 में शादी हुई थी। इसके बाद अप्रैल 2026 में विजय ने डायल-112 की नौकरी छोड़ दी और रानी शर्मा के साथ रहने लगा। पुलिस जांच के अनुसार, रानी और उसके जीजा पुष्पेन्द्र पर विजय कुमार को कथित रूप से मानसिक रूप से प्रताड़ित कर ब्लैकमेल करने का आरोप है।

टोंक में 45 किलो गांजा व 8 ग्राम स्मैक जब्त

■ इस कार्यवाही में कुल 22.350 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त किया, जिसकी अन्तरराष्ट्रीय कीमत 11 लाख रुपये बतायी जा रही है

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत वृत्ताधिकारी मृत्युन्जय मिश्रा के सुपरविजन में मेहन्दवास थानाधिकारी रामसिह यादव के नेतृत्व में गठित विशेष टीम व डीएसटी टीम द्वारा सयुक्त कार्यवाही करते हुए क्षेत्र से दो वाहन की जाचं के दौरान उनमें मिले दो कटटों में जिसमें से एक कट्टे में 20 किलो 720 ग्राम गांजा एवं दुसरे कट्टे में 1 किलो 630 ग्राम अवैध गांजे को जप्त कर चालक लालाराम पुत्र कंवरपाल गुर्जर उम्र 38 साल व मुकेश महावर पुत्र बद्रीलाल महावर उम्र 42 साल निवासी कबीर भवन, सुभाष नगर को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में कुल 22.350 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया है, जिसकी अन्तरराष्ट्रीय कीमत 11 लाख रुपये बतायी जा रही है।

इसी प्रकार इस अभियान में घाड थाना टीम ने कार्यवाही करते हुए क्षेत्र के भरनी पुलिया एनएच 52 से आरोपी मनोज माली पुत्र सीताराम उम्र 40 साल निवासी दुनी व कालुराम गुर्जर पुत्र भंवरलाल गुर्जर उम्र 38 साल निवासी कालाकांकरा थाना दुनी के कब्जे से 8 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक को जप्त कर आरोपीयों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही के दौरान आरोपी कालुराम की तलाशी में 940 रुपये नगद मिले जिन्हे जप्त किया गया एवं उनके द्वारा प्रयुक्त मोटरसाईकिल को भी जप्त किया गया। जानकारी के अनुसार मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 60 हजार रुपये बतायी जा रही है।

इसी क्रम में इस अभियान में बरोनी थाना पुलिस एवं जिला स्पेशल टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही के दौरान सोहेला गांव से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। पुलिस ने एक घर के छोटे बाथरूम में चारे के बीच सफेद कट्टे में छिपाकर रखा 22 किलो 652 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया गया है।

बाजार में गांजे की कीमत करीब 11 लाख 50 हजार रुपए बताई गई है । थाना प्रभारी जयमल सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि सोहेला गांव की टावर वाली गली में लालाराम गुर्जर के घर में भारी मात्रा में अवैध गांजा छिपाकर मिलने के बाद डीएसटी व थाना पुलिस की टीम ने घर पर दबिश देकर बाथरूम में चारे के बीच एक सफेद कट्टे की जांच करने पर उसमें 22.652 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपिया सुनीता पत्नी लालाराम गुर्जर (उम्र 30 वर्ष), निवासी टावर वाली गली सोहेला को गिरफ्तार किया गया है।

शिक्षा में आध्यात्मिकता व संस्कारों का समावेश जरूरी : महंत मंगलदास

पावटा में राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन का उद्घाटन महंत मंगलदास ने किया।

■ राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) का दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन शुरू

पावटा। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना और संस्कारों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। विद्यालयों में आध्यात्मिक एवं नैतिक शिक्षा के अभाव का प्रभाव समाज पर भी दिखाई दे रहा है। शिक्षा व्यवस्था में सनातन संस्कारों और नैतिक मूल्यों को प्रभावी रूप से शामिल किया जाना चाहिए। यह बात महंत श्री मंगलदास जी महाराज ने शुक्रवार को हंस कॉलेज पावटा में आयोजित राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कही। सम्मेलन का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री श्री 1008 संत मंगलदास जी महाराज, महंत बाबा भरतदास आश्रम बगीची टोरडा धाम ने की। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और संस्कारों का आधार भी है। विद्यार्थियों में नैतिकता, अनुशासन, सेवा भावना और भारतीय संस्कार विकसित करने की दिशा में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि सुरेश चंद कसाणा, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पावटा ने कहा कि शिक्षक यदि कक्षा में प्रभावी शिक्षण के साथ समाज से भी निरंतर जुड़ाव बनाए रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें तो शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार होगा। शिक्षक का सम्मान विद्यालय के साथ-साथ समाज में भी बढ़ेगा। विशिष्ट अतिथि हरचंद मीणा, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी ने शिक्षक की भूमिका को समाज निर्माण से जोडते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य को दिशा देने वाला महत्वपूर्ण स्तंभ है। मुख्य वक्ता सुरेश चंद यादव, प्रदेश संयुक्त मंत्री ने कहा कि राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) से जुड़े शिक्षकों का पहला दायित्व विद्यार्थियों को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को सरकार की ओर से सौंपे जाने वाले विभिन्न गैर-शैक्षिणक कार्य भी करने पड़ते हैं। ऐसे में नियमित शिक्षण व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है, लेकिन संगठन से जुड़े शिक्षक दोनों दायित्वों में सामंजस्य स्थापित कर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। लक्ष्मीनारायण स्वामी, प्रदेश स्थाई सदस्य एवं संरक्षक मंडल राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) ने शिक्षकों के अधिकार एवं कर्तव्य, घटते नामांकन, शिक्षक स्व-आचार संहिता तथा सामाजिक हित से जुड़े कार्यों सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संगठन की ओर से किए जा रहे कार्यों और शिक्षक हित से जुड़े प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि बसंत कुमार शर्मा, प्रदेश संरक्षक मंडल सदस्य, प्रधानाचार्य सतीदान यादव, प्रधानाचार्य भूपेंद्र सिंह, हंस कॉलेज पावटा के निदेशक पंकज बंसल सहित अन्य अतिथियों एवं पत्रकारों का माला, साफा पहनाकर तथा प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मान किया।

भीलवाड़ा में भोले-भाले लोगों से 21 लाख की ठगी, फरीदाबाद से दो शातिर गिरफ्तार

आरोपियों ने भोले-भाले परिवार को असली सोना दिखाकर मिट्टी की ढेरी थमा दी थी

- आरोपी कभी गाय का दूध बेचने तो कभी जैकेट-सामान बेचने के बहाने मोहल्लों में घूमते और सीधे-साधे लोगों को निशाना बनाते थे

भीलवाड़ा, (निसं)। कीमती धातु का लालच और अटूट भरोसा, कभी-कभी जिंदगी भर की कमाई पर भारी पड़ जाता है। गांधीनगर थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी और जालसाजी का एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पुलिस प्रशासन के भी होश उड़ा दिए। एक शातिर अंतराज्यीय गिरोह ने एक भोले-भाले परिवार में सेंध लगाकर असली सोने के नाम पर मिट्टी की ढेरी थमा दी और 21 लाख रुपये नकद समेत सोने के गहने लेकर चंपत हो गया। हालांकि, पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद से गिरोह के दो शातिर बदमाशों को दबोच लिया है।

दूध बेचने के बहाने घर में घुसा, रचा पारिवारिक माहौल : गांधीनगर थाना एसएचओ पुष्पा कसोटिया ने बताया कि यह गिरोह नए शहरों में जाकर पहले रेकी करता था। आरोपी कभी गाय का दूध बेचने तो कभी जैकेट-सामान बेचने के बहाने मोहल्लों में घूमते और सीधे-साधे लोगों को निशाना बनाते थे।

इसी दौरान आरोपी ने खुद को हरियाणा का बताकर बाबा धाम क्षेत्र निवासी जगदीश पुत्र तेजू प्रजापत के घर में घुसपैठ की। शातिर ने परिवार के सदस्यों से ऐसा आत्मीय संबंध बनाया कि किसी को रत्ती भर भी संदेह नहीं हुआ। परिवार का विश्वास हासिल करने के बाद आरोपी ने झांसा दिया कि उसके पास सोने के कुछ कंकड़ हैं, जिन्हें वह बेचना चाहता है। भरोसा पक्का करने के लिए उसने शुरुआत में जांच के लिए असली सोने के कण दिए। जब परिवादी ने सुनार से जांच कराई, तो सोना 100 असली निकला। आरोपी के झांसे में आकर परिवादी जगदीश ने रिश्तेदारों से उधार लेकर, पर्सनल लोन करवाकर और घर के कीमती गहने बेचकर जैसे-तैसे 21 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि जुटाई। सौदा तय होने पर आरोपी ने हाथ की सफाई दिखाई और असली सोने की थैली की जगह मिट्टी की ढेरी थमा दी तथा 21 लाख रुपये लेकर फरार हो गया।

ठगी का अहसास होते ही पीड़ित परिवार ने पुलिस की शरण ली। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएचओ पुष्पा कसोटिया के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने वारदात के समय सक्रिय नए सिम और फोन नंबरों के बीटीएस/सीडीआर खंगाले। साथ ही दर्जनों सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर बदमाशों का भागने का रूट ट्रेस किया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गांधीनगर पुलिस टीम ने हरियाणा के फरीदाबाद क्षेत्र में दबिश देकर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान शहीद नगर (गाजियाबाद) निवासी वरिश मलिक (54) पुत्र शमसुद्दीन मलिक और आदर्श नगर (गाजियाबाद) निवासी सलमान (33) पुत्र मीनू मलिक के रूप में हुई है। एसएचओ पुष्पा कसोटिया ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अब आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ कर ठगी गई 21 लाख रुपये की नकदी और गहनों की बरामदगी के प्रयास कर रही है। साथ ही गिरोह के अन्य नेटवर्क के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

घायल युवक की चार दिन बाद जयपुर के अस्पताल में मौत

बसई पुलिया पर क्षतिग्रस्त सड़क और गड्ढों के कारण चार दिन पहले सड़क हादसा हो गया था

- गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्से से बचने के प्रयास में सामने से आ रही गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी थी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड क्षेत्र के बसई पुलिया पर क्षतिग्रस्त सड़क और गड्ढों के कारण चार दिन पहले हुए सड़क हादसे में घायल बाइक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। अजय सिंह का जयपुर में उपचार चल रहा था, जहां गुरूवार शाम उसने दम तोड़ दिया। शुक्रवार को मेहाड़ा पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

ढाणी सुराजी पाटन निवासी रतन सिंह ने बताया कि उसका भाई अजय सिंह (37) पुत्र जगदीश सिंह ट्रक चालक था। 13 सितंबर को अजय सिंह मेहाड़ा में खाना खाने के बाद बाइक से बसई नदी स्थित बजरी प्लांट की ओर जा रहा था। वह बसई पुलिया पर पहुंचा तो सड़क पर बने गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्से से बचने के प्रयास के दौरान सामने से आ रही गाड़ी ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घायल अजय सिंह को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल लाया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे पहले झुंझुनूं और बाद में जयपुर रेफर कर दिया। जयपुर में उपचार के दौरान गुरूवार शाम उसकी मौत हो गई। मृतक अजय सिंह विवाहित था। उसके दो बेटे देवेंद्र (12) और सौरव (11) हैं। हादसे में अजय की मौत के बाद परिवार में शोक का माहौल है। उसका भाई रतन सिंह मजदूरी करता है। ग्रामीणों ने बताया कि बसई पुलिया की क्षतिग्रस्त सड़क और गड्ढों को लेकर कई बार प्रशासन को अवगत करवाया जा चुका है। इसके बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं होने से यहां हादसों का खतरा बना हुआ है।

ग्रामीणों ने प्रशासन और पीडब्ल्यूडी विभाग से पुलिया की सड़क की तत्काल मरम्मत करवाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके। मेहाड़ा थाने के एएसआई विद्याधर ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मृतक के भाई की ओर से रिपोर्ट दी गई है। रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कार की टक्कर से बाइक सवार दम्पती और बेटे की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 758 पर यश पावन धाम के पास शुक्रवार को एक बेकाबू कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक पर सवार एक ही परिवार के तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची बीगोद थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर बीगोद अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

पुलिस के अनुसार हादसा एनएच 758 पर यश पावन धाम के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में सदर थाना क्षेत्र के गाडरियों का खेड़ा निवासी भगवान लाल, उनकी पत्नी देउ देवी और पुत्र रतन लाल की दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर के बाद कार चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बीगोद थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और यातायात सुचारू करवाया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है और फरार कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से गांव गाडरियों का खेड़ा में मातम पसरा हुआ है।

सीकर में युवक से 17.38 लाख की ठगी

सीकर, (निसं)। सीकर में युवक के प्राइवेट फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लाखों रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस में केस दर्ज करवाने की धमकी देकर ठगों ने 17.38 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित युवक ने शिकायत में बताया कि फेसबुक के जरिए एक महिला से जान-पहचान हुई। महिला ने बातचीत करना शुरू कर दिया। महिला से वीडियो कॉल पर भी बातचीत होने लगी। इस दौरान महिला ने मेरे प्राइवेट फोटो और वीडियो रिकॉर्ड कर लिए। एक दिन महिला ने कहा कि मेरे पति ने प्राइवेट फोटो और वीडियो देख लिए हैं, जिन्हें वायरल करेगा और पुलिस में मुकदमा करवाएगा। इसके बाद महिला ने अलग-अलग बैंक खातों में 17.38 लाख रुपए ट्रांसफर करवाए लिए। पुलिस को शक है कि महिला किसी साइबर गिरोह से जुड़ी हुई है। इस तरह से लोगों को अपने जाल में फंसाकर फोटो और वीडियो रिकॉर्ड करती है। फोटो वायरल करने या मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी देकर ठगी करती है।

जयपुर सचिवालय के सहायक शासन सचिव पर धोखाधड़ी का आरोप

अलवर की एक महिला ने बेटे को अनुकंपा नियुक्ति दिलाने के नाम पर 66 हजार रुपए मांगने और धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया

- पीड़ित महिला ने शहर के अरावली विहार थाना में मामला दर्ज कराया

अलवर, (निसं)। अलवर की एक महिला ने जयपुर सचिवालय में कार्यरत सहायक शासन सचिव के खिलाफ बेटे को अनुकंपा नियुक्ति दिलाने के नाम पर 66 हजार रुपए मांगने और धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। अलवर निवासी पुलिसकर्मी स्व. मनोज कुमार यादव की पत्नी बिमला देवी ने शहर के अरावली विहार थाना पुलिस में गुरुवार रात को मामला दर्ज कराया। पुलिस ने शिक्षा (आयोजना) विभाग जयपुर में कार्यरत सहायक शासन सचिव दुर्गा सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विवेकानंद नगर निवासी बिमला देवी ने शिकायत में बताया कि मेरे पति मनोज कुमार यादव पुलिस विभाग में करौली जिले में कार्यरत थे। ड्यूटी के दौरान उनकी मौत हो गई थी। इसके बाद मैंने अपने बेटे कुलदीप यादव की अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। इसी सिलसिले में मेरी और मेरे जेठ धारा सिंह यादव की मुलाकात सचिवालय में कार्यरत दुर्गा सिंह से हुई थी। परिवादी ने ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर के स्क्रीनशॉट भी पुलिस को सौंपे हैं।

महिला बिमला का आरोप है कि दुर्गा सिंह ने मेरे बेटे को अनुकंपा नियुक्ति जल्द दिलवाने का भरोसा दिया। इसके बाद दस्तावेजों की प्रक्रिया और अधिकारियों के चाय-पानी के खर्च के नाम पर अलग-अलग समय पर रुपए लिए। परिवाद के अनुसार अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 के बीच फोन-पे के जरिए कुल 51 हजार रुपए दिए गए। इसके बाद भी 15 हजार रुपए मांगे। महिला के अनुसार कुल 66 हजार रुपए दिए गए। बिमला देवी के जेठ धारा सिंह यादव का आरोप है कि रकम लेने के बावजूद बेटे की नियुक्ति नहीं करवाई गई। जब मैंने रुपए वापस मांगे तो पहले आश्वासन दिए गए। बाद में आरोपी ने मेरा फोन ब्लॉक कर दिया। महिला ने लेन-देन का रिकॉर्ड और बातचीत की रिकॉर्डिंग भी होने की बात कही है।

वहीं इस मामले में दुर्गा सिंह ने कहा कि मैंने बिमला देवी से कई साल पहले 65 हजार रुपए उधार लिए थे। जिसे अब वापस करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि एक फाइल से जुड़ा मामला भी था, लेकिन वर्तमान में मुझे उस फाइल के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति के नाम पर रकम लेने के आरोप से अलग अपना पक्ष रखा है।

महिला ने इस मामले में पहले पुलिस को शिकायत दी थी। अब अरावली विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच में ही आरोपों और लेन-देन से जुड़े तथ्यों की स्थिति स्पष्ट होगी।

भीलवाड़ा के एमजी अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही से नवजात की मौत

परिजनों का आरोप है कि वरिष्ठ डॉक्टरों की गैरमौजूदगी और जूनियर कर्मचारियों के भरोसे इलाज छोड़ने से यह हादसा हुआ है

भीलवाड़ा, (निसं)। महात्मा गांधी (एमजी) अस्पताल में प्रसव के दौरान चिकित्सकीय लापरवाही का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां डॉक्टरों की कथित अनदेखी के कारण एक नवजात शिशु की मौत हो गई, जिसके बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में जोरदार हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि वरिष्ठ डॉक्टरों की गैरमौजूदगी और जूनियर कर्मचारियों के भरोसे इलाज छोड़ने से यह हादसा हुआ है।

पीड़ित प्रसूता किरण कंवर (पत्नी चंदन सिंह) के जेठ हेमेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रसूता का नियमित इलाज एमजी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में चल रहा था। गत 5 तारीख को कराई गई सोनोग्राफी रिपोर्ट में जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह सुरक्षित व स्वस्थ थे। परिजनों के अनुसार, डिलीवरी के वक्त मुख्य डॉक्टर स्वयं आने के बजाय जूनियर स्टाफ को आगे कर गए। स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टरों ने एन वक्त पर हाथ खड़े कर दिए, जिसके चलते नवजात ने दम तोड़ दिया।

स्थानीय पार्षद सत्यवीर सिंह राठौड़ ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि घटना के 16 घंटे बीत जाने के बाद भी न तो कोई प्रशासनिक अधिकारी परिजनों से मिलने आया और न ही मौत का कोई स्पष्ट कारण बताया गया। अस्पताल प्रबंधन के इस संवेदनहीन रवैये से परिजनों में भारी रोष है। पीड़ित परिवार और स्थानीय प्रतिनिधियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने के साथ-साथ दोषी डॉक्टरों व स्टाफ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

चिड़ावा में हथियार लेकर घूम रहे युवक को दबोचा

झुंझुनूं/चिड़ावा, (निसं)। कस्बे के व्यापारियों के मोहल्ले में सरेआम हाथ में धारदार गंडासा लेकर घूम रहे एक युवक को चिड़ावा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लोहे का धारदार गंडासा जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू कर दिया है।

पुलिस के अनुसार 17 सितंबर को सूचना मिली थी कि व्यापारियों के मोहल्ले, टेकड़े के पास एक युवक हाथ में गंडासा लेकर घूम रहा है और आने-जाने वाले लोगों में भय का माहौल पैदा कर रहा है। सूचना पर उप निरीक्षक बलबीर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके के लिए रवाना हुए। व्यापारियों के मोहल्ले में पहुंचने पर मुखबिर द्वारा बताए हुलिए का एक व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर वह वहां से भागने का प्रयास करने लगा, जिस पर पुलिस ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम वसीम अकरम पुत्र अब्दुल हमीद निवासी वार्ड नंबर 13, व्यापारियों का मोहल्ला, कॉलेज के पास, चिड़ावा बताया। पुलिस द्वारा उसकी तलाशी लेने पर उसके हाथ में एक धारदार गंडासा मिला।

जोधपुर से पुलिस को चकमा देकर भागा तस्कर कोटा से गिरफ्तार

आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर झालावाड़ और कोटा क्षेत्र की तरफ फरारी काट रहा था

जोधपुर, (कासं)। डांगियावास थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पकड़ा है। वह 117.370 किलोग्राम डोडा-पोस्त तस्करी मामले में पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी धायलों की ढाणी बिसलपुर निवासी नरेश पुत्र लादुराम विश्नोई वर्ना गाड़ी में भारी मात्रा में अवैध डोडा-पोस्त भरकर अपने घर लेकर आया था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने आरोपी के ठिकाने पर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी मौके पर ही अपनी वर्ना कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली। उसमें 117.370 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ था। इसे पुलिस ने जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया। घटना के बाद आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर झालावाड़ और कोटा क्षेत्र की तरफ फरारी काट रहा था।

डांगियावास थाना पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी कोटा में छिपा हुआ है। इस पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए नयापुरा कोटा से आरोपी नरेश को दस्तयाब कर लिया।

थानाधिकारी राजूराम काला ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया है। प्राथमिक अनुसंधान में तस्करी में इस्तेमाल की गई वर्ना कार के चोरी के होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस आरोपी से डोडा-पोस्त की खरीद-फरोख्त और गाड़ी के संबंध में गहनता से पूछताछ कर रही है।

डोडा-पोस्त साहित महिला को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की झंवर पुलिस ने आतुणी ढाणी में रहवासीय मकान पर रेड देकर महिला इंद्रा को पांच किलो से ज्यादा अवैध डोडा-पोस्त के साथ गिरफ्तार किया है। महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया।

झंवर पुलिस थानाधिकारी प्रहलाद सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि आतुणी ढाणी जोलियाली में एक महिला के यहां पर अवैध डोडा-पोस्त मिल सकता है। इस पर एसआई देवाराम ने मय टीम के रेड दी। पुलिस ने महिला के घर की तलाशी में 5 किलो 830 ग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया।

गंगापुर सिटी में बरसात के बाद खेतों में पानी भरा, बाजरे की फसल खराब

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर सिटी और आसपास के इलाकों में गुरुवार देर शाम हुई तेज बारिश का असर शुक्रवार को भी दिखा। शुक्रवार सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे, जिससे दिन में अंधेरा रहा। इस बारिश से कई खेतों में पानी भर गया और कटी हुई बाजरे की फसल भी भीग गई, जिससे किसानों को नुकसान की आशंका है। मौसम विभाग ने शनिवार को भी गंगापुर सिटी सहित सवाई माधोपुर जिले के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

तहसील कार्यालय के अनुसार, गुरुवार को गंगापुर सिटी में 85 मिमी, तलावड़ा में 37 मिमी और वजीरपुर में 37 मिमी बारिश दर्ज की गई। गंगापुर सिटी में ज्यादा बारिश के कारण कई जगहों पर पानी भर गया, जिससे पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। तहसील कार्यालय के कानूनगो रामभरोसी ने बताया कि गुरुवार शाम से शुक्रवार सुबह 8 बजे तक गंगापुर सिटी में 85 मिमी यानी 3 इंच से ज्यादा बारिश हुई। उन्होंने यह भी बताया कि 1 जनवरी से अब तक कुल 793 मिमी और 1 जून से अब तक 721 मिमी बारिश हो चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में 839 मिमी बारिश दर्ज हुई थी, यानी इस साल पिछले साल की तुलना में 125 मिमी बारिश कम हुई है। हालांकि, गंगापुर सिटी की औसत बारिश करीब 600 मिमी है, जो इस साल पार हो चुकी है।

गुरुवार की बारिश से इलाके के कई गांवों में खेतों में पानी भर गया। इन दिनों बाजरे और तिल की फसलें पकने वाली हैं। कई किसानों ने बाजरे की कटाई शुरू कर दी थी। कटाई के बाद खेतों में पड़ी फसल बारिश में भीग गई, जिससे नुकसान होने की आशंका है। वहीं, कई खेतों में बाजरे और तिल की फसल अभी भी खड़ी है। किसानों को चिंता है कि अगर शनिवार को भी बारिश होती है, तो उनकी तैयार फसल को और ज्यादा नुकसान हो सकता है।

वाहन चोर गिरफ्तार

छबड़ा, (निसं)। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल ले जाते हुए मुख्य सरगना मनमोहन उर्फ गोलू उर्फ गूंगा (28) निवासी यादव मोहल्ला को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की एक बाइक बरामद की गई, जबकि पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर झाड़ियों के बीच बने खंडहरों में छिपाकर रखी गई दो और मोटरसाइकिलें बरामद की गई। सीआई राजेश खटाना ने बताया कि 5 सितंबर को सुरेंद्र ने थाने में बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

हादसे में पिता-पुत्री की मौत

कोटा, (निसं)। सांगोद थाना इलाके में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक बाइक पर सवार युवक व उसकी बेटी की हादसे में मौत हो गई, जबकि युवक की पत्नी व ढाई साल का मासूम बालक सहित अन्य बाइक सवार घायल हो गया। घायलों को अस्पताल में उपचार के लिये भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार सोहेल खान अपनी पत्नी और दो मासूम बच्चों के साथ मोड़क में एक रिश्तेदार के शोक सभा में गया था, जहां से सांगोद होते हुए करवाड़ गांव लौट रहा था। सांगोद क्षेत्र में सामने से तेज गति से आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सोहेल खान और उनकी बेटी अलीजा की मौत हो गई।

सांगोद थानाधिकारी पवन मीणा ने बताया कि करवाड़ निवासी सोहेल परिवार सहित सांगोद होते हुए बाइक से करवाड़ जाते समय सांगोद से घानाहेड़ा की ओर जा रही दूसरी बाइक मालबावड़ी के पास तेज रफ्तार और गलत दिशा में आ गई। दोनों बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

पाटन के किशोरपुरा में खनन गतिविधियों के लिए रास्ते को लेकर विवाद गहराया

प्रभावित खातेदारों ने आरोप लगाया है कि उनकी सहमति के बिना खातेदारी एवं शामलात भूमि से आवागमन के लिए रास्ता निकालने का प्रयास किया जा रहा है

- ग्रामीणों ने खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने और कृषि भूमि को अस्त-व्यस्त किए जाने का भी आरोप लगाया
- सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश मीणा ने कहा कि यह प्रकरण पूर्व में भी एनजीटी तक पहुंच चुका है और ग्रामीणों के साथ हुई घटना को लेकर वे दोबारा एनजीटी का रुख करेंगे

पाटन, (निसं)। किशोरपुरा क्षेत्र में खनन गतिविधियों के लिए रास्ते को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। प्रभावित खातेदारों ने आरोप लगाया है कि उनकी सहमति के बिना खातेदारी एवं शामलात भूमि से खनन सामग्री के आवागमन के लिए रास्ता निकालने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने और कृषि भूमि को अस्त-व्यस्त किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है।

ग्रामीणों के अनुसार खनन गतिविधियों के लिए पूर्व में वन विभाग की भूमि से निकलने वाले रास्ते को प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा बंद करवाया गया था। इसके बाद खनन सामग्री के परिवहन के लिए खातेदारों की कृषि भूमि से वैकल्पिक रास्ता निकालने का प्रयास किए जाने की बात सामने आई है। प्रभावित खातेदारों का कहना है कि रास्ते के लिए सभी संबंधित भूमि मालिकों की सहमति नहीं ली गई। खातेदारों का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति ने अपनी भूमि से रास्ता देने की सहमति दी है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि अन्य खातेदारों की भूमि में बिना अनुमति प्रवेश किया जाए या उनकी खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाया जाए। ग्रामीणों ने मामले को भूमि अधिकार, फसल सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए प्रशासन से तत्काल मौके का निरीक्षण करवाने की मांग की है। प्रभावित खातेदारों ने बिना सहमति खातेदारी भूमि से निकाले जा रहे रास्ते की वैधानिक स्थिति स्पष्ट करने, फसल को हुए नुकसान का पंचनामा तैयार करवाने तथा नियमानुसार क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग की है। साथ ही यह भी जांच करने की मांग की गई है कि खातेदारी भूमि से रास्ता निकालने की अनुमति किसके आदेश से दी गई तथा राजस्व रिकॉर्ड में इसकी क्या स्थिति दर्ज है।

वहीं खान मालिकों का कहना है कि रास्ते का डायवर्जन किया गया है और रास्ते को सुचारू रूप से शुरू करने के लिए एनजीटी द्वारा जिला प्रशासन को आदेशित किया गया है। दूसरी ओर वन विभाग की ओर से अपनी भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश मीणा ने आरोप लगाया कि खान मालिकों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रशासन किस हद तक जा सकता है, इसकी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह प्रकरण पूर्व में भी एनजीटी तक पहुंच चुका है और ग्रामीणों के साथ हुई घटना को लेकर वे दोबारा एनजीटी का रुख करेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कानूनी प्रयास किया जाएगा।

ग्रामीणों ने मांग की है कि भूमि एवं रास्ते की वास्तविक वैधानिक स्थिति स्पष्ट होने तक विवादित मार्ग से खनन वाहनों का आवागमन रोका जाए तथा किसी भी प्रकार के दबाव, धमकी या जबरदस्ती की शिकायत मिलने पर निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

अन्ता एसडीएम के विरुद्ध रिश्वत मांगने का मुकदमा दर्ज

कोटा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा ने अंता के उपखण्ड अधिकारी हवाई सिंह यादव के विरूद्ध रिश्वत मांगने का मुकदमा दर्ज किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि एसीबी कोटा को परिवादी द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई।

परिवादी ने शिकायत में कहा कि उसकी प्लानिंग की भूमि पर पूर्व उपखण्ड अधिकारी द्वारा लगाई गई आपत्ति को हटाने की एवज में वर्तमान उपखण्ड अधिकारी अन्ता जिला बारां हवाई सिंह यादव द्वारा पांच लाख रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। इसके अतिरिक्त, एक अन्य प्लानिंग की भूमि के एग्रीमेन्ट पर लगे स्टे को हटाने की एवज में भी एसडीएम द्वारा 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग किए जाने की शिकायत की गई। एसीबी, कोटा इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शिकायत का नियमानुसार गोपनीय सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान आरोपी हवाई सिंह यादव, उपखण्ड अधिकारी, अन्ता द्वारा परिवादी की प्लानिंग की भूमि के एग्रीमेन्ट पर लगे स्टे को हटाने की एवज में 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग किया जाना पाया गया। परिवादी द्वारा रिश्वत राशि कम करने का अनुरोध किए जाने पर एसडीएम द्वारा 45 हजार रुपये लेने पर सहमति व्यक्त की गई तथा उक्त रिश्वत राशि अपने कथित दलाल को देने के लिए कहा गया। गोपनीय सत्यापन के पश्चात् आरोपी एसडीएम को प्रस्तावित ट्रैप कार्रवाई की भनक लग जाने के कारण रिश्वत राशि के लेन-देन की कार्रवाई नहीं हो सकी। सत्यापन के दौरान रिश्वत राशि की मांग किया जाना पाए जाने पर हवाई सिंह यादव, उपखण्ड अधिकारी, अन्ता, जिला बारां के विरुद्ध रिश्वत मांग का प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण का अनुसंधान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसीबी बारां द्वारा किया जाएगा। अनुसंधान के दौरान प्राप्त तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

111 किलो दूध से होगा राधारानी का पंचामृत अभिषेक

जयपुर।राधाष्टमी के अवसर पर शनिवार को शहर के राधा-कृष्ण मंदिरों में विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। वहीं जयपुर के आराध्य देव गोविंददेवजी मंदिर में राधाष्टमी का मुख्य उत्सव मनाया जाएगा।

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम जयपुर
(नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्रमांक : एफ ()/न.नि.ज./मा.न.जोन/2026/3267 दिनांक : 17.09.2026
सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर के द्वारा भूखण्ड संख्या 83 योजना सून्दर नगर, सोसायटी नेशनल गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर का पट्टा विलेख जिसका क्षेत्रफल 588.26 वर्गगज का श्रीमती सुनिता शर्मा पत्नि श्री बी.पी. शर्मा के नाम से दिनांक 15.03.2002 को जारी किया गया है। जयपुर विकास प्राधिकरण के पत्रांक 586 दिनांक 06.03. 2012 के द्वारा भू उपयोग उपान्तरण आवासीय से मिश्रित उपयोग (होटल) स्वीकृत किया गया है। मूल आवंटी श्रीमती सुनिता शर्मा पत्नि श्री बी.पी. शर्मा के द्वारा रजिस्टर्ड वसियत नामा दिनांक 19.11.2021 को श्री संदीप शर्मा पुत्र श्री बी.पी. शर्मा के हक में निष्पादित कि गई है। श्रीमती सुनिता शर्मा पत्नि श्री बी.पी. शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 31.12.2021 को हो गयी है। आवेदक एस.एस. इन्वेस्टमेन्ट्स अधिकृत सहभागी श्री संदीप शर्मा पुत्र श्री बी.पी. शर्मा के द्वारा दस्तावेजों, शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), रजिस्टर्ड पट्टा, मृत्यु प्रमाण-पत्र एवं रजिस्टर्ड वसियत नामा एवं अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति के आधार पर नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। नगर निगम जयपुर के द्वारा भूखण्ड संख्या 83 योजना सून्दर नगर, सोसायटी नेशनल गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर एस.एस. इन्वेस्टमेन्ट्स अधिकृत सहभागी श्री संदीप शर्मा पुत्र श्री बी.पी. शर्मा के पक्ष में किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम जयपुर

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय पिताजी **रामकिशोर जी बंदावला** का स्वर्गवास 17.09.2026 को हो गया है जिनकी तीय की बैठक 19.9.26 2 से 4 तक निजीनिवास-बॉस कॉलोनी गोनेर रोड़ चतरपुरा में रखी गई है।
शोकाकुल- श्री नारायण, भगवान सहाय, कैलाश चंद, शंकर, छोटीलाल (भाई), रामराय, बाबू, छाजू, भगवान, छाजू, कमलेश, बाबू, घनश्याम, मुरली मनोहर, श रामदयाल, गोविन्द, अरविन्द, कृष्ण (पुत्र), सत्यनारायण, आयुष, गौरव, चन्द्रमोहन, राजाराम, हिमांशु, अरविल, अंशु (पौत्र), जयकुमार (पड़पौत्र) एवं समस्त बंदावला परिवार चतरपुरा।
9782133310, 8290658878, 9660114145

नाम परिवर्तन

मैं, सुश्री फातमा खातून, पुत्री मोहम्मद सगीर आलम, निवासी ग्राम-बंडी, पोस्ट-मनियारा, बडी, गया, बिहार ने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपने पिता का नाम मो. सगीर आलम से बदलकर मोहम्मद सगीर आलम और अपनी मां का नाम बिलकिस से विलाकिश खातून कर लिया है।

मै मनेन्द्र सिंह (MANENDRA SINGH) पुत्र श्री गोविन्द सिंह निवासी- 9, सिनसिनवार हाउस, बछैना, पोस्ट खोहरा, बयाना, भरतपुर, राजस्थान ने अपना नाम बदलकर नया नाम मनेन्द्र सिंह फौजदार (MANENDRA SINGH FAUJDAR) रख लिया है, भविष्य में मुझे नए नाम से जाना व पहचाना जाए।

मैने अपना नाम हितेश अशोक ठाकुरवानी से बदलकर हितेश ठाकुरवानी कर लिया है। भविष्य में मुझे हितेश ठाकुरवानी के नाम से जाना जावे। निवासी फ्लैट नं.101डी-222, भास्कर मार्ग, सुखसागर अपार्टमेंट, बनीपार्क, जयपुर, राजस्थान-302016

I have changed my name from Dalchand to Dalchand Verma for all purpose in future. R/o 18, katewa Nagar, New Sanganer Road, Jaipur-302019

I have changed my name from Narendra Singh to Narendra Singh Shekhawat S/o Indra Singh Shekhawat R/o Plot No 59A, Bhagwan Nagar 8, Sikar Road, Harmada, Jaipur. For all purpose.

खोया पाया

मेरे प्लाट नं. 19-ए मेहराज कॉलोनी नाई की थडी रामगढ रोड जयपुर का मूल पट्टा नक्शा, रसीदें व अन्य कागजात जो अचरोल गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर के द्वारा जारी थे रामगेट बाजार में कहीं खो गये मिलने पर सूचित करें। मोहम्मद फारूक, मो. 9351460187

मेरे भूखंड सं. डी-6/338 जे.डी.ए. की योजना चित्रकूट जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र और नाम हस्तांतरण पत्र कही गुम हो गया है मिलने पर सूचित करे- विजय मुंधरा मो.6377718094

आम सूचना सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी माताजी रेखा देवी धर्मपत्नी श्री हनुमान सहाय के नाम प्लाट नं.34, संतांकुंज भांकरोटा जयपुर में है। जो 105 वर्गगज का है जिसके मूल दस्तावेज हम से खो गये है जिसकी FIR LR No: 3282039/2026 Date: 15/09/2026 भी करवा दी गई। अगर किसी व्यक्ति को मिले तो मुझे सूचित करें अन्यथा मेरे द्वारा जारी करने वाली सोसाइटी बाबा आर एन गौड़ गृह निर्माण सहकारी समिति को डुप्लीकेट पट्टा जारी करने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया है सूचित रहे अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो मुझे या सोसाइटी को 7 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करे !
अजय वर्मा पुत्र रेखा देवी, मो. 9828114445

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'सीमांत क्षेत्रों तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता'

मुख्य सचिव ने 50करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि शत-प्रतिशत अर्जित करने के निर्देश दिए

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में 18वीं स्टेट ब्रॉडबैंड कमेटी की बैठक आयोजित हुई।

जयपुर। शासन सचिवालय में शुक्रवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में18वीं स्टेट ब्रॉडबैंड कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेशभर में डिजिटल बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण,केंद्र सरकार की पूंजीगत निवेश विशेष सहायता योजना2026-27के तहत किए जाने वाले सुधारों,दूरसंचार राइट ऑफ वे नियम-2024के क्रियान्वयन एवं4सेचुरेशन परियोजना की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के दूरदराज,जनजातीय एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांवों (वाइब्रेंट विलेज) तक डिजिटल सेवाओं व निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी की पहुंच सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी के अभाव में आमजन को सरकारी योजनाओं व डिजिटल सेवाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने निर्देश दिए कि1जनवरी2025से प्रभावी नए आर ओ डब्लू नियमों को राज्य के सभी नगरीय निकायों,निगमों व सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा 30 सितंबर तक अनिवार्य रूप से अंगीकृत किया जाए। बैठक में बताया गया कि 7 प्रमुख विभाग पहले ही राज्य आर ओ डब्लू पोर्टल से जुड़ चुके हैं तथा शेष संस्थाओं का एकीकरण भी शीघ्र पूर्ण किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ऑफलाइन आवेदनों की व्यवस्था पूर्णतः समाप्त कर सभी प्रक्रियाएं स्टेट आर ओ डब्लू पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी ढंग से संचालित हों।बैठक के दौरान बताया गया कि वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग की विशेष सहायता योजना के तहत31मार्च2026तक के सभी बकाया आर ओ डब्लू आवेदनों का शत-प्रतिशत निस्तारण किया जा चुका है। मुख्य सचिव ने आर ओ डब्लू अनुमतियों के औसत निस्तारण समय को 45 दिन से कम (वर्तमान औसत लगभग 32 दिन) बनाए रखने पर संतोष व्यक्त किया तथा शेष औपचारिकताओं यथा संशोधित भारतनेट परियोजना एडेंडम का निष्पादन एवं ऊर्जा विभाग द्वारा कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म व समेकित बिलिंग व्यवस्था को समयबद्ध रूप से लागू करने के निर्देश दिए,ताकि राज्य को 150 करोड़ रुपए की संपूर्ण प्रोत्साहन राशि प्राप्त हो सके।

वहां जिला कलेक्टर व्यक्तिगत रुचि लेकर इसका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जिलों (बाड़मेर,श्रीगंगानगर आदि) के अनकवर्ड गांवों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर नेटवर्क से जोड़ा जाए।

बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के शासन सचिव रवि कुमार सुरपुर, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता, दूरसंचार विभाग के प्रतिनिधि, ऊर्जा, पंचायती राज विभाग, जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड, राजस्थान पर्यटन विकास निगम, राजस्थान आवासन मंडल, राजस्थान परिवहन विभाग, राजस्थान पुलिस इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड व राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे,जबकि सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

हाईकोर्ट ने लंबित राजस्व मुकदमों के शीघ्र निस्तारण नहीं होने पर चिंता जाहिर की

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने सालों से लंबित राजस्व मुकदमों के शीघ्र निस्तारण नहीं होने पर चिंता जाहिर की है। अदालत ने कहा कि अब समय आ गया है कि पक्षकारों की उस पुरानी मानसिकता को बदला जाए कि केस दादा-दादी दायर करते हैं और उसका निस्तारण उनके पोता-पोती के समय में हो। ऐसी स्थिति में एक पक्षकार विवाद का निर्णय हुए बिना ही हार का अनुभव करता है।

इसके साथ ही अदालत ने मुख्य सचिव को कहा है कि मंडल मुख्यालयों पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की अध्यक्षता में एक बकाया समीक्षा समिति का गठन करें। यह कमेटी हर तीन माह में बैठक आयोजित कर राजस्व अदालतों के पुराने लंबित मुकदमों की निगरानी करे। इसके साथ ही मुख्य सचिव छह माह में अदालत में पालना रिपोर्ट पेश कर पुराने लंबित

> ■ दादा का दायर मुकदमा पोता देखे की मानसिकता में बदलाव की जरूरत, राजस्व मुकदमों का करें त्वरित निस्तारण - हाईकोर्ट

मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए उठाए कदमों की जानकारी दें। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश लक्ष्मीनारायण की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने समस्त राजस्व अदालतों को निर्देश दिए हैं कि वे दस साल से ज्यादा पुराने मुकदमों को सबसे पुराने मुकदमों की श्रेणी में लेकर उन्हें तुरंत तय करे। इन मुकदमों की फाइलों के पहचान के लिए उन्हें लाल कवर में रखा जाए।

वहीं पीठासीन अधिकारी इनकी ऑर्डर शीट स्वयं लिखे। अदालत ने कहा कि पीठासीन अधिकारी हर माह लंबित मुकदमों के आंकडे कलेक्टर को भेजे और वे उसे बकाया समिति को फॉरवर्ड करें। अदालत ने याचिकाकर्ता से जुडे दो दशक पुराने मुकदमे के छह माह में निस्तारण के लिए अलवर के रेणी एसडीओ को निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि यह अत्यंत चौंकाने वाला है कि मामलों को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया, लेकिन उसे सालों तक तय नहीं किया गया। अदालत ने राजस्व मंडल को निर्देश दिए हैं कि वह उपखंड अधिकारियों व आरएए के समक्ष वर्षवार लंबित अपीलों की जानकारी अदालत में पेश करें।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में राजस्व मंडल के रजिस्ट्रार महावीर प्रसाद अदालत में पेश हुए

अवैध शराब बेचते आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। निकाय चुनाव-2026 के दौरान लागू आदर्श आचार संहिता की पालना को लेकर सांगानेर सदर थाना पुलिस ने अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से अवैध देशी शराब के कुल 124 पव्वे बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि निर्वाचन आयोग की ओर से अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की बिक्री और तस्करी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

आम-सूचना "सीमा अग्रवाल पत्नी स्व0 श्री राधेश्याम अग्रवाल ने मेरी अभिभाष्या फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि0, जयपुर की योजना गोविन्द वाटिका, हाथोज, कालवाड रोड, जयपुर के विनायक विहार-।।, सिराणी गणपतपुरा, जयपुर के भूखण्ड सं. 49 क्षेत्रफल 113.19 वर्गगज को स्वयं के नाम हस्तान्तरण हेतु प्रस्तुत किया। साथ ही मूल आवंटी राधेश्याम अग्रवाल का मृत्यु प्रमाण पत्र तथा भूखण्ड के मूल दस्तावेज की प्रतिलिपि व शपथ पत्र समिति कार्यालय में प्रस्तुत किये तथा उक्त भूखण्ड को अपने नाम विधिक वारिस होने की हैसियत से हस्तान्तरण हेतु समिति से कहा गया। यदि उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय में या मेरे कार्यालय में उक्त सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि मे सम्पर्क करे, अन्यथा समिति द्वारा उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण सीमा अग्रवाल के नाम जारी कर दिया जायेगा, बाद मियाद गुजरने के कोई उठा मान्य नही होगा।
(हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट, मोबाईल नं. 9314511091

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:3794 जाहिर आम-सूचना दिनांक:14.09.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/ फ्लैट संख्या 194/261 (LIG) का आवंटन कु. रुचिका गुप्ता पुत्र श्री मक्खन लाल गुप्ता को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1147 दिनांक 10.03.2005 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 3802/6263 दिनांक 31.03.2013 के द्वारा श्रीमती मधु धीर पत्नी श्री अनुप कुमार धीर के पक्ष में किया गया। उनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 07.05.2013 को कर दिया गया। श्रीमती मधु धीर के द्वारा उक्त आवास / फ्लैट को श्रीमती आकांक्षा धीर पत्नी श्री पंकज, पुत्री श्री अनुप कुमार धीर को दिनांक 25.11.2022 को बख्शीश कर पंजीकृत बख्शीशनामा उप पंजीयक - अष्टम्, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती आकांक्षा धीर पत्नी श्री पंकज, पुत्री श्री अनुप कुमार धीर द्वारा आवासन मण्डल में पंजीकृत बख्शीशनामा के आधार पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्रीमती आकांक्षा धीर पत्नी श्री पंकज, पुत्री श्री अनुप कुमार धीर का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय,
सम्पदा प्रबन्धक, वृत-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

रेलवे में स्थाई नौकरी दिलाने के नाम पर 2 लाख रुपये ठगे

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना क्षेत्र में रेलवे में नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़ित को पहले संविदा पर नौकरी का झांसा दिया और स्थाई नौकरी दिलाने का वादा कर 2 लाख रुपये ऐंठ लिए। जब पीड़ित ने अपने रुपये वापस मांगे, तो आरोपी ने गुंडों से उसकी पिटाई करवा दी। पीड़ित संजय नाथ ने जवाहर सर्किल थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। रिपोर्ट में पीड़ित ने बताया कि आरोपी ईश्वर चंद टांक ने उसे रेलवे में संविदा पर नौकरी दिलाने का झांसा दिया और स्थाई नौकरी लगवाने के नाम पर कुल 2 लाख रुपये ठग लिए। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब नौकरी नहीं लगी, तो संजय नाथ ने आरोपी ईश्वर चंद टांक से अपने रुपये वापस मांगे। इस पर आरोपी ने रुपये देने से इनकार कर दिया और पीड़ित को एक दर्जन बदमाशों को बुलाकर उसकी बेरहमी से पिटाई करवा दी।

भाजपा का दुपट्टा पहनने के बाद बदला बयान, निर्दलीय पार्षद रईस खान बोले-मैं कांग्रेस के साथ

जयपुर। नगर निकाय चुनाव के बाद जयपुर नगर निगम में बोर्ड गठन को लेकर चल रही सियासी जोड़तोड़ के बीच वार्ड 109 के निर्दलीय पार्षद मोहम्मद रईस खान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा की ओर से गुरुवार शाम रईस खान के पार्टी में शामिल होने की तस्वीरें जारी की गईं। इनमें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ उन्हें भाजपा का दुपट्टा पहनाते हुए नजर आए। भाजपा ने इसे पार्टी का कुनबा बढ़ने के रूप में प्रचारित किया। हालांकि देर रात रईस खान ने भाजपा में शामिल होने से इनकार कर दिया।

रईस खान ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि वह कांग्रेस विचारधारा से जुड़े हुए हैं और कांग्रेस के साथ ही रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने उन्हें शुभकामनाएं देने के लिए बुलाया था। इस दौरान भाजपा में शामिल होने का प्रस्ताव दिया गया, लेकिन उन्होंने पार्टी की सदस्यता नहीं ली। उनके मुताबिक

> ■ भाजपा का दावा- प्रदेशाध्यक्ष और मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद प्रशिक्षण शिविर में हुए शामिल, सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज

शिष्टाचार मुलाकात को भाजपा में शामिल होने के रूप में प्रचारित किया गया। हालांकि भाजपा नेताओं का कहना है कि घटनाक्रम इसके बाद भी जारी रहा। भाजपा नेताओं के अनुसार रईस खान ने शुक्रवार सुबह भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से दोबारा मुलाकात की। इसके बाद वह भाजपा के प्रशिक्षण शिविर में भी शामिल हुए। भाजपा नेताओं के इस दावे के बाद रईस खान के भाजपा के साथ होने को लेकर राजनीतिक चर्चाएं और तेज हो गई हैं।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय ADJ चाकसू जिला जयपुर
चम्पेश्वर विरूद्ध प्रभुनारायण
वाद बाबत 94/25
बनाम केसन्ता पत्नी कानजी पुत्री प्रभु नारायण जाति वैरवा ग्राम देवासी कोटखावदा जिला जयपुर .....ने आपके विरूद्ध..... के लिये वाद पंजीयत किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 22 माह 09 सन् 2026 को दिन में.... बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता हैं कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख 17 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत — अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश जयपुर महानगर प्रथम, चाकसू

पार्षदों को डराने-धमकाने के आरोप में कांग्रेस ने पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा

जयपुर। निकाय चुनाव के बाद जयपुर में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल को ज्ञापन सौंपकर चुनाव प्रक्रिया में पुलिस की निष्पक्ष भूमिका सुनिश्चित करने की मांग की। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पार्टी के कई नवनिर्वाचित पार्षदों को अलग-अलग स्थानों से पुलिस ने जबरन उठाया और उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है।

> ■ कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पार्टी के कई नवनिर्वाचित पार्षदों को अलग-अलग स्थानों से पुलिस ने जबरन उठाया और उन्हें डराया-धमकाया जा रहा

कांग्रेस ने पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल को ज्ञापन सौंपकर चुनाव प्रक्रिया में पुलिस की निष्पक्ष भूमिका सुनिश्चित करने की मांग की।

कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि पार्टी के बहुत से चुने हुए पार्षदों को पुलिस ने जबरन उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्षदों पर दबाव बनाया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि अजमेर, जोधपुर और बीकानेर में जिस तरह की स्थिति बनी, वैसी स्थिति यदि जयपुर में भी पैदा हुई तो कांग्रेस को सड़कों पर उतरना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे कानून-व्यवस्था बिगडती है तो इसकी जिम्मेदारी पुलिस की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान सुनील शर्मा के साथ आदर्श नगर विधायक रफीक खान, किशनपोल विधायक अमीन कागजी और बगरू की पूर्व विधायक गंगा देवी सहित कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस कमिश्नर से चुनाव प्रक्रिया के दौरान निष्पक्षता बनाए रखने तथा नवनिर्वाचित पार्षदों पर किसी प्रकार का दबाव नहीं बनाने की मांग की।

सुनील शर्मा ने आरोप लगाया कि निकाय चुनाव के दौरान कई स्थानों पर कांग्रेस के पक्ष में परिणाम आने के बावजूद ईवीएम नहीं दिखाई गई। उन्होंने दावा किया कि करीब 12 सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी जीत रहे थे, लेकिन वहां ईवीएम उपलब्ध नहीं कराई गई। जब प्रत्याशियों ने री-पोलिंग की मांग की तो उन्हें कथित तौर पर धक्के मारकर बाहर निकाल दिया गया।

शर्मा ने कहा कि ऐसा पहले कभी राजस्थान में ही नहीं, बल्कि देश में भी नहीं हुआ। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए पुलिस और प्रशासन से पूरे मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।

सुनील शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की निकाय चुनाव कमेटी जयपुर में महापौर पद के लिए प्रत्याशी उतारने की तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठकें चल रही हैं और इन बैठकों में महापौर पद के प्रत्याशी को लेकर निर्णय किया जाएगा।

नहीं बचेंगे पुरोहितजी कटला अग्निकांड के दोषी : सांसद मंजू शर्मा

जयपुर। पुरोहितजी का कटला में हुए अग्निकांड़ से आहत लोकसभा सांसद मंजू शर्मा ने शुक्रवार को यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा से मुलाकात कर घटना की निष्पक्ष जांच, लापरवाह अधिकारी और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की।

यूडीएच मंत्री खर्रा ने सांसद को जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने सांसद मंजू शर्मा को यह भरोसा दिया गया कि घटना की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए अग्निशमन व्यवस्था की कमियों को दूर करने और सिस्टम को अधिक प्रभावी बनाने पर काम किया जाएगा।

मंजू शर्मा ने मंत्री से इस बात पर जोर देते कहा कि परकोटे जैसे घने बाजारों में आग लगने की स्थिति में दमकल की पहुंच, हाइड्रेंट, पानी की उपलब्धता, भवनों की अग्निसुरक्षा, फायर एनओसी और आपातकालीन रास्तों की वास्तविक स्थिति नियमित रूप से जांची जाए। उन्होंने कांग्रेस के अशोक गहलोराज में तैयार किए गए 3.90

> ■ परकोटे की फ़ायरसेफ्टी व्यवस्था होगी और दुरुस्त- सांसद मंजू शर्मा
> ■ सांसद मंजू शर्मा ने यूडीएच मंत्री खर्रा के समक्ष उठाया मुद्दा

करोड़ के हाइड्रेंट सिस्टम की भी जांच की जाए। गौरतलब है कि अग्निकांड के बाद परकोटे में करीब 3.90 करोड़ रुपए की लागत से तैयार फायर हाइड्रेंट सिस्टम को लेकर भी सवाल उठे हैं। इस व्यवस्था में लगभग सात किलोमीटर लंबी पाइपलाइन, पानी की टंकियां और हाइड्रेंट प्वाइंट शामिल हैं। सिस्टम का उद्देश्य उन संकरी गलियों में आग बुझाने के लिए पानी उपलब्ध कराना था, जहां बड़े दमकल वाहन सीधे नहीं पहुंच सकते। मंजू शर्मा ने यूडीएच मंत्री से कहा कि किसी सुरक्षा व्यवस्था पर सार्वजनिक धन खर्च हुआ है तो उसकी स्थापना के साथ नियमित संचालन, रखरखाव और आपदा के समय उपयोगिता भी सुनिश्चित होना जरूरी है

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को ज्ञापन सौंपा

जयपुर। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जयपुर नगर निगम में ब्राह्मण समाज के जनप्रतिनिधि को महापौर पद पर चयनित करने के संबंध में समाज की जनभावनाओं, जनसांख्यिकीय योगदान और निष्ठावान राजनीतिक भागीदारी से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा।

मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द शर्मा ने बताया कि जयपुर महानगर क्षेत्र में ब्राह्मण समाज की एक विशाल और प्रभावशाली आबादी निवास करती है। शहर के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास में समाज की सदैव अग्रणी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज, विशेष रूप से अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज, पारंपरिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की नीतियों, राष्ट्रवादी विचारधारा और संगठनात्मक कार्यक्रमों में पूरी निष्ठा के साथ सक्रिय भूमिका निभाता रहा है।

न्यायालय महानगर मजिस्ट्रेट दक्षिण जयपुर महानगर प्रथम जयपुर
संदीप अग्रवाल व अन्य बनाम मैसर्स मामूज कैफे व अन्य
मु.नं.114/26
प्रतिनिधित्व वाद (नोटिस अन्तर्गत आदेश -1 नियम-8 सीपीसी)
वादीगण ने मैसर्स मामूज कैफे सुशील चन्द जोशी जरिये प्रोपराईटर मामूज कैफे, निवासी सी-43, डोली हाउस के पास, माहवीर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर के संदर्भ में वादीगण ने एक प्रतिनिधित्व वाद प्रस्तुत किया है जिस कारण सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी व्यक्ति उक्त वाद में पक्षकार बनना चाहता है तो वह पेशी 19/9/26 को प्रातः 10 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर पक्षकार के रूप में संयोजित हो सकते है भविष्य में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आदेश आज दिनांक 3/9/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की की मुद्रा से जारी किया गया है।
मोहर — प्रस्तुतकार न्यायालय महानगर मजिस्ट्रेट दक्षिण जयपुर महानगर प्रथम जयपुर

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल में कार्यशाला आयोजित

जयपुर। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे की ओर से पवित्रा-भारत के लिए वायु प्रदूषण प्रबंधन एवं हस्तक्षेप उपकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में वायु प्रदूषण के स्त्रोतों की पहचान, उत्सर्जन का आकलन तथा प्रदूषण नियंत्रण के विभिन्न उपायों के संभावित प्रभावों का वैज्ञानिक एवं आंकड़ा आधारित विश्लेषण करने के संबंध में अधिकारियों को तकनीकी जानकारी दी गई। इस अवसर पर राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंडल द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के किए जा रहे विभिन्न उपायों की जानकारी दी। इस अवसर पर आरएसपीसीबी के अधिकारियों ने कार्यशाला में पवित्रा की कार्यप्रणाली, आंकड़ा विश्लेषण एवं इसके व्यावहारिक उपयोग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों के साथ चर्चा की।

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि एक निर्णय-सहायक मंच है, जिसके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में प्रस्तावित नीतिगत एवं नियंत्रण उपायों के आधार पर उत्सर्जन में संभावित कमी तथा उसके परिणामस्वरूप वायु

> ■ पवित्रा सॉफ्टवेयर के माध्यम से वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक एवं डेटा आधारित निर्णयों को मिलेगा प्रोत्साहन

में सूक्ष्म कण पीएम-2.5 की सांद्रता में होने वाले बदलाव का आकलन किया जा सकता है। इससे वायु गुणवत्ता प्रबंधन से जुड़े निर्णयों के लिए वैज्ञानिक आधार उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है।

प्रस्तुति के दौरान विशेषीकृत बहु-प्रदूषक उत्सर्जन सूची-स्मॉग इंडिया, वायुमंडलीय परिवहन एवं रसायन विज्ञान आधारित मॉडल इनमैप-पवित्रा तथा आईएसआरएम-पवित्रा सहित के विभिन्न तकनीकी घटकों की जानकारी दी गई। बताया गया कि स्मॉग इंडिया के माध्यम से देशभर में विभिन्न प्रदूषकों के उत्सर्जन का विस्तृत आंकड़ा आधारित भौगोलिक विवरण उपलब्ध होता है, जिसे के माध्यम से वायुमंडलीय मॉडलिंग से जोड़कर विभिन्न हस्तक्षेपों के संभावित प्रभावों का आकलन किया जा सकता है।

कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने पुरोहित जी के कटले में आग से जली दुकानों का जायजा लिया

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को बड़ी चौपड़ स्थित पुरोहित जी के कटले में लगी भीषण आग की घटना के बाद घटनास्थल का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित व्यापारियों से मुलाकात कर घटनाक्रम

> ■ उन्होंने प्रभावित व्यापारियों से मुलाकात कर घटनाक्रम की जानकारी ली व उनकी समस्याओं को सुना

की जानकारी ली और उनकी समस्याओं को सुना। कटला व्यापार मंडल के राकेश गुप्ता ने घटनाक्रम की जानकारी दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने पीड़ित व्यापारियों को आश्वस्त किया कि नियमानुसार राज्य सरकार की ओर से उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान करवाई जाएगी। कानून मंत्री पटेल ने ऐसी दुःखद घटना पर राजनीति करने वालों को ऐसी

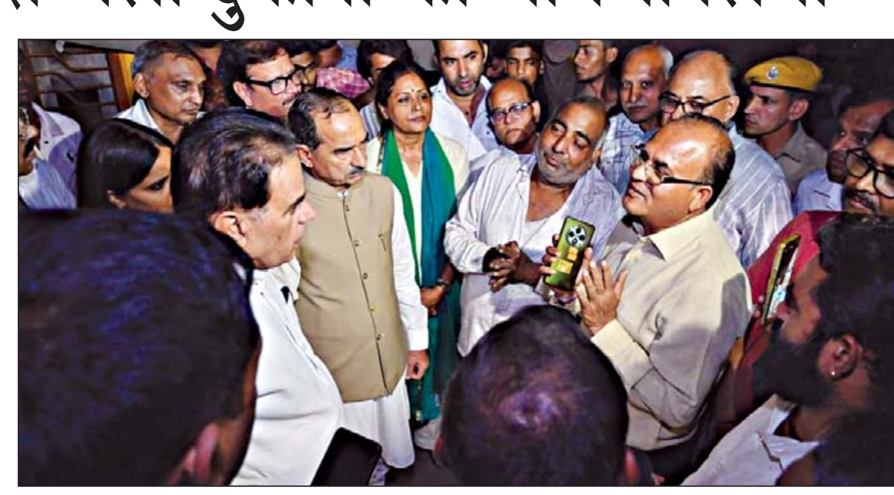

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को बड़ी चौपड़ स्थित पुरोहित जी के कटले में लगी भीषण आग की घटना के बाद घटनास्थल का जायजा लिया।

घटनाओं पर राजनीति करने की बजाए सुझाव देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आग की घटना अत्यंत दुखद है। इस घटना से व्यापारियों को हुए नुकसान को लेकर सरकार गंभीर है। उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम की जांच करवाई जाएगी, ताकि आगजनी के कारणों का पता लगाया जा सके और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आग से क्षितग्रस्त हुई दुकानों की चिंता करते हुए हुए इसकी भी जांच करवाने की बात की। इसके साथ ही बाजारों की विभिन्न समस्याओं हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं की जानकारी दी। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. अपूर्वा सिंह, एकता अग्रवाल, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा सहित व्यापार मंडलों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली) जयपुर द्वारा, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। **क्र स.:** 1, **एनआईटी संख्या:** ईएल-जेपी-68आर-II-2025-26, **कार्य का नाम:** JP Div-Electrical work in c/w Raising the level of PF No. 1 & 2 from Medium Level to High Level at Jhir (JHIR), Jatwara (JW), Kanauta (KUT), Bhankri (BAK) stations, Raising the level of PF No. 1 from Medium level to High level & PF No 2 from Rail Level to High Level at Arniya (ARNA) station and provision of FOB at Jhir (JHIR) & Jatwara (JW) stations. **अनुमानित लागत:** 6216338.47, **बयाना राशि:** 124300.00, **निविदा खोलने की तिथि:** 09/10/2026, **क्र स.:** 2, **एनआईटी संख्या:** ईएल-जेपी-09 आर-II-2026-27, **कार्य का नाम:** Electrical work in connection with Provision of additional PF Shelter at FL (Phulera, NSG-3) KSG (Kishangarh, NSG-3) KKU (Kanakpura, NSG-5), JOB (Asalpur jobner, NSG-5), NRI (Naraina, NSG-6), BOBS (Bobas, NSG-6), HDA (Hirnoda, NSG-6), DHND (Dhinda, HG-2), DTRA (Dantra, HG-3), SALI (HG-3), TL (Tilonia, HG-3) 11 stations. **अनुमानित लागत:** 9299561.86, **बयाना राशि:** 186000.00, **निविदा खोलने की तिथि:** 09/10/2026, **क्र स.:** 3, **एनआईटी संख्या:** ईएल-जेपी-20-2026-27, **कार्य का नाम:** JP Div-Provision of Emergency Lighting at platform/ passenger movement area at various stations over Jaipur division. **अनुमानित लागत:** 9676760.00, **बयाना राशि:** 193500.00, **निविदा खोलने की तिथि:** 09/10/2026, **क्र स.:** 4, **एनआईटी संख्या:** ईएल-जेपी-21-2026-27, **कार्य का नाम:** JP-Electrical work in connection with [1] Raising the level of PF to high level at BWL & HSI and extension of length of PF at BWL, HSI & GLNA stations. Provision of FOB at KVGM halt station, [2] Raising the level of PF to high level at PSL, MJNL, GAL & KNAR halt and extension of length of PF to 600 meters at BU, KNAR & SRRG stations. **अनुमानित लागत:** 6227617.46, **बयाना राशि:** 124600.00, **निविदा खोलने की तिथि:** 09/10/2026, **नोट:** ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय: निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक, ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय: निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे के बाद, सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: http://www.ireps.gov.in
1348-DO/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

व्हाइट फर्न्स की कोचिंग करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा और मैं इस टीम का नेतृत्व करने का अवसर मिलने के लिए बेहद आभारी हूं। मुझे पिछले चार वर्षों में हमने जो हासिल किया, उस पर बेहद गर्व है। -बेन सॉयर

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के कोच, चार साल बाद कार्यकाल समाप्त होने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सुनील कुमार

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम के कप्तान सुनील कुमार का मानना है कि एशियाई खेलों के लिए टीम की लंबे समय से तैयारी चल रही है। भारत की टीम अनुभवी खिलाड़ियों, स्थापित सितारों और युवा प्रतिभाओं के मिश्रण के साथ प्रतियोगिता में उतरेगी। सुनील ने बताया कि भारतीय खेल प्राधिकरण और कबड्डी महासंघ ने एशियाई खेलों से छह से आठ महीने पहले ही टीम का शिविर शुरू कर दिया था। इससे खिलाड़ियों को टीम संयोजन, रणनीति और व्यक्तिगत कौशल पर पर्याप्त समय तक काम करने का अवसर मिला। तैयारी बहुत अच्छी रही है, क्योंकि हमारे महासंघ और भारतीय खेल प्राधिकरण ने छह से आठ महीने पहले ही शिविर शुरू कर दिया था।

क्या आप जानते है : रोशन मिस्त्री भी एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं थीं, जब उन्होंने 1951 के एशियन गेम्स की 100 मीटर रेस स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया।

एशिया कप की दोनों ट्रॉफी भारत लाएगा बीसीसीआई : देवजीत सैकिया

नई दिल्ली, 18 सितम्बर । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय पुरुष और महिला टीमों द्वारा जीती गई एशिया कप की ट्रॉफियां एक दिन बीसीसीआई मुख्यालय पहुंचेंगी, हालांकि इसके लिए कोई समयसीमा नहीं बताई जा सकती। एशिया कप जीतने के बाद भारतीय पुरुष टीम और हाल में महिला टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। नकवी पाकिस्तान सरकार में गृह मंत्री भी हैं।

एशिया कप की ट्रॉफियां एक दिन यहां आ जाएंगी

भारतीय पुरुष टीम ने पिछले साल दुबई में पाकिस्तान को फाइनल में हराकर एशिया कप टी20 का खिताब जीता था, जबकि महिला टीम ने इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। सैकिया ने बीसीसीआई की 95वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद संवाददाताओं से कहा, ''एशिया कप की ट्रॉफियां हमें उम्मीद है कि एक दिन यहां आ जाएंगी। मैं कोई समयसीमा नहीं बताऊंगा लेकिन मैं आपको भरोसा दिला सकता हूं कि दोनों ट्रॉफियां वानखेड़े स्टेडियम स्थित बीसीसीआई कार्यालय में जरूर पहुंचेंगी।''

सैकिया ने यह भी कहा कि बोर्ड को भरोसा है कि भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतेगी। भारतीय टीम ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान को हराया। उन्होंने कहा, हमने पिछले सप्ताह दुबई में शानदार जीत दर्ज करने वाली अपनी महिला टीम को बधाई दी। उन्होंने जापान के खिलाफ पहला मुकाबला भी शानदार तरीके से जीता है और हमें उम्मीद है कि वे इस महीने की 22 तारीख को एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतेंगी। एशिया कप में जीत के लिए भारतीय महिला टीम को बधाई देते हुए सैकिया ने कहा था कि बीसीसीआई ट्रॉफी से जुड़े विवाद को टीम के एशियाई खेलों के अभियान में बाधा नहीं बनने देगा। सैकिया ने कहा, ''भारतीय महिला टीम ने वह काम किया है जो सबसे ज़्यादा मायने रखता है; उन्होंने मैदान पर शानदार प्रदर्शन करके एशिया कप जीता है। हमें और पूरे देश को टीम पर बहुत गर्व है और यह कामयाबी खिलाड़ियों और भारतीय क्रिकेट की है। अब हमारा ध्यान एशियाई खेलों पर है और हम इस चरण में इसकी तैयारियों से किसी भी तरह का ध्यान नहीं भटकने देंगे।''

सैकिया ने कहा था, ''मौजूदा हालात और देश की भावनाओं को देखते हुए, बीसीसीआई को लगा कि टीम के लिए प्रस्तावित तरीके से ट्रॉफी लेना सही नहीं होगा। यह एक मजबूत संस्थागत फैसला था, जो हमारे रुख को दर्शाता है, और इसका मकसद खिलाड़ियों, टूर्नामेंट या खेल का अपमान करना नहीं था।''

अजीत अगरकर के भविष्य पर कहा

क्रिकेट की दुनिया में 15 दिन काफी लंबा समय : सचिव

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के भविष्य को लेकर काफी चर्चा हो रही है। अगरकर ने बुधवार को नई दिल्ली में मौजूदा कार्यकाल की आखिरी चयन बैठक में हिस्सा लिया था। उनका कार्यकाल चार अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। ऐसे में बीसीसीआई उनके स्थान पर नए अध्यक्ष की तलाश कर सकता है। इस बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में अजीत अगरकर के भविष्य को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। कई रिपोर्ट में सामने आया है कि बोर्ड मुख्य चयनकर्ता के लिए नए चेहरे की तलाश कर रहा है। हालांकि सैकिया ने कहा है कि बोर्ड के पास अब भी अगरकर के भविष्य पर निर्णय लेने के लिए 15 दिन बचे हैं।

बीसीसीआई सचिव ने दिया बयान : सैकिया ने बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद बोर्ड मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''हमारे पास अभी 15 दिन बाकी हैं। क्रिकेट की दुनिया में 15 दिन काफी लंबा समय होता है। हम उचित समय पर फैसला करेंगे और आपको इसकी जानकारी देंगे। आज किसी व्यक्ति विशेष को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। अगरकर को 2023 में भारत का नया मुख्य चयनकर्ता बनाया गया था। जिसके बाद से वह तीन साल से ज्यादा समय तक इस पद पर हैं।

वनडे विश्व कप (2027) को ध्यान में रखते हुए फिटनेस और कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर अगरकर और बीसीसीआई के बीच मतभेद की खबरें सामने आती रही हैं। इंग्लैंड दौरे की समीक्षा बैठक में अगरकर की गैरमौजूदगी के बाद इन अटकलों को और बल मिला था।

चयनकर्ताओं के बारे में बाद में फैसला करेंगे : बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि सीनियर या जूनियर पुरुष चयन समितियों पर तत्काल कोई निर्णय नहीं लिया गया है। शुक्ला ने एजीएम के बाद संवाददाताओं से कहा, ''आज की बैठक अच्छी रही, सब कुछ ठीक रहा। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में उन्हीं लोगों को दोहराया गया है, अरुण धूमल और मैमन।'' शुक्ला ने कहा, चयनकर्ताओं (सीनियर और जूनियर दोनों पुरुष समितियों में) के संबंध में, एक प्राधिकरण ले लिया गया है और हम चयनकर्ताओं के बारे में बाद में फैसला करेंगे। यदि अगरकर को बरकरार नहीं रखा जाता है, तो बीसीसीआई उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करने और साक्षात्कार लेने से पहले सार्वजनिक विज्ञापन के माध्यम से आवेदन आमंत्रित करने की स्थापित प्रक्रिया का पालन करेगा। कई स्त्रोतों के अनुसार, भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल संभावित दावेदार के रूप में उभरे हैं। पटेल वर्तमान में आईपीएल में गुजरात टाइटंस के सहायक कोच हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कमेंटेटर के रूप में भी काम किया है।

बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में लिए गए 10 अहम फैसले

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में अरुण सिंह धूमल और एम खैरुल जमाल शामिल

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई की 95वीं सालाना आम बैठक शुक्रवार, 18 सितंबर, 2026 को मुंबई में बीसीसीआई के हेडक्वार्टर में संपन्न हुई। इस मीटिंग में आईपीएल की नई नियुक्तियों से लेकर शताब्दी वर्ष के आयोजन और अन्य वित्तीय मामलों में अहम फैसले लिए गए हैं।

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में ये दो नाम शामिल : बीसीसीआई द्वारा जारी की गई प्रेस रिलीज में बताया गया कि जनरल बॉडी के दो प्रतिनिधियों को आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में चुना गया है। इसमें पहला नाम अरुण सिंह धूमिल का है, वहीं दूसरा नाम एम खैरूल जमाल मजूमदार का है। ये दोनों अब आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य होंगे।

सालाना बजट को मंजूरी : जनरल बॉडी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बीसीसीआई के ऑडिट किए गए अकाउंट्स स्टेटमेंट को मंज़ूरी दी है। साथ ही जनरल बॉडी ने वित्त वर्ष 2026-27 के सालाना बजट को मंजूरी दी। 2026-27 के लिए ऑडिटर नियुक्त किए गए हैं। जनरल बॉडी ने सर्वसम्मति से 2027 में होने वाले आईपीएल के 20वें एडिशन को भव्य तरीके से आयोजित और सेलिब्रेट करने का फैसला किया है।

शताब्दी वर्ष को धूमधाम से मनाने की तैयारी : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की वार्षिक आम बैठक में बीसीसीआई के शताब्दी वर्ष को धूमधाम से मनाने की तैयारी भी शुरू करने की बात कही गई है और इसे मंजूरी दी गई है। प्रेस रिलीज में बताया गया कि ''जनरल बॉडी ने 2028 में बीसीसीआई के शताब्दी समारोह (100 साल पूरे होने का जश्न) की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह शताब्दी समारोह साल भर चलने वाले प्रोग्राम के ज़रिए मनाया जाएगा, जो दिसंबर 2027 में शुरू होकर 2028 तक चलेगा और भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक अहम पड़ाव होगा।''

अन्य अहम फैसले : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने चार अन्य अहम विषयों पर ध्यान केंद्रित किया है। जनरल बॉडी ने अंपायरों और मैच रेफरी के लिए बढ़ी हुई पेमेंट स्ट्रक्चर और ग्रेड के री-क्लासिफिकेशन को सर्वसम्मति से मंज़ूरी दी है। साथ ही बीसीसीआई की यौन उत्पीड़न रोकथाम नीति के तहत बीसीसीआई की नई इंटरनल कमिटी बनाई गई है। इस मीटिंग की खास बात यह रही कि इसमें बीसीसीआई की 'उम्र सत्यापन नीति' को अपडेट किया गया है इसके बाद अपनाया गया है। जनरल बॉडी ने स्टेट यूनिट्स के साथ मिलकर दिव्यांग क्रिकेटरों की मदद के उपायों पर चर्चा की, जिसमें उनके विकास और तरक्की को बढ़ावा देने के लिए ज़रूरी सुविधाएं और संसाधन शामिल हैं।

बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में लिए गए प्रमुख फैसले इस प्रकार हैं-

जनरल बॉडी के इन दो प्रतिनिधियों को आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल में चुना और शामिल किया गया।

1. अरुण सिंह धूमल; और एम खैरुल जमाल मजूमदार।
2. जनरल बॉडी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बीसीसीआई के ऑडिट किए गए अकाउंट्स स्टेटमेंट को मंज़ूरी दी।
3. जनरल बॉडी ने वित्त वर्ष 2026-27 के सालाना बजट को मंज़ूरी दी।
4. वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ऑडिटर नियुक्त किए गए।
5. जनरल बॉडी ने सर्वसम्मति से 2027 में होने वाले आईपीएल के 20वें एडिशन को भव्य तरीके से मनाने का फैसला किया।
6. जनरल बॉडी ने 2028 में बीसीसीआई के शताब्दी समारोह (100 साल पूरे होने का जश्न) की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह शताब्दी समारोह साल भर चलने वाले प्रोग्राम के ज़रिए मनाया जाएगा, जो दिसंबर 2027 में शुरू होकर 2028 तक चलेगा और भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक अहम पड़ाव होगा।
7. जनरल बॉडी ने अंपायरों और मैच रेफरी के लिए बढ़ी हुई पेमेंट स्ट्रक्चर और ग्रेड के री-क्लासिफिकेशन को सर्वसम्मति से मंज़ूरी दी।
8. बीसीसीआई की यौन उत्पीड़न रोकथाम नीति के तहत बीसीसीआई की नई इंटरनल कमिटी बनाई गई।
9. बीसीसीआई की उम्र सत्यापन नीति को अपडेट करके अपनाया गया।
10. जनरल बॉडी ने स्टेट यूनिट्स के साथ मिलकर दिव्यांग क्रिकेटरों की मदद के उपायों पर चर्चा की, जिसमें उनके विकास और तरक्की को बढ़ावा देने के लिए ज़रूरी सुविधाएं और संसाधन शामिल हैं।

हार्दिक पांड्या अभी 10 ओवर नहीं फेंक सकते: गौतम गंभीर

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। गुरुवार को अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ टी-20 सीरीज़ में 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद, भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने नीतीश कुमार रेड्डी के सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर के तौर पर विकास का समर्थन किया और कहा कि हार्दिक पांड्या को इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी से पहले मैच खेलने की ज़रूरत होगी। भारत ने नई दिल्ली में खेले गए तीसरे और आखिरी मैच में 127 रनों की शानदार जीत के साथ अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ टी-20 सीरीज़ में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

उन्होंने आगे कहा कि भारत शायद नीतीश और हार्दिक दोनों को एक ही प्लेइंग में खिला सकता है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि पांड्या अभी 10 ओवर नहीं डाल सकते और आईपीएल के बाद से उन्होंने ज़्यादा क्रिकेट नहीं खेला है। गंभीर ने कहा कि कभी-कभी हम उन दोनों को प्लेइंग 11 में खिला सकते हैं। लेकिन अभी हार्दिक 10 ओवर नहीं डाल सकते और आईपीएल के बाद से उन्होंने ज़्यादा क्रिकेट नहीं खेला है, इसलिए हम उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में जल्दी नहीं उतारना चाहते क्योंकि इंटरनेशनल क्रिकेट शरीर के लिए बहुत मुश्किल हो सकता है। इसलिए अगर वह इंडिया ए सीरीज़ खेलते हैं, तो ज़ाहिर है कि उन्हें खेलने का मौका भी मिलेगा।

आईसीसी के नए उपाध्यक्ष बने तवेंग्वा मुकुहलानी

नई दिल्ली, 18 सितम्बर । आईसीसी ने जिम्बाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष तवेंग्वा मुकुहलानी को अपना नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। आईसीसी बोर्ड ने उन्हें नवंबर 2027 तक इस पद की जिम्मेदारी सौंपी है। मुकुहलानी इससे पहले आईसीसी बोर्ड में जिम्बाब्वे क्रिकेट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने इमरान ख्वाजा की जगह ली है, जिनके बोर्ड से बाहर होने के बाद उपाध्यक्ष का पद खाली हुआ था। मौजूद जानकारी के अनुसार, तवेंग्वा मुकुहलानी क्रिकेट प्रशासन में लंबे समय से सक्रिय हैं और जिम्बाब्वे क्रिकेट के नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। आईसीसी से जुड़ी कई अहम समितियों में भी उनकी भूमिका है। वह वित्त और वाणिज्यिक मामलों की समिति तथा नामांकन समिति के सदस्य हैं, जबकि मानव संसाधन और वेतन से जुड़ी समिति की अध्यक्षता भी करते हैं।

मुकुहलानी की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब अफ्रीकी क्रिकेट के लिए आने वाले कुछ साल बेहद अहम माने जा रहे हैं। जिम्बाब्वे 2027 के पुरुष क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर करने वाला है। ऐसे में आईसीसी के उपाध्यक्ष के रूप में मुकुहलानी के सामने अपने क्षेत्र के क्रिकेट के विकास से जुड़ी कई अहम जिम्मेदारियां भी रहेंगी।

गौरतलब है कि 2027 का विश्व कप 24 साल बाद अफ्रीका में वापसी करेगा। इससे पहले 2003 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने मिलकर विश्व कप की मेजबानी की थी। इस बार भी अफ्रीकी देशों को क्रिकेट के सबसे बड़े आयोजनों में से एक की मेजबानी मिलने से महाद्वीप मेंखेलके विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के सामने टूर्नामेंट के आयोजन के साथ-साथ क्रिकेट को नए दर्शकों और खिलाड़ियों तक पहुंचाने की चुनौती भी रहेगी।

आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने तवेंग्वा मुकुहलानी को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुकुहलानी का क्रिकेट प्रशासन का अनुभव, वैश्विक खेल की समझ और क्रिकेट के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आईसीसी बोर्ड के लिए उपयोगी साबित होगी। जय शाह ने यह भी कहा कि मुकुहलानी को उनके साथी निदेशकों का भरोसा मिला है और वह उनके साथ मिलकर क्रिकेट को और मजबूत करने की दिशा में काम करने को लेकर उत्साहित हैं।

एशियाई खेलः मनु भाकर और तजिंदरपाल सिंह तूर होंगे उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक

नई दिल्ली, 18 सितंबर। जापान के आइची-नागोया में शनिवार को होने वाले एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में निशानेबाज मनु भाकर और गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर भारत के ध्वजवाहक होंगे। एशियाई खेलों के 20वें संस्करण में 500 से अधिक भारतीय खिलाड़ी 37 खेलों में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का समापन 4 अक्टूबर को होगा। भारत के शेफ-डी-मिशन सहदेव यादव ने एक बयान में कहा, मनु भाकर ध्वजवाहकों में से एक होंगी। इसके बाद भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने तजिंदरपाल सिंह तूर को दूसरा ध्वजवाहक बनाए जाने की पुष्टि की। 24 वर्षीय मनु भाकर दो बार की ओलंपिक पदक विजेता हैं। वह जापान में 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी।

31 वर्षीय तजिंदरपाल सिंह तूर एशियाई खेलों में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। उन्होंने 2018 जकार्ता और 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में गोला फेंक में स्वर्ण पदक जीता था।

राज्य स्तरीय अंडर 16 प्रतियोगिता : श्रीगंगानगर जीती

जयपुर, 18 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 एक दिवसीय क्रिकेटप्रतियोगिता के आज खेले गए मैच का परिणाम :- श्रीगंगानगर - प्रतापगढ़ मैच (श्रीगंगानगर जीती), (45 ओवर मैच), प्रतापगढ़ पारी 152 आल आउट, टीम के लिए आर्यन पंवार 39, अरिंजय बाफना 34, कौशांक जोशी 19 रन, श्रीगंगानगर के गेंदबाज भव्यजीत सिहाग 28 / 4, गुरताजसिंह 17 / 2 व नवजोत सिंह 24/2 विकेट श्रीगंगानगर पारी 153 / 0, टीम के लिए सुशांत बसनेटनाबाद 75 व हर्षअरोरा नाबाद 68 रन।

लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी 209 रन से विजेता

जयपुर, 18 सितम्बर। यति क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित प्रथम अंडर -14 श्याम कप में खेले गये मैच मे लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी और अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्सटजेन के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्सटजेन ने पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया ।

लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 261/9 40.0 ओवर मे रन बनाये। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी की ओर से प्रवीण सैनी ने 62 रन, आदित्य यादव ने 19 रन ओर अलेश ने 19 रन बनाये। अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्सटजेन की ओर से गेदबाजी करते हुए वंश प्रताप ने 35 रन देकर 2 विकेट, मोहम्मद मोइन ने 38 रन देकर 2 विकट और दिपेश कुशवाहा ने 39 रन देकर के 2 विकेट लिया। अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्सटजेन ने बल्लेबाजी करते हुए 52/10 23.0 ओवर मे ऑल आउट हो गई। अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्सटजेन कि ओर से अनस अजहर ने 26 रन ओर दिपेश कुशवाहा ने 5 रन बनाये। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी ने गेदबाजी करते हुए दिशांत सैनी ने 12 रन देकर के 5 विकेट, गर्वित कौशिक ने 5 रन देकर के 2 विकेट और हेमंत सैनी ने 9 रन देकर के 2 विकेट लिया। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी 209 रन से विजेता हुई।

टीम जयपुर 9-4 के स्कोर से बनी एफएचटीआर पोलो कप की विजेता

फ्लडलाइट्स में खेला गया एग्जीबिशन मैच

जयपुर, 18 सितंबर। राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) 2026 के हिस्से के रूप में वार्षिक सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर एफएचटीआर (फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान) पोलो कप एग्जीबिशन मैच का आयोजन हुआ। फ्लडलाइट्स में खेले गए इस विशेष मुकाबले में टीम जयपुर और टीम जयगढ़ आमने-सामने रहीं। टीम जयपुर ने इस रोमांचक मुकाबले में टीम जयगढ़ को 9-4 के स्कोर से शिकस्त देते हुए एफएचटीआर कप अपने नाम किया।

विजेता टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 7 गोल हासिल किए और टीम को विजयी बनाया। मयूरध्वज सिंह तालाबगांव ने 2 गोल किए। टीम से प्रताप सिंह कानोता और दिव्यमान सिंह दूजोद भी खेले। दूसरी ओर, टीम जयगढ़ से डीनो धनखड़ ने 3 गोल और कर्नल वी एस काहलों, वीएसएम ने 1 गोल किया। टीम में रणशय पुरोहित और कुलदीप सिंह राठौड़ शामिल रहे।

उल्लेखनीय है कि क्रेडाई की टूरिज्म विंग के सदस्य (रवि सूर्या अनंता और मंगलम ग्रुप) द्वारा एग्जीबिशन मैच में खेलने वाली दोनों टीमों जयपुर और जयगढ़ को प्रायोजित किया गया। मैच में होस्टेड बायर्स और आमंत्रित विशिष्ट अतिथियों ने हिस्सा लिया और नाईट पोलो के रोमांच का लुत्फ उठाया। इस आयोजन के माध्यम से पोलो, विशेष रूप से नाइट पोलो को ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच राजस्थान के पर्यटन आकर्षण के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इस विशेष नाइट पोलो मुकाबले के दौरान विभिन्न शहरों से आए प्रतिनिधियों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को राजस्थान की विशिष्ट खेल परंपराओं में से एक पोलो को करीब से देखने का अवसर मिला। आयोजन के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध पोलो विरासत को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने के साथ पोलो को राज्य की खेल और सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में रेखांकित किया गया।

क्विम्सी-अनस की जोड़ी कांस्य पदक मुकाबले में पहुंची

नागोया, 18 सितंबर । एशियाई खेलों में पदार्पण कर रहे टैकबॉल में भारत की क्विम्सी डिसूजा ने महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्विम्सी और अनस बेग की मिश्रित युगल जोड़ी भी कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंच गई है। मुकाबले जापान के नागोया सिटी हिगाशी स्पोर्ट्स सेंटर में खेले जा रहे हैं। 24 वर्षीय क्विम्सी ने ग्रुप बी के अपने पहले मुकाबले में जापान की यूइना सकामोटो को 43 मिनट में 2-1 से हराया। क्विम्सी ने पहला गेम 10-12 से गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम 12-11, 13-11 से जीत लिए। इसके बाद उन्होंने 24 मिनट में कोएम्येन डी को 2-0 से हराया। उन्होंने यह मुकाबला 12-9, 12-7 से अपने नाम किया। ग्रुप में शीर्ष पर रहने के कारण क्विम्सी को क्वार्टर फाइनल में बाई मिली।

एशियन खेल : भारतीय महिला टीम ने जापान को 8 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

निशिन (जापान), 18 सितंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन खेलों में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए शुक्रवार को जापान को 8 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां भारतीय टीम का समाना बांग्लादेश से होगा। रविवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान का मुक़ाबला श्रीलंका से होगा, और उसके बाद दोपहर में भारत का मुक़ाबला बांग्लादेश से होगा। जापान के खिलाफ मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जापान की टीम 19.5 ओवरों में केवल 57 रनों पर सिमट गई। जापान की तरफ से अयाका काटो-स्टैफ़ोर्ड ने 47 गेंदों पर सर्वाधिक 25 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने 2 चौके लगाए। स्टैफ़ोर्ड के अलावा हारुना इवासाकी ने 22 गेंदों पर 1 चौके की बदौलत 10 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी जापानी बल्लेबाज दहाई के स्कोर तक नहीं पहुंचा। जापान ने अपनी पूरी पारी में केवल तीन चौके लगाए। भारत की तरफ से श्री चरणी ने 4, शेफाली वर्मा ने 2, दीप्ति शर्मा और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लिए जबकि दो बल्लेबाज रन आउट हुईं। 58 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली वर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई और पहले ही ओवर में 4 चौके जड़ दिये। हालांकि दूसरे ओवर में नानोहा यासुमोटो ने जी.कमालिनी (00) को पवेलियन भेज भारत को पहला झटका दिया। उन्होंने दूसरे ओवर में कोई रन नहीं दिया और कमालिनी का विकेट लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आईं भारती फूलमाली भी कुछ खास नहीं कर सकीं और अयाका काटो-स्टैफ़ोर्ड का शिकार बनीं। भारती ने 6 रन बनाए। हालांकि दूसरी तरफ से शेफाली ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर भारतीय टीम को 8 विकेट से आसान जीत दिलाई। शेफाली ने 15 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाए। भारतीय टीम अब सेमीफाइनल में रविवार को बांग्लादेश से भिड़ेगी, जबकि इसी दिन पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना श्रीलंका से होगा।

बेणेश्वर धाम टापू बना, आसपुर में 8 इंच, डूंगरपुर में साढ़े चार इंच वर्षा

डूंगरपुर जिले के सभी नदी, तालाब और बाँध ओवर फ्लो हुए

डूंगरपुर, 18 सितम्बर। लम्बे अर्से के बाद, क्षेत्र में गत मध्यरात्रि से बारिश का दौर शुरु हुआ और भोर होते- होते तो बारिश ने तूफानी रुप धारण कर लिया। शहर की सड़कों पर पानी भर गया, कई दुकानों में भी पानी घुस गया। बारिश इतनी तेज थी कि जिले भर के नदी तालाब व बांध अपनी भराव क्षमता को पार कर छलक गये। साथ ही, शहर के पेयजल का प्रमुख स्त्रोत डिमिया बांध भी छलक गया। मारगिया बांध भी ओवरफ्लो हो गया और बहुत से लोग यह नज़ारा देखने वहां पहुंचे।

- डूंगरपुर शहर की दुकानों में पानी घुसा। आसपुर खेड़ा के धमेला बाँध में तीन फीट तथा पूँजपुर के पुजेला बाँध में एक फीट की चादर चली।

डूंगरपुर में गुरुवार आधी रात से शुरू हुआ बरसात का दौर सुबह तक जारी रहा। बारिश इतनी तेज थी कि जिले के कई नदी, तालाब व बांध ओवरफ्लो हो गये।

मारगिया बांध पर डेढ इंच की चादर चल रही है। जिले के दूसरे छोटे बड़े बांधों व तालाबों में भी पानी की आवक बढ़ी है। शुक्रवार सुबह के बाद भी हल्की और रिमझिम बरसात का दौर चल रहा था। आसमान में घने बादल छाए हुए हैं। गैंजी- सीएचसी के सामने रपट पर भी पानी बह रहा है। मौसम विभाग की ओर से शुक्रवार को डूंगरपुर में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

आसपुर क्षेत्र में 6 घंटे में सबसे ज्यादा 8 इंच बरसात रिकॉर्ड की गई। आसपुर और सोमकमला आम्बा बांध क्षेत्र में 8.8 इंच बरसात हुई है। वहीं गणेशपुर में 5 इंच, डूंगरपुर शहर में सवा 4 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। अन्य जगहों पर भी भारी बारिश हुई।

आसपुर खेड़ा में घमेला तालाब की तीन फिट चादर चलीं, सड़क मार्ग अवरूद्ध हो गया तथा पूंजपुर का पुंजेला बांध छलक गया और उस पर एक फीट चादर चली। सोम कमला आंबा बांध में 134 क्यूसेक पानी की आवक से कई तालाब ओवरफ्लो हुए।

आसपुर में गुरुवार रात करीब 3 बजे से मूसलाधार बारिश जारी रहने से बेणेश्वर धाम टापू बन चुका है। चारो तरफ पानी ही पानी नज़र आ रहा है।

भाजपा व चुनाव आयोग मिलकर विपक्षी दलों को कमजोर कर रहे हैं- राहुल

नई दिल्ली, 18 सितंबर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और चुनाव चिह्न पर रोक लगाने के चुनाव आयोग के फैसले की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर विपक्षी

- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने टीएमसी के नाम व चुनाव चिन्ह पर रोक के आदेश की आलोचना की।

दलों को कमज़ोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल ममता बनर्जी की नहीं बल्कि, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहने वाले प्रत्येक राजनीतिक दल और मतदाता की है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पहले शिवसेना, फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और अब तृणमूल कांग्रेस के साथ ऐसा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार एक ही पैटर्न दोहराया जाता है, जिसमें पहले पार्टी को तोड़ा जाता है और फिर उसका चुनाव चिह्न छीन लिया जाता है। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है, लेकिन वह उन ताकतों की मदद कर रहा है, जो जनता के फैसले को बदलना चाहती हैं।

ममता को ''फुटबॉल खिलाड़ी'' और बागी गुट को ''लिफाफा'' चुनाव चिन्ह मिला

चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस और बागी गुट को नया नाम और नया चुनाव चिन्ह आवंटित किया है

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितंबर। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस के दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए। इसके साथ ही ममता बनर्जी और अरूप रॉय के नेतृत्व वाले गुटों को 6 अक्टूबर को होने वाले बंगाल उपचुनावों में नई पहचान के साथ चुनाव लड़ने की अनुमति मिल गई है। वोटों की गिनती 9 अक्टूबर को होगी।

- बागी गुट, जिसका नेतृत्व अरूप रॉय कर रहे हैं, को ''डैमोक्रैटिक तृणमूल कांग्रेस'' नाम मिला है, वहीं ममता बनर्जी वाले गुट को ''ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस'' नाम मिला है।
- चुनाव आयोग ने दोनों गुटों को प.बंगाल, मेघालय व त्रिपुरा में पृथक-पृथक दलों के रूप में मान्यता दे दी है।
- प.बंगाल में 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनावों में दोनों गुट नए राजनैतिक नाम व नए चुनाव चिन्ह के साथ चुनाव लड़ेंगे।

अरूप रॉय के नेतृत्व वाले गुट को ''डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस'' नाम और ''लिफाफा'' चुनाव चिन्ह दिया गया है, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को ''ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस'' नाम और ''फुटबॉल खिलाड़ी'' चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है।

चुनाव आयोग ने शुक्रवार को जारी अपने आदेश में कहा कि दोनों गुटों को बंगाल, मेघालय और त्रिपुरा, इन तीन राज्यों में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल माना जाएगा।

यह फैसला चुनाव आयोग के गुरुवार के उस अंतरिम आदेश के बाद आया है, जिसके तहत पार्टी के नियंत्रण को लेकर चल रहे अंदरूनी विवाद के बीच, ''ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस'' नाम और ''फूल और घास'' चुनाव चिन्ह पर रोक लगा दी गई थी।

चुनाव आयोग ने कहा कि आगामी उपचुनावों, जिनमें 6 अक्टूबर को होने वाले नंदीग्राम और रेजीनगर के उपचुनाव भी शामिल हैं, में किसी भी गुट को पार्टी के मूल नाम या चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होगी।

नंदीग्राम उपचुनाव की जरूरत तब पड़ी, जब मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने यह सीट छोड़ दी और भवानीपुर सीट अपने पास रखने का फैसला किया। इसी साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने भवानीपुर सीट पर तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को हराया था।

रेजीनगर सीट ''आम जनता उन्नयन पार्टी'' (एजेयूपी) के संस्थापक हुमायूं कबीर के इस्तीफा देने के बाद खाली हुई। उन्होंने नोवदा सीट से भी जीत हासिल की थी।

नए आदेश में, इन चुनावों में दाखिल किए गए नामांकन पत्रों को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की गई है।

चुनाव आयोग ने कहा, ''रेजीनगर, नंदीग्राम और नागांव में दोनों गुटों द्वारा अधिकृत उम्मीदवारों को उनके, अपने नए आवंटित पार्टी नाम और चुनाव चिन्ह के तहत माना जाएगा, बशर्ते कि वे जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 36 के तहत जरूरी कानूनी शर्तें पूरी करते हों। यह आवंटन अस्थायी है और तब तक प्रभावी रहेगा, जब तक चुनाव आयोग अपना अंतिम आदेश जारी नहीं कर देता।''

यह विवाद पार्टी के संगठनात्मक अधिकार, राष्ट्रीय कार्यसमिति की वैधता और पदाधिकारियों की नियुक्ति को लेकर दोनों पक्षों के दावों पर केन्द्रित है।

अरूप रॉय के नेतृत्व वाले गुट ने ऋतब्रत बनर्जी से जुड़े समूह के समर्थन के साथ, मौजूदा राष्ट्रीय कार्यसमिति के बने रहने पर सवाल उठाया है। उसका कहना है कि राष्ट्रीय कार्यसमिति का कार्यकाल 11 फरवरी 2025 को समाप्त हो गया था।

ममता बनर्जी के गुट ने इस प्रक्रिया की वैधता को चुनौती दी है। उसका कहना है कि प्रतिद्वंद्वी गुट के दावे और पदाधिकारियों का चुनाव पार्टी के संविधान के खिलाफ है। सांसद डेरेक ओ'ब्रायन सहित, इस गुट की ओर से कहा गया है कि पार्टी संविधान में किए गए संशोधनों के जरिए, राष्ट्रीय कार्यसमिति और अन्य संगठनात्मक निकायों का कार्यकाल तीन साल से बढ़ाकर पांच साल कर दिया गया था।

प्रतिद्वंदी गुट ने इन संशोधनों की वैधता पर भी सवाल उठाया है।

दोनों गुटों को तीन-तीन पसंदीदा नाम, और ऐसे तीन चुनाव चिन्हों की सूची देने का निर्देश दिया गया था, जो किसी अन्य दल को आवंटित नहीं हैं।

प्र.मंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने कई घंटों तक चलने वाले कई चिंतन शिविर आयोजित किए थे। इनमें व्यक्तिगत कार्यक्षमता, योजनाओं को ध्यानपूर्वक लागू करने, मंत्रालयों के कामकाज, हितधारकों के साथ संपर्क, पार्टी के साथ समन्वय, प्रभावी प्रचार- प्रसार और संसदीय कार्यप्रणाली जैसे विषयों पर चर्चा हुई थी।

इन बैठकों के बाद, 77 मंत्रियों को आठ समूहों में बांटा गया था। इन समूहों को तकनीकी उपकरणों के इस्तेमाल, पेशेवर भर्ती के लिए पूल तैयार करने, जिलों की प्रोफाइल तैयार करने, सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों से फीडबैक लेने के लिए पोर्टल विकसित करने और शासन में व्यावहारिक सुधार जैसे कार्य सौंपे गए थे। उन सत्रों से लगातार समीक्षा और काम पूरा करने की संस्कृति को बढ़ावा मिला था।

जोधपुर हाईकोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ जांच चल रही थी और इस फर्म के मुख्य निदेशक विरेन्द्र कुमार गर्ग को हिरासत में भी लिया गया था।

चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ ममता बनर्जी सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं

उन्होंने कहा, उम्मीदारों से चुनाव चिन्ह जमा कराने के बाद आयोग का फैसला असंवैधानिक है

कोलकाता, 18 सितंबर। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। ममता बनर्जी ने आयोग के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसके तहत तृणमूल कांग्रेस के मूल नाम और चिह्न पर रोक लगाई गई है। शुक्रवार को आयोग ने छह अक्तूबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए ममता बनर्जी के गुट को फुटबॉल खिलाड़ी का चुनाव चिह्न आवंटित किया। इसके बाद ममता ने इस फैसले को अदालत में चुनौती देने का कदम उठाया।

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के फैसले को असंवैधानिक, गैरकानूनी, अलोकतांत्रिक और पूरी तरह पक्षपातपूर्ण बताया है। उन्होंने आयोग पर राजनीतिक दुर्भावना से काम करने का आरोप भी लगाया। ममता का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी थी, नामांकन दाखिल हो चुके थे और उम्मीदवार अपने चुनाव चिह्न जमा कर चुके थे। ऐसे समय में पार्टी के नाम और मूल चुनाव चिह्न को रोकने का फैसला क्यों लिया गया? अब उन्होंने इसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

- ममता बनर्जी ने कहा कि वो राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुकेंगी तथा लोकतांत्रिक व कानूनी तरीके से लड़ेंगीं।

ममता बनर्जी ने कहा कि वह पीछे नहीं हटेंगी और राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुकेंगी। उन्होंने कहा, ''हम हार नहीं मानेंगे। हम राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। हम यह लड़ाई लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से लड़ेंगे।'' ममता ने तृणमूल कांग्रेस के साथ अपने लंबे राजनीतिक जुड़ाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस को नहीं छोड़ सकतीं, क्योंकि यह वह पार्टी है जिसे उन्होंने 29 साल के संघर्ष, त्याग और राजनीतिक लड़ाइयों के बाद बनाया है।

'हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाईकोर्ट ने यथास्थिति आदेश को वापस लेते हुए प्रकरण को ड्यू कोर्स की श्रेणी में रख दिया था।

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लहजे में पूछा कि 16 सितंबर को घटना हुई और न आपने एफआईआर दर्ज की और न किसी की गिरफ्तारी की। कोर्ट ने कहा था कि "एनफ-इज-एनफ"। हम इस तरह के आपराधिक बर्ताव को सहन नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसी घटनाएं हर साल के छात्र संघ के चुनाव में होती हैं।

डॉक्टर की पर्ची की दवा अब सीसीटीवी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चिकित्सक द्वारा लिखी गई किसी भी दवा की बिक्री, थोक कारोबार के माध्यम से होने वाली बिक्री को छोड़कर, लाइसेंस प्राप्त परिसर में लगाए गए और वहां संचालित सीसीटीवी निगरानी तंत्र के तहत करनी होगी। सीसीटीवी व्यवस्था इस तरह संचालित रखनी होगी कि दवा की बिक्री की पुष्टि की जा सके। इसके बाद रिकॉर्डिंग को कम से कम तीन महीने तक सुरक्षित रखना होगा।

व्यावहारिक रूप से, इस प्रस्ताव से फार्मेसियों और अन्य लाइसेंस प्राप्त खुदरा दुकानों पर डॉक्टर की पर्ची वाली दवाएं दिए जाने का वीडियो रिकॉर्ड तैयार हो सकता है।

इससे नियामकों को यह जांचने में अधिक मदद मिल सकती है कि डॉक्टर की पर्ची वाली दवा वैध पर्ची के आधार पर दी गई थी या नहीं। साथ ही, नियमों के संभावित उल्लंघन की जांच में भी मदद मिल सकती है। थोक दवा विक्रेताओं को प्रस्तावित सीसीटीवी व्यवस्था से स्पष्ट रूप से बाहर रखा गया है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य डॉक्टर की पर्ची वाली दवाओं की बिना अनुमति बिक्री पर रोक लगाना है। इसमें ऐसी दवाएं भी शामिल हैं जिन्हें वैध पर्ची के बिना नहीं दिया जाना चाहिए। इसका मुख्य उद्देश्य दवा देने के समय जवाबदेही बढ़ाना है। नियामकीय नियमों के बावजूद डॉक्टर की पर्ची वाली कुछ दवाएं कभी-कभी सीधे दुकानों से खरीदी जाती हैं। इससे दवाओं के गलत इस्तेमाल, डॉक्टर की सलाह के बिना दवा लेने और ऐसे लोगों को दवा दिए जाने का खतरा पैदा हो जाता है, जिनके लिए वह उपयुक्त नहीं हो सकती। यह मुद्दा बच्चों के मामले में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सरकारी सूत्रों ने ऐसे मामलों की ओर इशारा किया है, जहां वयस्कों के लिए बनाई गई खांसी की दवाएं और अन्य दवाएं बच्चों को दे दी जाती हैं, जबकि उनकी दवा की संरचना, खुराक और सुरक्षा से जुड़ी जरूरतें अलग होती हैं। प्रस्तावित सीसीटीवी व्यवस्था से नियामकों को लेन-देन की पुष्टि करने और लाइसेंस प्राप्त खुदरा दुकानों पर नियमों के संभावित उल्लंघन की पहचान करने का एक अतिरिक्त तरीका मिल सकता है।

ममता के समर्थन के बाद कांग्रेस प्रत्याशी गिरफ्तार

केलकाता, 18 सितंबर। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में एक और बड़ा नाटकीय घटनाक्रम सामने आया है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई हत्या के एक पुराने मामले में की गई है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को ही ममता गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान ने अपना नामांकन वापस ले लिया था। इसके तुरंत बाद ममता बनर्जी ने प्रेसवार्ता कर नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन का एलान किया। इस बड़ी राजनीतिक घोषणा के कुछ ही समय बाद पुलिस ने मिलन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार एक पुराने हत्या के मामले में आरोपी हैं और उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। इसी वारंट के आधार पर शुक्रवार को उन्हें हिरासत में लिया गया।

बता दें कि शनिवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन है। नामांकन की समय सीमा समाप्त होने से ठीक पहले, मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी के गढ़ माने जाने वाले नंदीग्राम में विपक्षी उम्मीदवार की गिरफ्तारी से राजनीतिक गलियारों में भारी हड़कंप मच गया है। इस कार्रवाई पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मराठी फिल्म ''गोंधन'' ऑस्कर में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी

फिल्म फेडरैशन ऑफ इंडिया ने इस फिल्म को ऑस्कर 2027 में भारत की अधिकृत एंट्री के लिये चुना

नई दिल्ली, 18 सितंबर। ऑस्कर 2027 में भारत की तरफ से कौन-सी फिल्म दावेदारी पेश करेगी, इसका फैसला हो चुका है। मराठी सिनेमा के लिए एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने मराठी फिल्म 'गोंधल' को ऑस्कर 2027 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुना है। फिल्म का चयन होने के बाद अब यह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। अपनी कहानी और विषय को लेकर चर्चा में रही इस फिल्म से अब देशभर के सिनेमा प्रेमियों की उम्मीदें जुड़ गई हैं। ऑस्कर की रेस में भारत की ओर से 'गोंधल' का पहुंचना क्षेत्रीय सिनेमा की बढ़ ती ताकत और उसकी कहानियों की व्यापक स्वीकार्यता को भी दर्शाता है।अब यह फिल्म बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म श्रेणी में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

- ''गोंधन'' बेस्ट इन्टरनेशनल फीचर फिल्म श्रेणी में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। देश की विभिन्न भाषाओं की 33 फिल्मों ने ऑस्कर में जाने के लिये दावेदारी की थी।

खास बात यह है कि इस साल देश की अलग-अलग भाषाओं में बनी 33 फिल्मों ने ऑस्कर के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी। मराठी फिल्म 'गोंधल' की कहानी ग्रामीण महाराष्ट्र की पृष्ठभूमि में होने वाले पारंपरिक गोंधल अनुष्ठान के बीच आकार लेती है। फिल्म की मुख्य किरदार सुमन एक ऐसे विवाह में फंस जाती है, जिसमें उसे आर्थिक रूप से संपन्न आनंद से शादी करनी पड़ती है, जबकि उसका दिल गोंधली कलाकार साहेबा के लिए धड़कता है। इस रिश्ते से बाहर निकलने के लिए सुमन एक खतरनाक योजना बनाती है। वह आनंद के चचेरे भाई सरजेराव की उसके प्रति दीवानगी का फायदा उठाती है और उसे ऐसे अपराध की ओर धकेलती है, जिसे वह खुद अंजाम नहीं दे सकती। फिल्म में गोंधल की रातभर चलने वाली परंपरा, संगीत और धार्मिक अनुष्ठान कहानी को आगे बढ़ ाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

नेपाल ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2013 के तहत मंदिर क्षेत्र को संरक्षित स्मारक क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया है। संरक्षित स्मारक क्षेत्र घोषित होने के बाद अब मंदिर के आसपास भवन निर्माण समेत अन्य गतिविधियों पर निर्धारित मापदंड लागू होंगे।

नौसेना के जहाजों की टक्कर पर पाकिस्तान का आरोप बेबुनियाद

विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान नौसेना के जहाज ने गैर पेशेवर तरीके से व्यवहार किया था

नई दिल्ली, 18 सितंबर। भारत ने अरब सागर में भारतीय युद्धपोत और पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज के बीच हुई टक्कर को लेकर पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही, भारत ने पाकिस्तानी सैन्य इकाइयों से भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न होने की चेतावनी भी दी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पूरे घटनाक्रम पर पाकिस्तान की ओर से आए जवाब पर आज अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का जवाब हमने देखा है। पड़ोसी देश की टालमटोल करने की आदत रही है और हमें इसी तरह के जवाब की उम्मीद थी। हम उसकी ओर से लगाए आरोप को सिरे से खारिज करते हैं। पाकिस्तान का आरोप था कि यह टक्कर पाकिस्तानी विशेष आर्थिक क्षेत्र में भारतीय जहाज की उकसावे वाली और अस्वीकार्य कार्रवाई की वजह से हुई।

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तानी जहाज खतरनाक तरीके से ओवर ट्रेक करने की पैंतरेबाजी कर रहा था, यह दोनों देशों के सैन्य समझौतों के विरुद्ध है।

प्रवक्ता जायसवाल ने एक बार फिर दोहराया कि आईएनएस कोलकाता पश्चिम अरब सागर में एक नियमित तैनाती पर था। पाकिस्तानी नौसेना के जहाज पीएनएस हुनैन ने समुद्र में अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर तरीके से बर्ताव किया। इसके परिणामस्वरुप टक्कर हुई। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि पूरे घटनाक्रम में आईएनएस कोलकाता को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है और वह अभी भी समंदर में है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी जहाज खतरनाक तरीके से ओवरटेक करने की पैंतरेबाज़ी कर रहा था। यह भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य समझौतों के विरुद्ध है। इन समझौतों में यह स्पष्ट है कि नौसेना इकाइयों को एक-दूसरे के तीन नॉटिकल मील के दायरे में नहीं आना चाहिए। इसके अलावा, पाकिस्तानी जहाज ने समुद्र में टक्कर रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय नियमों का भी उल्लंघन किया है।

उल्लेखनीय है कि अरब सागर में 15 सितंबर को आईएनएस कोलकाता और पीएनएस हुनैन के बीच हुई टक्कर पर भारत ने पाकिस्तान के प्रभारी राजदूत को तलब कर इस मामले पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया था और पाकिस्तानी जहाज के अस्वीकार्य आचरण पर कड़ी आपत्ति जताई थी। इसको लेकर पाकिस्तान का कहना था कि यह टक्कर पाकिस्तान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में भारतीय जहाज की उकसावे वाली और अस्वीकार्य कार्रवाई की वजह से हुई।

भाजपा ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की ओर से भी शुक्रवार को नाम जल्द घोषित किए जाने के संकेत दिए गए थे। हालांकि शुक्रवार देर रात तक औपचारिक घोषणा नहीं हुई।

कोठारी के अलावा, पूर्व उपमहापौर पुनीत कर्णावट, विमल अग्रवाल सहित, कुछ अन्य नाम भी दावेदारों की चर्चा में हैं। ऐसे में अंतिम फैसला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और संगठन की सहमति से होने की संभावना है।

मेयर के साथ डिप्टी मेयर पद को लेकर भी भाजपा संगठन सामाजिक और राजनीतिक समीकरण साधने में जुटा है। सूत्रों के मुताबिक, प्रतिभा शर्मा का नाम इस पद के लिए प्रमुखता से सामने आया है।

अब शनिवार को मेयर पद के नामांकन की अंतिम तारीख होने के कारण भाजपा को समय रहते अपने प्रत्याशी का नाम स्पष्ट घोषित करना होगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शनिवार सुबह तक दोनों पदों के प्रत्याशियों की घोषणा होने की संभावना है। इसके बाद नामांकन की प्रक्रिया सम्पन्न होगी।

एआई के बेरोकटोक डवलपमैंट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनका यह हस्तक्षेप एआई पर चल रही बहस में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव के बीच हुआ है। ''एंथ्रोपिक'' के सीईओ डारियो अमोडेई ने हाल में कहा है कि इंडस्ट्री को डवलपमैंट की रफ्तार धीमी करनी पड़ सकती है, ताकि सुरक्षा सिस्टम को उसके बराबर आने का समय मिल सके। ''ओपन एआई'' के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने भी माना है कि एआई की प्रगति गलत दिशा में जा सकती है और रफ्तार धीमी करने से जो नुकसान होगा, वह सही कदम हो सकता है। ''गूगल डीपमाइंड'' के चेयरमैन डेमिस हसाबिस ने भी अधिक सावधानी बरतने की जरूरत से सहमति जताई है।

अब चिंता केवल इस सवाल से आगे बढ़ रही है कि क्या एआई कुछ खास नौकरियों की जगह ले लेगा। एडवांस्ड सिस्टम, ज्यादा आज़ादी से काम करने, टूल्स का इस्तेमाल करने, कामों में तालमेल बिठाने और इंटरनेट के साथ इन्टरैक्ट में सक्षम हो रहे हैं। एआई कंपनियों की ओर से हाल में मॉडल के अप्रत्याशित या चिंताजनक व्यवहार के बारे में दी गई जानकारियों ने इस सवाल को और गंभीर बना दिया है कि क्या डैवलपर्स भरोसे के साथ यह अनुमान लगा सकते हैं कि ज्यादा सक्षम सिस्टम क्या करेंगे।

इसलिए अब ''रफ्तार बनाम सुरक्षा'' की दुविधा बढ़ती जा रही है। कंपनियों और देशों के पास और भी अधिक शक्तिशाली एआई विकसित करने के मजबूत आर्थिक और रणनीतिक कारण हैं। स्वेच्छा से रफ्तार धीमी करने का मतलब हो सकता है कि वे टैक्नॉलजी या जिओपॉलिटिक्स के मामले में अपने प्रतिस्पर्धी से पीछे रह जाएं। लेकिन पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना आगे बढ़ने से यह खतरा पैदा होता है कि सुरक्षा व्यवस्था एआई की क्षमताओं से हमेशा एक कदम पीछे रह ही जाएगी।

इसलिए चार्ल्स की बात उस बहस में एक व्यापक नैतिक और सामाजिक पहलू जोड़ती है, जो अब तक मुख्य रूप से तकनीक और भू-राजनीति तक सीमित थी। उनका संदेश मूल रूप से यह है कि एआई का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि वह कितना शक्तिशाली, लाभदायक या कुशल है। इससे ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या इंसान इस टैक्नॉलजी को नियंत्रित करने और उसे सामाजिक रुप से लाभकारी दिशा देने में सक्षम बने रहेंगे।

यह मुद्दा खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया आज के जनरेटिव एआई से आगे बढ़कर अधिक स्वायत्त ''एजेंटिक'' सिस्टम और संभवत: आर्टिफिशल जनरल इंटेलिजेंस की ओर बढ़ रही है। अब बहस केवल एक नए उद्योग को नियंत्रित करने तक सीमित नहीं रह गई है। अब इस सवाल पर बहस बढ़ती जा रही है कि इंसान मशीनों को कितनी स्वायत्तता दें और ऐसी स्वायत्तता देने से पहले कौन-कौन से सुरक्षा उपाय मौजूद होने चाहिए।

भारत में जन्मी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खास और महत्वपूर्ण पल बताते हुए चीता संरक्षण की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया। केन्द्रीय मंत्री ने इस मौके को चार साल, चार नए जीवन बताया। उन्होंने कहा कि चार नए शावकों का जन्म भारत में चीता संरक्षण की बढ़ ती सफलता और इसके लिए किए जा रहे दृढ़ संकल्प का अच्छा प्रतीक है। शावकों के जन्म की जानकारी कूनो राष्ट्रीय उद्यान के क्षेत्र संचालक उत्तम कुमार शर्मा ने भी दी है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908